सेंसेक्स	77,155.79
निफ्टी	23,349.90
सोना	77,950
चांदी	92,000
डॉलर	84.47

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शुक्रवार 22 नवम्बर 2024
मार्गशीर्ष कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2081
वर्ष 16, अंक 60
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

अडानी पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी का आरोप

अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

नई दिल्ली। भारत के मशहूर उद्योगपति अडानी समेत कई लोगों ने सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट्स हासिल करने के लिए 250 मिलियन डॉलर से ज्यादा की रिश्वत देने का वादा करने का मामला उजागर हुआ है। अब अडानी ग्रुप के चेयरमैन और देश के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अडानी बड़ी मुसीबत में घिरते नजर आ रहे हैं।

गौतम अडानी और सात अन्य लोगों पर अमेरिका में अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। इस मामले में अमेरिका की कोर्ट में सुनवाई हुई। अडानी और उनके भतीजे के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुए हैं। इस मामले में नाम आने के बाद अडानी ग्रुप ने अमेरिका में 600 मिलियन डॉलर का बॉन्ड रद्द कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार अभियोजकों ने बुधवार को आरोपों की घोषणा की। इसमें आरोप लगाया गया है कि अडानी ग्रुप ने सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी थी। अडानी ने बुधवार को ग्रीन एनर्जी में निवेश की घोषणा की थी। यह घोषणा तब की गई जब कंपनी के अध्यक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप को उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी।

इस मामले की बात करें तो अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग की ओर से बनाए गए मामले के अनुसार, गौतम अडानी पर कथित रूप से अमेरिकी निवेशकों को धोखा देने और अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है। अडानी और अन्यों पर आरोप है कि उन्होंने झूठे और भ्रामक बयानों से अमेरिकी निवेशकों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों से फंड लिया। इसके बाद उस रकम का इस्तेमाल रिश्वतखोरी में किया। अभियोग में कहा गया है कि अडानी और अन्य ने लगभग 265 मिलियन डॉलर (करीब 2237 करोड़ रुपये) की रिश्वत दी। उन्हें उम्मीद थी कि इन कॉन्ट्रैक्ट से दो दशकों में 2 बिलियन डॉलर (करीब 16882 करोड़ रुपये) का मुनाफा होगा। अभियोक्ताओं का दावा है कि इस योजना में शामिल कुछ लोगों ने गौतम अडानी को संदर्भित करने के लिए न्यूमेरो यूनो और द बिग मैन जैसे कोड नामों का इस्तेमाल किया। अभियोग की खबर से कुछ घंटे पहले ही अडानी ग्रुप की एक इकाई ने 600 मिलियन डॉलर की पेशकश के लिए अमेरिकी कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में प्रवेश किया। इस पेशकश को 3 गुना से अधिक ओवरसब्सक्राइब किया गया। बाद में इन बॉन्ड को बेच भी रद्द भी कर दिया गया। अडानी ने एक महीने पहले भी इसी तरह की पेशकश की थी। हालांकि, ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य निर्धारण को लेकर निवेशकों के विरोध के बाद उस पेशकश को स्थगित करना पड़ा।

भतीजे पर भी लगा आरोप

अभियोग में यह भी आरोप लगाया गया है कि अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और एक अन्य कार्यकारी विनीत जैन ने अडानी ग्रीन एनर्जी के लिए 3 बिलियन डॉलर से अधिक के लोन और बॉन्ड हासिल करने के लिए ऋणदाताओं और निवेशकों से रिश्वत की बात छिपाई। ये आरोप विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम के अंतर्गत आते हैं, जो विदेशी व्यापार सौदों में रिश्वतखोरी के खिलाफ एक अमेरिकी कानून है।रिपोर्ट में कहा गया है कि गौतम अडानी और सागर अडानी के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग ने दोनों व्यक्तियों और एक अन्य व्यक्ति सिरिल कैबनेस के खिलाफ संबंधित नागरिक आरोप दायर किए हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार ने अभी तक अडानी और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ विशिष्ट आरोपों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी है।

इन पर लगे हैं आरोप

अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय (न्यूयॉर्क) के अनुसार, रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के मामले में भारत से गौतम एस. अदानी,सागर एस. अडानी,विनीत एस. जैन, रंजीत गुप्ता,सौरभ अग्रवाल,दीपक मल्होत्रा,रूपेश अग्रवाल के अलावा फ्रांस/ऑस्ट्रेलिया के सिरिल कैबनेस का नाम शामिल है।

उद्योगपति अडानी मामले में कांग्रेस बोली-

अमेरिका में ठेका पाने अडानी ने 2,200 करोड़ रुपए की घूस दी

-भाजपा बचाव करने मैदान में उतरी

नई दिल्ली। मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिका में रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। अमेरिका की कोर्ट ने इस मामले में अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर पूरे मामले को लेकर पीएम मोदी को घेरा है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा- आरोप है कि अमेरिका में ठेका पाने के लिए अडाणी ने 2,200 करोड़ रुपए की घूस दी। कांग्रेस ने कहा कि जब इस मामले की जांच जांच शुरु हुई तो इसे रोकने की साजिश भी रची गई।

कांग्रेस ने कहा कि अब अमेरिका में अडाणी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। कांग्रेस ने एक्स लिखा- अजीब बात है...कांग्रेस लगातार अडाणी और इससे जुड़े घपलों की जांच की बात कह रही है, लेकिन पीएम मोदी पूरी ताकत से अडाणी को बचाने में लगे हैं। वजह साफ है- अडाणी की जांच होगी तो हर कड़ी पीएम मोदी से जुड़ेगी। अडाणी के खिलाफ वारंट का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने भी ट्वीट किया। उन्होंने संयुक्त संसदीय समिति की जांच की बात कही है। उद्योगपति गौतम अडाणी अमेरिका में धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आरोपों पर घिर गए हैं। कांग्रेस ने इसे गहरी सांठगांठ का हिस्सा करार दिया है।

वहीं, कांग्रेस के हमलों पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा कि आरोप लगाने से पहले पढ़ लेना चाहिए। अनावश्यक उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। इस मामले में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय द्वारा गौतम अडाणी और उनसे जुड़े अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाना उस मांग को सही ठहराता है जो कांग्रेस जनवरी 2023 से कई घोटालों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच के लिए कर रही है।

रमेश ने हम अडाणी के हैं सीरीज का जिक्र किया, जिसमें कथित घोटालों और पीएम मोदी और गौतम अडाणी के बीच संबंधों के बारे में 100 सवाल उठाए हैं। उन्होंने मामले में जवाबदेही की जरूरत को दोहराया और कहा कि सवालों के जवाब अब तक नहीं मिले हैं।

वहीं, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि अमेरिका सरकार ने अरेस्ट वारंट निकाला है। यह हमारे देश के लिए शर्म की बात है।

कोर्ट ने दिया आदेश कहा- बीकानेर हाउस की संपत्ति करें कुर्क

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित राजस्थान के नगर पालिका के बीकानेर हाउस की संपत्ति कुर्क करने के आदेश कोर्ट ने दिए हैं। दिल्ली की जिला अदालत के न्यायाधीश विद्या प्रकाश के आदेश के मुताबिक, नगर पालिका 2020 में अपने खिलाफ पारित मध्यस्थता पुरस्कार का भुगतान करने में विफल रही है। अब इसका सीधा मतलब है कि बीकानेर हाउस की कुर्की की जाएगी। दिल्ली की अदालत ने एक विस्तृत आदेश में कहा कि उपरोक्त तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए और इस तथ्य को कि ज्यूडी (जजमेंट डेब्टर जो नगर पालिका है) बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद अपनी संपत्ति का

हलफनामा देने के निर्देश का पालन करने में विफल रही है। अदालत, डीएच (डिक्री होल्डर जो एनवाइरो इन्फ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड था) की ओर से की गई दलीलों से सहमत होकर,ज्यूडी की अचल संपत्ति यानी बीकानेर हाउस, नई दिल्ली के खिलाफ अटैचमेंट वारंट जारी करती है।

कोर्ट ने आगे आदेश दिया कि तदनुसार,ज्यूडी की अचल संपत्ति यानी बीकानेर हाउस,नई दिल्ली के लिए अटैचमेंट वारंट जारी करें। अदालत ने कहा कि पटियाला हाउस कोर्ट के न्यायाधीश ने नगर पालिका की ओर से अदालती कार्यवाही के दौरान लगातार अनुपस्थिति पर भी प्रकाश डाला। इसके अलावा,न्यायाधीश ने नगर पालिका को 29 नवंबर को अदालत में उपस्थित होने का आदेश दिया ताकि बिक्री की उद्घोषणा की शर्तों को तय करने के लिए निर्धारित तिथि का नोटिस लिया जा सके।

शाही परिवार करते थे बैठकें

बीकानेर के रियासत के राजा महाराजा गंगा सिंह (1887 से 1943 ईस्वी) के शासनकाल के दौरान बना बीकानेर हाउस शाही परिवार के दिल्ली निवास के रूप में कार्य करता था। यह आधिकारिक तौर पर 18 फरवरी, 1929 को सम्मानित मेहमानों के लिए एक भव्य गृह प्रवेश समारोह के साथ खोला गया था। विशेष रूप से, 1947 में भारत की स्वतंत्रता के पहले,परिसर शाही परिवारों के बीच बैठकों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान था। यहीं पर उन्होंने अपने भविष्य की रूपरेखा तैयार की और नव स्वतंत्र राष्ट्र में शामिल होने के मार्ग पर विचार किया था।

कोलकाता से पटना जा रही बस पलटी,12 की मौत, 24 घायल

हजारीबाग। कोलकाता से पटना जा रही एक बस गोहहर में पलट गई। इससे 12 यात्रियों की मौत हो गई और 24 घायल हो गए हैं। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह सड़क हादसा झारखंड के हजारीबाग जिले में गुरुवार तड़के हुआ है।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोग दुर्घटनाग्रस्त बस से यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास करते दिखे। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाने की पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को आसपास के प्राइवेट क्लिनिकों और सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचाया गया है। एक

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उन्होंने देखा कि एक बस अचानक अनियंत्रित हो गई और पलट गई। उन्होंने अंदेशा जताया है कि रोड पर कोहरा और धुंध का प्रभाव होने के चलते विजिविलिटी बहुत कम था, जिसके चलते चालक का बस से संतुलन खो बैठा, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बस की स्पीड ज्यादा दिख रही थी। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। मौके पर पुलिस के पहुंचने के बाद राहत बचाव कार्य शुरू हो पाया। हालांकि अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि हादसे में जान गंवाने वाले बस यात्री कहां के रहने वाले थे।

सीपीएस की नियुक्ति को सरल बनाने वाला कानून असंवैधानिक

शिमला। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य में मुख्य संसदीय सचिवों (सीपीएस) की नियुक्ति को सरल बनाने वाले कानून को असंवैधानिक करार दिया है। बुधवार को न्यायालय ने सीपीएस की नियुक्ति से संबंधित तीसरी याचिका पर फैसला सुनाते हुए इस पद पर नियुक्त सभी व्यक्तियों को तत्काल हटाने का आदेश दिया। यह याचिका गैर-सरकारी संगठन पीपुल फॉर रिस्पॉन्सिबल गवर्नेंस (पीआरजी) द्वारा दायर की गई थी। याचिका में 2016 में मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के कार्यकाल के दौरान की गई नियुक्तियों को चुनौती दी गई थी। पीआरजी के अधिवक्ता रजनीश मानिकतला ने कहा कि नियुक्तियों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका पहले दायर की गई थी। न्यायालय का यह फैसला 13 नवंबर को महिला याचिकाकर्ता कल्पना और 11 भाजपा विधायकों द्वारा दायर इसी तरह की याचिकाओं के संबंध में दिए गए पिछले फैसले के अनुरूप है। दोनों याचिकाओं में सीपीएस नियुक्तियों की वैधता पर चिंता जताई गई थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि यह प्रथा संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करती है। यह फैसला छह सीपीएस को प्रभावित करता है जिन्हें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार द्वारा नियुक्त किया गया था। जिनमें रोहड़ू विधायक एमएल ब्राक्टा, कुल्लू विधायक सुंदर सिंह ठाकुर, अर्की विधायक संजय अवस्थी, पालमपुर विधायक आशीष बुटेल, दून विधायक राम कुमार चौधरी और बैजनाथ विधायक किशोरी लाल है।

सुप्रीम कोर्ट ने सिख समुदाय का उपहास करने वाले चुटकुलों पर जनहित याचिका फिर से शुरू करने का आश्वासन दिया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सिख समुदाय का उपहास करने वाले चुटकुलों पर जनहित याचिका को फिर से शुरू करने का आश्वासन दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये बहुत ही गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है, हम इस पर कार्रवाई करेंगे. उच्चतम न्यायलय ने याचिकाकर्ता से सिख निकायों, तख्तों से सुझाव एकत्र करने और अदालत में पेश करने के लिए कहा. कोर्ट ने 8 सप्ताह बाद मामले की सुनवाई करने पर सहमति जताई है. सुप्रीम कोर्ट ने हरविंदर चौधरी द्वारा दायर 9 साल पुरानी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है. कोर्ट ने कहा है, हम सुनेंगे, देखेंगे कि क्या स्कूलों में बच्चों को संवेदनशील बनाया जा सकता है.卐

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि जोक्स के जरिए सिख समुदाय को व्यापक रूप से निशाना बनाया गया है. चुटकुलों से सिख समुदाय को लगातार निशाना बनाया जा रहा है. यह काफी संवेदनशील मामला है.

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता हरविंदर चौधरी से सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों, सिख सभाओं, तख्तों से इस संबंध में सुझाव मांगने और उन्हें संकलित करने, उन्हें समेकित करने और एक संकलन दाखिल करने को कहा. पीठ ने कहा कि मामले पर 8 सप्ताह बाद सुनवाई की जाएगी. याचिकाकर्ता हरविंदर चौधरी ने सुनवाई के दौरान कहा. कोर्ट ने बताया कि 2 अंतरिम आवेदन हैं. याचिकाकर्ता ने कोर्ट में कहा कि महिलाओं को उनके पहनावे के लिए उपहास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि बच्चों को स्कूल के साथी धमका रहे हैं, हम विचार-विहीनता से पीड़ित हैं. कुछ महिलाएं मेरे पास आईं और कहा, हम सिख पोशाक में हैं...पगड़ी और सफेद सूट पहने हुए हैं...हमारा उपहास किया जा रहा है. हमारी शिकायतें अदालत को दिए गए सुझावों में नहीं हैं. एक घटना में, एक लड़के ने यातना के कारण आत्महत्या कर ली थी।

सागर में 13 और शिक्षकों का सामूहिक इस्तीफा...अपनी जगह दूसरों से काम कराने का मामला

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के खुरई में शिक्षकों पर हुई कार्रवाई के बाद बवाल मच हुआ है। 8 शिक्षकों को निलंबित करने के बाद 13 और शिक्षकों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। मामला सागर जिले में शिक्षकों द्वारा दूसरे लोगों से अपना काम करवाने का है। इन शिक्षकों द्वारा काम करवाने के लिए 3000 से 7000 रुपये तक देते थे। यह बात सामने आने पर कलेक्टर संदीप जी आर ने 8 शिक्षकों को तुरंत निलंबित कर पुलिस में मामला दर्ज करने के आदेश दिए। इस कार्रवाई से नाराज होकर 13 अन्य शिक्षकों ने भी सामूहिक इस्तीफा दे दिया है।

निलंबित शिक्षक भोलाराम अहिरवार सहित अन्य शिक्षकों का कहना है कि यह एकतरफा फैसला है। उनका कहना है कि उनकी कोई बात नहीं सुनी गई और उन्हें बिना कारण बताए निलंबित किया गया। कार्रवाई से नाराज होकर खुरई के जनशिक्षक, बीएसी और जन शिक्षा केंद्र के अन्य शिक्षक देर रात थाने पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। इसके बाद 13 जनशिक्षकों ने सामूहिक इस्तीफा देकर प्रशासन से निलंबन वापस लेने की मांग की। शिक्षकों का कहना है कि उन्हें गलत तरीके से फंसाया गया है। उन्होंने प्रशासन से निलंबन वापस लेने और सही तरीके से जांच कराने की मांग की है।

संजय मूर्ति ने राष्ट्रपति के समक्ष ली कैग पद की शपथ

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को के संजय मूर्ति को भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कैग) पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडपम में आयोजित किया गया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे। मूर्ति 1989 बैच के भारतीय प्रशासन सेवा के हिमातल काडर के अधिकारी हैं। वह गिरीश चंद्र मुर्मु का स्थान ले रहे हैं, जो 20 नवंबर को कैग के पद से सेवानिवृत्त हुये हैं।

हाईकोर्ट ने सीपीएस नियुक्ति को सुगम वाले कानून को किया असंवैधानिक घोषित

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य में मुख्य संसदीय सचिवों (सीपीएस) की नियुक्ति को सुगम बनाने वाले कानून को असंवैधानिक घोषित कर दिया है। कोर्ट ने सीपीएस की नियुक्ति से संबंधित तीसरी याचिका पर अपना फैसला सुनाते हुए इस पद पर नियुक्त सभी व्यक्तियों को तत्काल हटाने का आदेश दिया है। यह याचिका गैर-सरकारी संगठन पीपुल फॉर रिस्पॉन्सिबल गवर्नेंस (पीआरजी) द्वारा दायर की गई थी। याचिका में 2016 में सीएम वीरभद्र सिंह के कार्यकाल के दौरान की गई नियुक्तियों को चुनौती दी गई थी। पीआरजी के वकील ने कहा कि नियुक्तियों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका बहुत पहले दायर की गई थी। हिमाचल हाईकोर्ट का यह फैसला 13 नवंबर को महिला याचिकाकर्ता कल्पना और 11 बीजेपी विधायकों द्वारा दायर इस तरह की याचिकाओं के संबंध में दिए गए पिछले फैसले के अनुरूप है। दोनों याचिकाओं में सीपीएस नियुक्तियों की वैधता पर चिंता जताई गई। याचिका में तर्क दिया गया था कि यह प्रथा संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करती है। यह फैसला छह सीपीएस को प्रभावित करता है जिन्हें सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार द्वारा नियुक्त किया गया था, जिनमें रोहड़ू विधायक एमएल ब्राक्टा, कुल्लू विधायक सुंदर सिंह ठाकुर, अर्की विधायक संजय अवस्थी, पालमपुर विधायक आशीष बुटेल, दून विधायक राम कुमार चौधरी और बैजनाथ विधायक किशोरी लाल हैं।

शराब घोटाले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को ईडी ने जायज बताया, कहा 170 से अधिक फोन बदले या नष्ट किए गए

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को जायज ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट में एजेंसी ने कहा, आरोपियों ने घोटाले से जुड़े 170 से अधिक मोबाइल फोन बदले या नष्ट कर दिए। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में ईडी ने कहा कि सबूतों के आधार पर किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जा सकता है, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो। ऐसी गिरफ्तारी को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा का उल्लंघन नहीं कहा जा सकता। ईडी ने कहा, यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाता है, तो अपराधी राजनेताओं को गिरफ्तारी से छूट मिल जाएगी। एजेंसी ने कहा, केजरीवाल नौ बार तलब किए जाने के बावजूद जांच अधिकारी के सामने उपस्थित नहीं हुए। वे पूछताछ से बच रहे थे।

ईडी ने 700 से अधिक पन्नों के जवाब में यह भी कहा कि घोटाले की अवधि के दौरान 36 व्यक्तियों (आरोपी और अन्य) की ओर से कुल 170 मोबाइल फोन को बदलने या नष्ट करने का निष्कर्ष इस तथ्य पर आधारित है कि ये मोबाइल फोन ईडी की गहन तलाशी के दौरान बरामद नहीं किए गए। फिर इन व्यक्तियों की जांच पर वे इन्हें पेश करने में असमर्थ रहे या उन्हें दुरुस्त अवस्था में पेश नहीं कर सके।

डिजिटल सबूतों को बड़े पैमाने पर नष्ट किया गया

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को वैध बताते हुए कहा कि इस मामले में डिजिटल सबूतों को बड़े पैमाने पर नष्ट किया गया। अपराध की आय, मनी ट्रेल के सबूतों को नष्ट किया गया। केजरीवाल के इस दावे को खारिज करते हुए कि उन्हें चुनाव से ठीक पहले गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है, ईडी ने कहा है कि पीएमएलए, 2002 की धारा 19 के तहत शक्तियों का प्रयोग उचित प्रक्रिया के अनुसार किया गया है। याचिकाकर्ता का चुनाव के नाम पर सुरक्षा पाने का दावा गलत है क्योंकि उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध में लिप्त पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया था। ईडी का यह जवाब केजरीवाल की ओर से हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर आया है। सुप्रीम ने केजरीवाल की याचिका पर ईडी को जवाब दाखिल करने के लिए कहा था।

खास खबर

बैंक से 13 करोड़ का सोना चोरी

वारंगल। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से 13.6 करोड़ रुपये मूल्य के 19 किलोग्राम से अधिक सोने के आभूषण चोरी हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चोर रायपर्ती मंडल स्थित बैंक की शाखा में गैस कटर से खिड़की काटकर घुसे और मुख्य तिजोरी से करीब 19.5 किलोग्राम वजन के सोने के आभूषण चुराकर फरार हो गए। बैंक कर्मचारियों को मंगलवार को चोरी का पता चला और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। चोर इतने शातिर थे कि उन्होंने ना केवल सीसीटीवी को तोड़ दिया बल्कि डीवीआर भी अपने साथ ले गए।

111 करोड़ की ठगी का भंडाफोड़

सूरत। सूरत पुलिस की साइबर सेल ने कुछ दिनों पहले इंटरनेशनल गैंग के साइबर फ्रॉड मामले का भंडाफोड़ किया था। यह केस 111 करोड़ की धोखाधड़ी से जुड़ा है। इस मामले में सूरत साइबर सेल ने दो और लोगों को अरेस्ट किया है। पुलिस का कहना है कि इन आरोपियों ने साइबर फ्रॉड के लिए इस्तेमाल होने वाले तकरीबन 125 बैंक अकाउंट गैंग के लोगों को कमीशन के आधार पर मुहैया कराए थे। सूरत क्राइम ब्रांच और साइबर सेल के डीसीपी भावेश रोजिया ने बताया कि सूरत शहर के सरथाना और मोटा वराछा इलाके में छापेमारी कर इंटरनेशनल साइबर फ्रॉड के रैकेट का भंडाफोड़ किया गया था।

आठ और कंपनियां मणिपुर पहुंचीं

इंफाल। मणिपुर में हिंसा बढने के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 8 और कंपनियां बुधवार को राजधानी इंफाल पहुंच गईं। एक दिन पहले ही सीएपीएफ की 11 कंपनियां मणिपुर पहुंची थीं। अधिकारियों के मुताबिक सीएपीएफ और बीएसएफ की चार-चार कंपनियों को राज्य के संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात किया जाएगा। सीएपीएफ की इन कंपनियों में से एक महिला बटालियन की है। केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की थी कि मणिपुर में सीएपीएफ की 50 नई कंपनियां तैनात की जाएंगी।

दिल्ली में 4 करोड़ की ड्रग्स जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पार्टी ड्रग्स की बड़ी खेप बरामद करते हुए 4 करोड़ की एमडीएमए ड्रग्स बरामद की है। इसमें एक नाइजीरियन नागरिक को गिरफ्तार किया है। ड्रग्स उत्तम नगर से पकड़ी गई है। एक घर से तकरीबन 7 हजार ड्रग्स की गोलियां एमडीएमए क्वालिटी में (6790 गोलियां) बरामद हुईं, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट वैल्यू 4 करोड़ है।

आरोपी चुकू ने बताया कि उसका साथी भी है, जो उसके साथ ड्रग्स सप्लाई में शामिल है। वहीं, अहमदाबाद में 1 करोड़ से ज्यादा की ड्रग्स के साथ युवक गिरफ्तार हुआ है। क्राइम ब्रांच ने 40 जिंदा कारतूस समेत 18 लाख जब्त किए हैं। 1.23 किलोग्राम एमडी से ज्यादा ड्रग्स है।

वायु प्रदूषण के चलते पटाखों की ऑनलाइन बिक्री तुरंत बंद करने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ई-कॉमर्स वेबसाइट और सोशल मीडिया मंचों को राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों की ऑनलाइन बिक्री तुरंत बंद करने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली सरकार द्वारा 14 अक्टूबर को जारी आदेश के मुताबिक दिल्ली में एक जनवरी 2025 तक सभी तरह के पटाखों के निर्माण, भंडारण और उन्हें फोड़ने पर पूरी तरह बैन लगा दिया है।

जिला स्तरीय कृषि स्थाई समिति की बैठक हुई संपन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिला स्तरीय कृषि स्थाई समिति की बैठक गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में सभापति टामेश्वर पटले की अध्यक्षता में संपन्न की गई। बैठक में सहकारिता विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, आत्मा समिति, जिला सहकारी बैंक, कृषि उपज मंडी समिति, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग एवं कृषि से संबंधित अन्य विभागों की योजनाओं की जानकारी, लक्ष्य पूर्ति एवं विभागीय कार्यों की गतिविधियों की समीक्षा की गयी। बैठक में सभापति श्री पटले द्वारा आत्मा परियोजना अंतर्गत विकासखण्ड परसवाडा, बालाघाट, लालबर्रा, बिरसा, बैहर, खैरलांजी में स्टॉफ के रिक्त पद को पुरा करने के लिए वरिष्ठालय को पत्र लिखने के निर्देश दिये गये। वहीं उद्यानिकी विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदाय की गयी। जिसमें श्री पटले द्वारा पुष्प क्षेत्र विस्तार से संबंधित कृषकों की सूची उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही मसाला क्षेत्र विस्तार एवं सब्जी विस्तार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी ली गयी। इस दौरान सदस्य श्रीमती केसर बिसेन द्वारा केले की फसल के संबंध में जानकारी ली गयी। जिसमें सहायक संचालक उद्यानिकी द्वारा जानकारी दी गयी कि विभाग द्वारा बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए लघु उघोग खोलने विभाग से सब्सीडी प्रदान की जाती है। ईच्छुक युवक/युवति विभाग के माध्यम से योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। बैठक में सभापति श्री पटले द्वारा सर्राठी जलासय ग्राम तेकाडी (लालबर्रा) अंतर्गत मत्याखेट के लिए चल रहे समितियों के विवाद के संबंध में 7 दिसम्बर के पश्चात कृषि फार्म मुरझड़ में बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये गए। उप संचालक पशु चिकित्सा द्वारा मुर्रा भैंस योजना, नंदीशाला योजना, बकरीपालन योजना, आचार्य विधासागर योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। लंपी बिमारी की रोकथाम के लिये किये जा रहे कार्य के संबंध में विस्तृत चर्चा की गयी। साथ ही श्री पटले द्वारा आगामी बैठक में जिला विपणन अधिकारी को बैठक में आवश्यक रूप से उपस्थित रहने के लिये निर्देशित किया गया। बैठक में रबी-2024 के लिये बीज की उपलब्धता की समीक्षा की गयी। जिसमें सदस्य श्रीमति केशर बिसेन द्वारा फसल चक्रीकरण के संबंध में चर्चा की गयी। कृषि विभाग द्वारा सचालित योजनाओं जैसे रा.खा.सु.मि. ऑन ईडिबल ऑईल (तिलहन), रा.खा.सु.मि (टरफा), रा.खा.सु.मि (दलहन), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के स्वाईल हैल्थ एण्ड फर्टिलिटी योजना, परम्परागत कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के स्वाइल हेल्थ एण्ड फर्टिलिटी योजना अंतर्गत नमूना एकत्रीकरण, रा.खा.सु.मि (खरीफ) वर्ष 2024-25 के विकासखण्डवार, मदवार, घटकवार भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों का अनुमोदन लिया गया। जिले में कृषि उपज मंडी समिति द्वारा निर्मित भवनों की निलामी की कार्यवाही जल्द से जल्द किये जाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। सचिव कृषि उपज मंडी द्वारा जानकारी दी कि कार्यवाही प्रक्रियाधीन है जल्द ही निलामी की कार्यवाही की जाने वाली है। उप संचालक कृषि द्वारा सुपर सीडर का उपयोग एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। वहीं बालाघाट में स्थित बीज निगम का कार्यालय बालाघाट से हटाकर सिवनी में शिफ्ट किया जा रहा है एवं उपस्थित कर्मचारी का स्थानांतरण किया जा रहा है, जिस पर सभापति श्री पटले द्वारा वरिष्ठालय को कलेक्टर के माध्यम से पत्र प्रेषित करने के लिये निर्देशित किया गया। बैठक में सदस्य झामसिंह नागेश्वर, डुलेन्द्र ठाकरे, सदस्य मंशाराम मडावी, उप संचालक कृषि राजेश खोबरागड़े, डॉ एन.डी.पुरी (पशुपालन विभाग), श्रीमति पूजा रोडगे (मतस्य विभाग), क्षितिज करहाडे (सहायक संचालक उद्यान), पामेश भगत (सहायक कृषि यंत्री), सुश्री अर्चना डोंगरे (परि. संचालक आत्मा), सुनील कुमार सोने, पुरुषोत्तम बिसेन (बीज निगम), मनीष मडावी (सचिव कृषि उपज मंडी), उपस्थित रहे।

साइंस सर्किल द्वारा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संस्था प्रमुख के लिये पुरस्कार की योजना - पढ़ो-बढ़ो और जीतो पुरस्कार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। साइंस सर्किल द्वारा कक्षा छँटवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों द्वारा वस्तुनिष्ठ एवं लघुउत्तरीय प्रश्नों की तैयारी के उद्देश्य से टार्गेटेड स्टडी प्लान तैयार कर जारी किया गया हैं। जिसे संपूर्ण ज़िले के कक्षा 6वीं से 12वी तक के सभी विद्यार्थी, शिक्षक एवं संस्था प्रमुख अपनी सहभागिता दर्ज कर अपने परीक्षा परिणाम में सुधार करते हुए पुरस्कार और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। साइंस सर्किल के सचिव डॉ. युवराज राहंगडाले ने जानकारी देते हुए बताया है कि यह स्कीम दो स्तरों पर लागू की गई हैं। पूर्व माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों को प्रतिदिन अपने विषयों में 5 प्रश्न या स्टेटमेंट लिखकर तैयार करना हैं। वे स्टेटमेंट इस प्रकार के हो कि उससे एमसीक्यू, रिक्त स्थान, सत्य असत्य, जोड़ी बनाओ, एक शब्द उत्तर एवं लघुउत्तरीय में से कोई भी प्रश्न का हल तैयार हो जाए। साइंस सर्किल द्वारा यह योजना 90 दिनों के लिए 15 अक्टूबर से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ की गई हैं तथा 50 दिनों के लिए 20 नवंबर से कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ की गई हैं। यदि प्रतिदिन विद्यार्थी पाँच प्रश्न की तैयारी करे तो 9-10 के विद्यार्थियों के 2700 प्रश्न, 11-12 के विद्यार्थियों के 2250 प्रश्न एवं कक्षा 6-8 के विद्यार्थियों के 1800 प्रश्न तैयार हो सकते हैं। साइंस सर्किल ने प्रोत्साहन करने के लिए विभिन्न अवार्ड की घोषणा की हैं जिसमें केश प्राइज़, मोमेंटो, प्रमाणपत्र देकर समारोह पूर्वक सम्मानित करने की योजना हैं। जिसके लिए नॉमिनेशन 20 जनवरी से 30 जनवरी 2025 तक संस्था प्रमुख के माध्यम से किया जाएगा। कक्षा 9वीं से 12वीं में विद्यार्थियों के लिए आउटस्टैंडिंग एचीवमेंट अवार्ड, शिक्षक के लिए डेडिकेटेड एजुकेटर अवार्ड और संस्था प्रमुख के लिये वीज़नरी लीडर अवार्ड शामिल है। वहीं कक्षा 6-8 के विद्यार्थियों के लिए स्टार ऑफ़ एक्सीलेंस, शिक्षक के लिए कमिटमेंट टू एजुकेशन अवार्ड तथा संस्था प्रमुख के लिये हेडमास्टर्स लीजेसी अवार्ड प्रदान करने की योजना तैयार की गई हैं। जो साइंस सर्किल के द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रदान किया जाएगा। नॉमिनेटेड विद्यार्थी एवं शिक्षक के तैयारी एवं इसमें उनकी सहभागिता का टीम साइंस सर्किल द्वारा जाँच कर संस्था प्रधान के मार्गदर्शन का आकलन किया जाएगा। प्रतिदिन कार्य करना एवं प्रत्येक 50 वे प्रश्न का संस्था प्रमुख द्वारा जाँचकर टीप दर्ज किया जाना आवश्यक होगा। चयनित विद्यार्थी को उनके लिखे किसी भी प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक होगा। ऑनलाइन और ऑफलाइन साक्षात्कार द्वारा चयन प्रक्रिया संपन्न की जावेगी। शिक्षक के लिए अधिक छात्र संख्या के लिये इस स्कीम को लागू करना एवं संस्था प्रमुख के लिये उनकी मॉनिटरिंग का आकलन साइंस सर्किल द्वारा किया जाकर पुरस्कृत किया जायेगा।

SCIENCE OLYMPIAD FOUNDATION

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु बी.ई., बी कॉम., प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण Freshers एवं सी.ए. आर्टिकल, सी.ए. इन्टर फाईनल युवक/युवती की आवश्यकता है। कम्प्यूटर एक्सल की संपूर्ण जानकारी आवश्यक है।
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एंड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक, बालाघाट (मप्र)
मो. 09201340520/09244872544
बायोडाटा देने मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

आवश्यकता है
नागपुर मे टाइल्स दुकान के लिए हेल्पर और सेल्समैन चाहिए।
वेतन - 8000 - 16000
संपर्क
विनोद अग्रवाल
मो. 9326820010
पता - श्याम ट्रेडर्स, गंगाबाई घाट चौक नागपुर

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम अंतर्गत बाल-विवाह से जुडी कुरीतियों से कराया गया अवगत

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमति दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन में वन स्टॉप सेंटर (सखी) द्वारा बाल विवाह रोकने के लिये प्रचार-प्रसार किया गया। कार्यक्रम प्रकृति महिला अशासकीय संस्था के साथ समन्वय से ग्राम पंचायत मेहदुली, ग्राम पंचायत खापा में

आयोजित किया गया। जिसमे वन स्टॉप सेंटर बालाघाट द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम अंतर्गत बाल-विवाह से जुडी कुरीतियों और उम्र के पहले विवाह के दुष्परिणाम से अवगत कराया गया। साथ ही बाल-विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अनुसार 21 वर्ष से कम आयु का लड़का व 18 वर्ष से कम आयु का विवाह बाल विवाह माना जाता हैं। जिसमे जेल एवं आर्थिक दण्डष का प्रावधान है, इसके अलावा पॉस्को एक्ट में कडी कार्यवाही भी की जाती है। इस प्रकार अधिनियम के तहत दोषी पाऐ जाने वाले प्रत्येधक व्य क्ति जो विवाह समारोह में शामिल होते है या सहयोग करते है सभी के लिए उचित दण्डप का प्रावधान है। जिसमें माता-पिता के अलावा पुजारी, मोलवी, रिश्ते दार, बिचौलिए, केटरिंग, टेंट, नाई, ब्यू टी पार्लर, विवाह आयोजक, बैंड, प्रिटिंग प्रेस वाले भी शामिल हो सकते है, बाल विवाह में पकडे गए दोषियों को 2 वर्ष का कारावास एवं 1 लाख तक का जुर्माना या दोनो सजाऐं हो सकती है। बताया गया कि अभियान अंर्तगत तुलसी विवाह के पश्चाएत बडी संख्या में शादियां आरंभ हो चूकी है। बाल विवाह होने पर वन स्टॉप सेंटर बालाघाट में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया हैं जिसका दूरभाष क्र. 6262240299 एवं टोल फ्री चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 में जानकारी दी जा सकती है। कार्यक्रम में प्रकृति महिला अशासकीय संस्था से फेलोशिप कार्यकर्ता श्रीमति खुमेश्वारी ठाकरे, श्रीमति दानेश्वतरी रहांगडाले, श्रीमति निशा धनकरे, श्रीमति रामेश्वीरी बिसेन उपस्थित रहे।

खेलों एमपी यूथ गेम्स खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर-कलेक्टर श्री मीना

अंडर 19 खिलाड़ियों के लिए 19 खेलों में होगा खेलों एमपी यूथ गेम्स

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। कलेक्टर मृणाल मीना ने दिसम्बर माह में आयोजित होने वाले खेलों एमपी यूथ गेम्स में खिलाड़ियों से कहा है कि यह खेल नही युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छा अवसर है। इस बार 19 खेल जिला स्तर व 6 राज्य स्तरीय रूप में आयोजित होंगे। इन सभी 25 खेलों में बालाघाट के खिलाड़ी अवसर बनाएं। जिले की खेल संस्कृति अन्य जिलों से ज्यादा उपयुक्त है। उन्होंने जिला स्तरीय खेल समिति, जिले के खेल संघों और ब्लॉक स्तरीय समन्वयकों को इस आयोजन में अपना सर्वोच्य योगदान देने का आग्रह भी किया। बैठक में जिला खेल अधिकारी केके चौरसिया ने खेलों एमपी यूथ गेम्स से सम्बंधित जानकारिया दी।

विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि सीएमओ कमलेश बिंजवार, परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल, नेहरू युवा केन्द्र के समन्वयम व अन्य मौजुद रहें।

इस बार ब्लॉक स्तर और प्रतियोगिताए नहीं बल्कि ट्रायल होंगे

खेल अधिकारी श्री चौरसिया ने बताया कि राज्य स्तर से जारी निर्देशों के अनुसार पहली बार ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिताए नही बल्कि ट्रायल होंगे। यह ट्रायल खेल संघों की अनुशंसा के आधार पर ब्लॉक स्तर के समन्वयकों व चयन समिति द्वारा होंगे। ब्लॉक स्तर पर ट्रायल 5 से 11 दिसम्बर को जिला स्तर पर प्रतोयोगिताये 13 से 15 दिसम्बर को और सम्भाग व राज्य स्तर पर 24 से 28 नवम्बर को आयोजित होगी।

पारम्परिक खेल के अलावा कई खेल है शामिल

खेल अधिकारी ने बताया कि खेलों एमपी यूथ गेम्स में 19 खेल जिला स्तर पर और 6 राज्य स्तर पर होंगे। 19 खेलों में कब्बडी के अलावा वॉलीवाल, बास्केटबॉल, हॉकी, क्रिकेट, खो-खो, फुटबॉल, कुश्ती, बैटमिंटन, मलखम्ब, जुडो, टेनिस, वेटलिफ्टिंग, योगासन, तैराकी व शतरंज आदि खेल शामिल है। बैठक में खेल आयोजन की तैयारियों के सम्बंध में चर्चा की गई। इस दौरान

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं रितेंद्र बोपचे पिता पांडुरंग बोपचे जाति पंवार ग्राम बरघाट (बोरी) तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरी बेटी श्रीया बोपचे का जन्म १६.०६.१९९६ को ग्राम बरघाट (बोरी) में हुआ है किन्तु किसी कारणवश मैंने उस समय जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं कर पाया था और वर्तमान में मुझे जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ रही है। मुझे तहसील कार्यालय से जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वो तहसील कार्यालय पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
रितेंद्र बोपचे
निवासी - ग्राम बरघाट (बोरी) तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)।

कार्यालय नगर परिषद लांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

Fax NO :- 07635-255881
Tele. No. :- 07635-255202
E-Mail :- cmolanji@mpurban.gov.in
कोड-481222

कंमांक/ 1923/ई-टेण्डर/न.प./2024-25
लांजी, दिनांक 20/11/2024

।। संक्षिप्त निविदा सूचना।।

निम्नलिखित कार्य हेतु C&AG से पंजीकृत इच्छुक फर्म/सी.ए. से ऑनलाईन निविदा दरें आमंत्रित की जाती है। निविदा के विस्तृत विवरण ऑनलाईन वेबसाईड- https//mptenders.gov.in में देखा जा सकता है।

सं. क.	टेण्डर कमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
	2024_UAD _383323_1	द्विलेखा प्रणाली के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 से आगामी 05 वर्षो (2028-29) तक प्रतिवर्ष निकाय के वार्षिक वित्तीय लेखो की, Tally Softwere में द्विलेखा प्रविष्ठि कर विवरण तैयार करना :- आय-व्यय पत्रक एवं शैड्यूल, बैलेंस शीट पत्रक एवं शैड्यूल, ट्रायल बैलेंस, कैशफ्लो पत्रक, चल-अचल संपत्ति रजिस्टर, बैंक समाशोधन तैयार करना आदि कार्य।	05 वर्ष 500000.00	2000.00 5000.00	12/12/2024

शर्ते:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https//mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

(रिखा ताराचंद कालबेले)
अध्यक्ष
नगर परिषद लांजी

(किशोर रामटेक्कर)
सभापति
सामान्य प्रशासन, राजस्व, वित्त एवं लेखा विभाग
नगर परिषद लांजी

(बी.एल. लिल्हारे)
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद लांजी

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगर परिषद लांजी जिला -बालाघाट (म.प्र.)

मकान बेचना/ किराये से देना है
सर्व सुविधायुक्त सिंगलेक्स मकान वैनगंगा हाऊसिंग बोर्ड कालोनी रामपायली रोड़ वारासिवनी जिला बालाघाट स्थित एमआईजी - डीलक्स एमडी टाइप मकान शीघ्र बेचना/ किरायें से देना है।
वास्तविक खरीददार ही संपर्क करें
9424969082, 9424919894

आवश्यकता है
चपरासी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास में रहने वाले ही 25 वर्ष से कम उम्र के युवक/युवती ही संपर्क करें
अनिवार्यतः साइकिल चलाना आना चाहिए
वेतनमान- 10000+
संपर्क करें
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स
चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल हनुमान चौक, मेन रोड बालाघाट (मप्र)
244944 मो. 9201340520,9244872544
मिलने एवं फोन लगाने का समय- शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक

लामता में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

परसवाड़ा में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आवश्यकता है
मेडिकल होलसेल/ रीटेल में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की अर्जेंट आवश्यकता है
अनुभवी एवं कम्प्युटर प्रशिक्षित को प्राथमिकता
-संपर्क करें-
मनीषा मेडिकोज, बालाघाट
मो. 7073101956

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

रायपुर से लखनादौन तक नए 6 लेन एक्सप्रेस-वे बनने की कवायद हुई शुरू

तीन रूटो पर चल रहा सर्वे, एक रूट में बालाघाट से होते गुजर रहा एक्सप्रेस-वे, दिसंबर से जनवरी तक हो जाएगा स्पष्ट

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। रायपुर से लखनादौन तक नए एक्सप्रेस वे बनने की कवायत शुरू हो चुकी है जिसके लिए संबंधित विभाग द्वारा 3 रूट निर्धारण कर लिये गये हैं जिनको लेकर सर्वे करवाया जा रहा है कि यह 6 लेन किस ओर से जाएगा इसके लिए तीन रूट अभी तक संबंधित विभाग के द्वारा चुने गए हैं जिसमें विभाग द्वारा यह प्रयास किये जा रहे हैं कि जिस रूट में फॉरेस्ट का जंगल काम आए और कम जमीन अधिग्रहण करना पड़े, सूत्रों की माने तो जिन तीन रूट में यह 6 लेन गुजरेगा उसमें एक रूट बालाघाट होते हुए भी आ रहा है, लेकिन अभी संबंधित अधिकारियों द्वारा यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह बालाघाट रूट वाले ही रास्ते से 6 लेन गुजरेगा, इसके लिए दिसंबर से जनवरी तक सर्वे कर स्पष्ट कर देगी कि यह 6 लेन कौन से रूट से होता हुआ गुजरेगा।

आपको बता दें कि रायपुर से लखनादौन तक नए एक्सप्रेस-वे बनाने की कवायद हो रही है। लखनादौन से रायपुर तक 6 लेन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का सर्वे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण करा रहा है। यह तीन रूट पर कराया जा रहा है। उम्मीद है कि करीब 300 किमी लंबा यह हाई-वे रायपुर से बालाघाट होते हुए लखनादौन तक आएगा। इसकी रिपोर्ट दिल्ली भेजी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे को लखनादौन-छपारा-सिवनी-बालाघाट-रजेगांव होकर निकालने की तैयारी है। अफसरों के मुताबिक निर्माण में सबसे छोटे रूट को प्राथमिकता दी जाती है। इसके पांच साल के भीतर बन जाने के आसार हैं। लेकिन अभी इन तीन रूटो में से किस रूट से यह 6 लेन गुजरेगा या स्पष्ट नहीं हो पाया है क्योंकि अभी संबंधित विभाग के द्वारा सर्वे का कार्य किया जा रहा है और यह सर्वे दिसंबर से जनवरी तक चलेगा, इसके बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह 6 लेन किस रूट से होते हुए आगे बढ़ेगा जिसमें अधिकारियों का यह मानना है कि वह उस रूट को पहले प्राथमिकता देंगे जिसमें कम फॉरेस्ट का जंगल आ सके और अधिक जमीन अधिग्रहण

करने की आवश्यकता ना पड़े, फिलहाल संबंधित अधिकारी अभी सर्वे में लगे हुए हैं इसलिए कौन सा रूट फाइनल होगा इस विषय पर अभी कुछ नहीं कह रहे हैं इससे दिल्ली से लखनादौन और भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे रायपुर से विशाखापट्टनम वाले एक्सप्रेस-वे जुड़ जाएंगे। वैसे ह।ढ्व के अफसर ऐसा मार्ग चुनना चाहते हैं, जहां जंगल कम हो। सरकारी जमीन अधिक हो, निजी निर्माण ज्यादा न तोड़ने पड़ें। निजी जमीन का ज्यादा अधिग्रहण न करना पड़े। लखनादौन से रायपुर आने वाले एक्सप्रेस-वे से जबलपुर के निवासियों और व्यापारियों के लिए फायदेमंद रहेगी। इससे जबलपुर से मंडला के लिए एक नई सड़क मिलेगी, जिससे रायपुर आना-जाना आसान हो जाएगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कारोबार बढ़ेगा। अभी रायपुर से लखनादौन 340 किमी है। रायपुर से लोग बेमेतरा, कवर्धा, चिल्फी और मंडला से होकर जाते हैं। इसमें 7 घंटे 55 मिनट लगते हैं, क्योंकि सड़क अच्छी नहीं है। एक्सप्रेस-वे से हैदराबाद से रायपुर होते हुए दिल्ली तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

इन 3 रूट का हो रहा है सर्वे

एक्सप्रेस-वे पर करीब 15 हजार करोड़ रुपए लागत आने के आसार हैं। जिन 3 रूट का सर्वे हो रहा है, उनमें एक- लखनादौन-धनौरा केवलारी-उगली-कंजई-लालबर्रा-बालाघाट और वहां से रायपुर। दूसरा- लखनादौन-नैनपुर-बैहर-मलाजखंड होकर रायपुर। तीसरा- लखनादौन-छपारा-सिवनी-बरघाट-लालबर्रा-बालाघाट-रजेगांव से रायपुर है। इसके बनने पर 8 घंटे के बजाय 5 घंटे में ही लगेंगे। यानी 3 घंटे की बचत होगी।

सर्वे दिसंबर से जनवरी के बीच पूर्ण हो जाएगा - अमितलाल साहू

इस विषय को लेकर जब हमारे द्वारा प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमितलाल साहू से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि निश्चित ही रायपुर से लखनादौन तक नई एक्सप्रेस वे 6 लेन का कार्य इन दिनों चल रहा है और इस समय उनके द्वारा रूट निर्धारण को लेकर सर्वे किया जा रहा है और इस सर्वे में वह सबसे अधिक इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि सिक्स लेन एक्सप्रेस वे में कम से कम फॉरेस्ट की जमीन या जंगल आय एवं उन्हें ज्यादा जमीन को अधिग्रहण ना करना पड़े, इस बात को लेकर उनकी टीम अभी रूट निर्धाणन पर सर्वे का कार्य कर रही है और यह सर्वे दिसंबर से जनवरी के बीच पूर्ण हो जाएगा उसके बाद ही यहां स्पष्ट होगा कि यह सिक्स लेन एक्सप्रेस वे किस रूट से निकलेगा अभी वह रूट को लेकर कुछ नहीं कहना चाह रहे हैं लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनवरी तक यह निश्चित हो जाएगा कि यह सिक्स लेन एक्सप्रेस वे किस रूट से

भूपेंद्र सोहागपुरे के मामले में बोले भाजपा जिला अध्यक्ष पुलिस कर रही है कार्यवाही

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष ने स्वयं से दे दिया हैं इस्तीफा, अजय यादव से नहीं है भाजपा का कोई लेना-देना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बीते दिनों से चल रहे भूपेंद्र सोहागपुरे के मामले में भाजपा जिला अध्यक्ष द्वारा मीडिया में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया गया कि जो घटना हुई है वह सही नहीं है उसके बाद से ही भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष द्वारा अपना त्यागपत्र दे दिया गया है और उस घटना पर पुलिस द्वारा मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई की जा रही है और यह प्रकरण न्यायालय में है इसलिए वह भी यही मांग करते हैं कि न्याय उचित कार्रवाई होनी चाहिए, वही अजय यादव पर धोखाधड़ी के मामले में उन्होंने बताया कि अजय यादव का भाजपा से कोई लेना-देना नहीं है और ना ही वह भाजपा के पदाधिकारी हैं एवं पुलिस द्वारा जो भी कार्रवाई की जा रही है वह सही है। आपको बता दे कि बीते दिनों गर्रा की एक महिला शिक्षिका द्वारा भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया गया था जिस पर उक्त मामले को कांग्रेस लगातार घेरते जा रही थी और भाजपा का इस विषय पर अभी तक कोई बयान नहीं आया था जिस पर 21 नवम्बर को देर शाम भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे द्वारा मीडिया में अपना बयान जारी करते हुए बताया गया कि उक्त घटना का वह भी विरोध करते हैं, किंतु इस मामले में दोनों ही पक्ष के द्वारा शिकायत की गई है और पूरा मामला पुलिस के पास है और पुलिस कार्रवाई कर रही है, जिस पर वह भी चाहते हैं कि पुलिस न्याय उचित कार्रवाई करें और जो कांग्रेस आरोप लगा रही है वह निराधार है वह भी चाहते हैं कि आरोपी की गिरफ्तारी जल्द से जल्द हो और भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष द्वारा अपना इस्तीफा दे दिया गया है अजय यादव

की गिरफ्तारी पर भी रामकिशोर कावरे द्वारा बताया गया कि अजय यादव से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है और अजय यादव भारतीय जनता पार्टी का कोई पदाधिकारी नहीं है और पुलिस द्वारा जो भी कार्रवाई की जा रही है वह सही है वह भी चाहते हैं कि इस प्रकार से कोई आम लोगों के साथ करता है तो उस पर न्याय उचित कार्रवाई की जाए जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे का यह भी कहना है कि पूरा मामला न्यायालय में है और यदि भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष द्वारा गलत किया गया है तो न्यायालय उसे सजा सुनाएगी और जो भी न्यायालय का निर्णय आएगा वह सर्वमान्य है वहीं उन्होंने यह भी बताया कि जो अजय यादव द्वारा अपनी गाड़ी पर जो नाम लिखवाया गया है उस प्रकार का कोई उनके संगठन में जिला स्तर पर कोई पद नहीं है और ना ही वह भाजपा के कोई कार्यक्रम में आए हैं और ना ही वह देखे गए हैं और उनके द्वारा क्या और कैसे गाड़ी में लिखवाया गया है उसकी उन्हें जानकारी नहीं है और पुलिस द्वारा जो मामला बनाया गया है उसकी जानकारी उन्हें मीडिया के माध्यम से लगी है और कोई उनके द्वारा गलत काम किया गया है तो पुलिस उसमें कार्रवाई करेगी।

कीटनाशक दवाई के सेवन से एक व्यक्ति की मौत

मलाजखंड थाने के ग्राम पिपराही की घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मलाजखंड थाने की पाथरी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम पिपराही में इसी ग्राम के एक व्यक्ति सम्मलसिह पिता दर्शन धुर्वे 42 वर्ष की कीटनाशक सेवन से मौत हो गई। मलाजखंड पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संभलसिंह खेती मजदूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी कमली बाई दो लड़के है जिनकी शादी हो चुकी है। सभी लोग साथ में ही रहते हैं । 17 नवम्बर को 3 बजे सम्मल सिंह की बहू और बेटा ग्राम लिमोटी अपने ससुराल धान कटाई करने गए हुए थे। घर में सम्मल सिंह धुर्वे अपनी पत्नी कमली बाई के साथ था उस समय सम्मलसिह बहुत ज्यादा शराब पिया हुआ था और उसने अपनी पत्नी कमली बाई को बोला की पाथरी मंडी मेला से क्यों अकेले मुझे छोड़ कर घर आ गई। यह कहकर उसने पत्नी कमली बाई के साथ वाद विवाद किया और घर से चला गया था। दो दिनों तक बाहर रहा। 19 नवंबर की रात्रि 11 बजे सम्मलसिह ने घर के सामने जोर-जोर से आवाज दिया, आवाज सुनकर उसकी कमली बाई और बेटा अक्षय धुर्वे संजय धुर्वे बहू सेतोबाई रगीता ने उठकर देखे। सम्मलसिंह धुर्वे सामने वाले कमरे में जमीन पर पड़ा हुआ काट रहा था और उसके मुंह से सफेद झाग निकल रही थी। तब पड़ोसियों को बुलाये । गांव के वैध से इलाज करवाये। किंतु 20 नवंबर को सुबह 7 बजे सम्मलसिंह की मृत्यु हो गई। जिसकी रिपोर्ट मलाजखंड पुलिस थाना में की गई थी ।मलाजखंड पुलिस थाना में प्रधान आरक्षक रामदयाल राहंगडाले ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किये। मलाजखंड पुलिस ने मृतक सम्मल सिंह धुर्वे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त किए गई है कि सम्मलसिह धुर्वे ने कीटनाशक से दवाई का सेवन कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई। आगे मर्ग जांच मलाजखंड पुलिस द्वारा की जा रही है।

अजय यादव के विरुद्ध धोखाधड़ी का और एक अपराध दर्ज

महिला को प्रॉपर्टी में रुपए निवेश करने और मुनाफा 60 हजार रुपये साप्ताहिक देने का झांसा देकर हड़पे 10 लाख रुपये, धोखाधड़ी के दो मामले में गिरफ्तार अजय यादव से पुलिस रिमांड पर की जा रही है पूछताछ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। धोखाधड़ी के मामले में फंसे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग संघ के प्रदेश अध्यक्ष और ग्राम पंचायत पादरीगंज के पूर्व सरपंच अजय यादव के विरुद्ध और एक धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया गया। इस प्रकार अब तक अजय यादव के विरुद्ध धोखाधड़ी के तीन मामले दर्ज किये चुके हैं। इन तीनों मामले में अजय यादव ने एक महिला सहित तीन लोगों से नगर की सरकारी जमीन भोपाल मंत्रालय से डायरेक्ट लीज पर दिलवाने के नाम पर और प्रॉपर्टी में रुपए निवेश कर प्रति सप्ताह 60 हजार रुपए दिलवाने का झांसा देकर 76 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया। कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी के दो मामलों में अजय यादव को गिरफ्तार किया है और वह 20 नवंबर से पुलिस रिमांड पर है। 21 नवंबर को कोतवाली पुलिस ने अजय यादव को दीनदयाल पुरम परिसर स्थित अंकित जैन के परम फाइनेंस ऑफिस ले गई और वहा पूछताछ कर मोके पर आवश्यक कार्यवाही की।

मुनाफा 60 हजार रुपये साप्ताहिक देने का झांसा देकर की 10 लाख की धोखाधड़ी

अजय यादव के विरुद्ध धोखाधड़ी के दो अपराध दर्ज होने और उसके गिरफ्तार होने के बाद 20 नवंबर को नगर के वार्ड नंबर 23 दीनदयाल पुरम कॉलोनी निवासी रेवती पति राजेंद्र रंनगिरे 52 वर्ष ने अजय यादव के विरुद्ध 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए एक लिखित शिकायत कोतवाली में दी। रेवती रंनगिरे के पति सेंट्रल वेयरहाउस में नौकरी करते थे। जिन्होंने 2019 में स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ली है। स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति से उनके पति को जो रुपए मिले थे। उनमें से 15 लाख रुपए रेवती रंनगिरे ने पंजाब नेशनल बैंक बालाघाट में एफडी करवाई थी। इसी बीच उनसे उनके पूर्व परिचित अजय यादव से मुलाकात हुई थी। अजय यादव ने प्रॉपर्टी में पैसे लगाकर मुनाफा कमाने की स्कीम बताई थी कि मेरे पास पैसा जमा करो मैं तुम्हें इसका साप्ताहिक प्रॉफिट दूंगा। इसके कुछ दिन बाद अजय यादव ने रेवती रंनगिरे को फोन कर के गोंदिया रोड रोड स्थित सहारा फोटोकॉपी के ऊपर अपने एस आर इंफ्रास्ट्रक्चर ऑफिस में बुलाया और बोला कि भोपाल मंत्रालय में मेरी अच्छी पहचान है मैं मंत्रालय के माध्यम से सरकारी जमीन नीलामी में सेटिंग करके बहुत प्रॉफिट कमा रहा हूं। आप भी 10 लाख रुपए मुझे दीजिए मैं आपका

पैसा प्रॉपर्टी में लगाकर आपको प्रति सप्ताह 60 हजार रुपए दूंगा। आपका मूलधन शेष रहेगा। जिससे आप एक साल बाद ले सकते हैं रेवती रंगगिरे अजय यादव द्वारा दिए गए प्रॉपर्टी में अच्छा प्रॉफिट के प्रलोभन में आ गई और उन्होंने अपनी एफडी तुड़वाकर 13 सितंबर 2024 को पंजाब नेशनल बैंक शाखा हनुमान चौक के अपने खाते से आरटीजीएस के माध्यम से अजय यादव के खाता में 10 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए इस संबंध में अजय यादव ने 1000 रुपये के स्टांप पर लिखा पड़ी कर 1 साल का एग्रीमेंट करवाया था और जमानत बतौर अपने आइसीआइसीआइ बैंक के हस्ताक्षरित 5-5 लाख रुपये के दो चेक रेवती रंनगिरे को दिए थे। जब रेवती रंनगिरे ने अजय यादव से साप्ताहिक पैसे देने के संबंध में बोली तो वह रुपए देने से आनाकानी करने लगा। जब वह फोन लगाती थी तो उसने फोन उठा बंद कर दिया था। 17 नवंबर को रेवती रंनगिरे ने अजय यादव को फोन लगाई और रुपए वापस करने के लिए बोली तो अजय यादव ने रुपए वापस करने से इनकार हो गया और बोलने लगा कि तुमसे जो बनता है कर लो। मैं तुम्हारे रुपए वापस नहीं दूंगा इस प्रकार अजय यादव ने प्रॉपर्टी में निवेश करने एवं मुनाफा 60 हजार रुपए साप्ताहिक देने के नाम पर रेवती रंनगिरे से धोखाधड़ी कर 10 लाख रुपए हड़प लिए। कोतवाली पुलिस ने रेवती रंनगिरे द्वारा की गई लिखित शिकायत पर अजय यादव के विरुद्ध धारा 318(4) 316(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू किया इस मामले में भी अजय यादव को गिरफ्तार किया जाएगा।

धोखाधड़ी के दो अपराध में गिरफ्तार है अजय यादव

कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी के दो मामलों दर्ज किए हैं अजय यादव ने नगर के दीनदयाल पुरम कॉलोनी निवासी अंकित जैन को नगर की सरकारी जमीन भोपाल मंत्रालय से डायरेक्ट दिलवाने के नाम पर 60 लाख की धोखाधड़ी की तो वहीं अजय यादव ने अपने साथी श्याम मिलन चोरिया के साथ मिलकर अंकित जैन को डरा धमकाकर 2 दिन के भीतर 2 करोड रुपए की मांग की थी और अन्यथा जान से मार डालने की धमकी दी थी। 19 दिसंबर को 2:00 बजे अजय यादव ने अपने साथी के साथ इस वारदात को अंकित जैन के दीनदयाल पुरम काम्प्लेक्स में स्थित उसके ऑफिस में घटित की थी। इसी प्रकार अजय यादव ने वार्ड नंबर 3 बैहर रोड निवासी अब्दुल जावेद कुरैशी को नगर के बर्फ फैक्ट्री भल्ला कार सर्विस से लगी सरकारी जमीन को नीलामी में सेटिंग करके भोपाल मंत्रालय से डायरेक्ट उनके नाम करने का झांसा देकर 6 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। अंकित जैन द्वारा की गई रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने हरकत में आकर अजय यादव और उसके साथी श्याम मिलन चोरिया को गिरफ्तार किये और अंकित जैन के ऑफिस में घटित की गई वारदात में प्रयुक्त अजय यादव से तलवार रिवाल्वर और कार जप्त की है। 20 नवंबर को दोनों को न्यायालय में पेश कर अजय यादव को पुलिस रिमांड पर लिए जबकि उसके साथ ही श्याम मिलन को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। कोतवाली पुलिस द्वारा पुलिस रिमांड अवधि पर अजय यादव से पूछताछ की जा रही है। जिससे और भी खुलासे होने की संभावना व्यक्ति जा रही है।

मंत्रालय में दिग्गज नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर और करीबी संबंध बताकर जमा रहा था अपनी घाक

जानकारी के मुताबिक धोखाधड़ी के इन तीन मामलों के अलावा अजय यादव ने अन्य लोगों से सरकारी जमीन दिलाने और नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखो रुपये की धोखाधड़ी की है ।अजय यादव एक राजनीतिक पार्टी में शामिल हुआ और उसे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग संघ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया उसके बाद अजय यादव की भोपाल मंत्रालय में घुसपैठ बड़ी और उसने मंत्रालय में दिग्गज नेताओं के साथ फोटो खिंचवा कर और इस फोटो का हवाला देकर और दिग्गज नेताओं से अपना करीबी संबंध होना बताकर अपना रुतबा बताना शुरू किया। इसके बाद राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग संघ का तथाकथित प्रदेश अध्यक्ष अजय यादव ने लोगों को भोपाल मंत्रालय में अच्छी पकड़ होने का झांसा देकर सरकारी नौकरी तो सरकारी जमीन मंत्रालय से डायरेक्ट दिलवाने के नाम पर रुपए लेकर धोखाधड़ी शुरू कर दी धोखाधड़ी के तीन अपराध दर्ज होने के बाद और भी मामले उजागर होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

आरोपी ने सरकारी जमीन लीज पर दिलाने के नाम पर फरियादियों से पैसे लिए हैं- निरीक्षक प्रकाश वास्कले

नगर निरीक्षक प्रकाश वास्कले बताया कि आरोपी के विरुद्ध दो प्रकरण पंजीबद है। उनमें सरकारी जमीन लीज पर दिलाने के नाम पर फरियादियों से पैसा लिया गया है। एक और एफ आई आर हुई है। जिसमे इसने लोगों से पैसा लिया है और इसके एवज में हर हफ्ते कुछ राशि वापस देने के बदले में धोखाधड़ी की है। इस प्रकार अभी तक तीन अपराध पंजीबद है और भी लोग आ रहे हैं और उसने कई लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर पैसा लिए हैं।

चेक बाउंस के मामले में अजय के विरुद्ध जारी किया गया है स्थाई वारंट

लाखों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में घिरे अजय यादव के विरुद्ध बालाघाट की एक न्यायालय के द्वारा चेक बाउंस के मामले में स्थाई वारंट जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक 138 नेगोशियल एक्ट का यह मामला बालाघाट के विद्वान न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी दयाल सिंह सूर्यवंशी की अदालत में चल रहा है और इस मामले में अजय यादव न्यायालय में उपस्थित न होकर फरारी काट रहा है जिसे गिरफ्तार कर कोर्ट में उपस्थित करने हेतु 5 जून 2023 को विद्वान न्यायालय द्वारा अजय यादव के विरुद्ध स्थाई वारंट जारी किया गया है। जिसे इस स्थाई वारंट में भी गिरफ्तार किया जाएगा।

अतिक्रमण हटाने उपसरपंच ने की मांग

ग्रामीणों के साथ कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। ग्राम पंचायत भरवेली के लगभग आधा दर्जन से अधिक लोगों ने कलेक्टर कार्यालय में पहुंचकर कलेक्टर से मांग की है कि ग्राम पंचायत भरवेली में कुछ लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर लिया गया है और आज गाय चराने के लिए जमीन नहीं बची है और जिन लोगों को मकान बनाने के लिए जमीन दी गई थी, उनके द्वारा अत्यधिक मात्रा में जमीन पर कब्जा कर लिया गया है, जिससे वह चाहते हैं कि प्रशासन द्वारा नियम अनुसार लोगों को मकान बनाने के लिए दी गई जमीन ही दी जाए और जिन्होंने अनावश्यक रूप से शासकीय जमीन पर कब्जा किया है उनका कब्जा हटाया जाए एवं गांव में गाय चराने के लिए पर्याप्त जमीन लोगों को मिल सके। आपको बता दे कि मुख्यालय से 6 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में घासमद की भूमि पर सात से आठ एकड़ में हुए अतिक्रमण की शिकायत लेकर उपसरपंच राजेश बाहेश्वर, बुधवार 21 नवंबर को दोपहर 02 बजे मुख्यालय पहुंचे। इस

दौरान उनके साथ ग्रामीण भी मौजूद थे। कलेक्टर के नाम की गई शिकायत में घासमद की भूमि में किए गए अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की। भरवेली पंचायत में घासमद की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को लेकर उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि घास मद की सात से आठ एकड़ भूमि पर लगभग 10 मकान के अलावा अन्य लोगों ने अतिक्रमण कर मकान बना लिया है। जिन्होंने निर्धारित शासन से मिली जमीन के अतिरिक्त 40 से 50 डिसमिल में अपना कब्जा कर लिया है। जिससे पंचायत में पशुओं का चारागाह खत्म हो गया है। उपसरपंच बाहेश्वर ने बताया कि पंचायत में अतिक्रमण की स्थिति यह है कि मरघट तक अतिक्रमण फैल चुका है, जहां एक महिला ने अतिक्रमण कर रखा है। हमारी मांग है कि पंचायत में घासमद की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर, भूमि को खाली कराया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकतर लोगों को मकान बनाने के लिए कुछ जमीन दी जाती है किंतु उनके द्वारा अनावश्यक रूप से अधिक शासकीय जमीन पर कब्जा कर लिया जाता है, जिससे ग्रामीणों को अन्य कार्यों के लिए परेशानी होती है तो वह यही मांग कर रहे हैं कि प्रशासन द्वारा ग्रामीणों को दी गई नियम अनुसार जमीन ही दी जाए एवं जिनके द्वारा अनावश्यक रूप से जमीन पर कब्जा किया गया है उनके कब्जे को हटाया जाए इसी मांग को लेकर वह आज ग्रामीणों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचे थे।

कोलकाता में बालाघाट का छात्र शतरंज में दिखा रहा है हुनर

नेशनल गेम्स की चार दिनी चेस चैंपिनशिप का आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट में बिरसा मॉडल स्कूल का छात्र भविष्य दुम्बे 19 नवम्बर से कोलकाता में प्रारम्भ हुई 68 वी नेशनल गेम्स चैस चैंपियनशिप में अपनी शतरंज की चाल चल कर अपने हुनर का प्रदर्शन कर रहा है। कोलकाता में देश के 32 राज्यो के शतरंज खिलाड़ी जुटे है। मप्र के 5 खिलाड़ियों की टीम में भविष्य अपना हुनर दिखा रहा है। मप्र की टीम ने अब तक 4 राज्यों से प्रतियोगिता हुई है और सभी में सर्वोच्य स्थान पर रहे है। बुधवार को जारी रैंकिंग में प्रदेश टॉप 10 में है। भविष्य के कोच व मेंटर श्री सौरभ शर्मा ने बताया कि मप्र की टीम का अब तक कि प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन रहा है।

केरला, छत्तीसगढ़,पॉन्डिचेरी और चंडीगढ़ से हुए मैच

कोलकाता में अब तक कि प्रतियोगिता में अच्छे आगाज के साथ मप्र की टीम आगे बड़ रही है। टीम ने अपने प्रारंभिक मैच में केरला से इसके बाद छत्तीसगढ़, पाण्डिचेरी और चंडीगड़ के साथ हुए मुकाबले में अच्छे अंक प्राप्त किये है।

अगला स्तर इंटरनेशनल पर होगा

कौच सौरभ शर्मा ने बताया कि कोलकाता के द हेरिटेज स्कूल में चल रही चेम्पियनशिप कौंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन द्वारा आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता के बाद इन दलों को भारत सरकार द्वारा इंटरनेशनल लेवल पर मौका देगी।

फांसी लगाकर मुकेश ने अपनी जीवनलीला की समाप्त

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत निलजी के ग्राम कटीटोला निवासी ३४ वर्षीय मुकेश इनवाती ने स्वयं के मकान में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जिसका शव पुलिस ने बरामद कर गुरूवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कटीटोला निलजी निवासी मुकेश इनवाती खेती-किसान का कार्य करता था परन्तु कुछ दिनों से उसका स्वास्थ्य खराब चल रहा था एवं मानसिक संतुलन भी ठीक नही था, जिसके तीन बच्चें भी हैं। बुधवार को बज्चें स्कूल एवं परिवार के सभी सदस्य खेत कृषि कार्य के लिए चले गये थे और मुकेश इनवाती घर पर अकेला था। शाम ५ बजे जब बज्चें स्कूल से घर आये तो सामने का दरवाजा बंद दिखाई दिया। जिसके बाद पीछे जाकर देखे तो उनके पिताजी मकान के पीछे बने छप्पर में फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया। जिसकी जानकारी उन्होने पड़ोसियों एवं अपने परिजनों को दी। जिसके बाद ग्रामीणजन घटना स्थल पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी सूचना

तत्काल ग्राम सरपंच व पुलिस को दी गई। इस तरह से मुकेश इनवाती मानसिक तनाव के चलते फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है। वहीं पुलिस को घटना की जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मी रात में घटना स्थल पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारकर आवश्यक कार्यवाही की एवं दुसरे दिन गुरूवार को पोस्टमार्टम के लिए शव को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां चिकित्सक ने पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक मुकेश इनवाती परिवार के साथ कृषि कार्य करता था परन्तु विगत दिवस से उसका मानसिक संतुलन ठीक नही था जिसके कारण से वहां कोई काम भी नही करता था और बुधवार को परिवार के सभी सदस्य खेत एवं बज्चें स्कूल चले गये थे, घर पर कोई नही थे, वहां अकेला था और मानसिक तनाव के चलते फांसी लगाने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक का चाचा बंशीलाल इनवाती ने बताया कि मुकेश इनवाती का विगत दिवस से मानसिक संतुलन खराब हो चुका था और बुधवार को परिवार के सभी लोग खेत एवं बच्चें स्कूल चले गये थे एवं मुकेश घर पर अकेला था, जब बच्चें शाम में घर आये तो उन्होने देखा कि उनके पिताजी फांसी पर लटके हुए थे। जिसके बाद उसके परिजनों व पुलिस को घटना की सूचना दी गई। मुकेश ने किस कारण से फांसी लगाया पता नही, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामले की जांच की जा रही है - दिलीप

दूरभाष पर चर्चा में प्रधान आरक्षक दिलीप भगत ने बताया कि बुधवार की शाम में सूचना मिली थी कि कटीटोला निलजी में एक व्यक्ति ने फांसी लगा लिया है। घटना स्थल पहुंचकर देखे तो कटीटोला निवासी मुकेश इनवाती ने स्वयं के मकान में फांसी पर लटका हुआ था जिसकी मौत हो चुकी थी। जिसके बाद ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारकर आवश्यक कार्यवाही की गई। साथ ही यह भी बताया कि दुसरे दिन गुरूवार को मृतक व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं परिजनों ने बताया कि मृतक का मानसिक संतुलन कुछ दिनों से ठीक नही था, इसी के चलते उक्त कदम उठाया होगा और पृथम दृष्टया फांसी लगाकर मौत होना पाया गया है, मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

बेहरई के उदासीटोला में दुय्यम महिला शायरी आज

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई के ग्राम उदासीटोला में २२ नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में मेला समिति सदस्य प्रकाश मर्सकोले ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी २२ नवंबर को दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात ९ बजे से दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें दीनी वारासिवनी की महिला शायर रूखमणीबाई लिल्हारे, नैतरा बालाघाट की महिला शायर सरस्वतीबाई लिल्हारे के द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर शायरी की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मेला समिति उदासीटोला बेहरई के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बुट्टा ह. में कृषक प्रशिक्षण सहभ्रमण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग १४ किमी. दूर ग्राम पंचायत बुट्टा ह. के पौराणिक शिव मंदिर परिसर में उद्यानिकी विभाग के द्वारा बुधवार को कृषि प्रशिक्षण सहभ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुट्टा ह. सरपंच चंद्रकिशोर बघेले के प्रमुख आतिथ्य एवं उद्यान विभाग के एचएल मर्सकोले, श्रीमती कीर्ति नगपुरे एवं किसानों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। आयोजित कृषक प्रशिक्षण सहभ्रमण कार्यक्रम में किसानों को उद्यानिकी विभाग के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। जिसमें सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना, मसाला क्षेत्र, विस्तार योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत ड्रिप, स्प्रिकलर, पीएमएफएमई योजनांतर्गत मिनी उद्योग स्थापित करने हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया गया और सभी किसानों को उक्त योजना का लाभ लेकर खेती कर फसल उत्पादन अधिक लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की बात कही गई। इस अवसर पर उन्नतशील कृषक भेजलाल माने, जागरूक किसान लक्ष्मीनारायण झंझाड़े, दामोद सपाटे, खुश्याल चौड़े सहित अन्य कृषक उपस्थित रहे।

निलजी के मरारीटोला में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम २५ को

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दूर ग्राम पंचायत निलजी के मरारी टोला में कार्तिक पूर्णिमा के दसवें दिन २५ नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मेला उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के दसवें दिन २५ नवंबर को दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए कजरेली तोर नैना छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक-गायिकाओं के द्वारा छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक मेला उत्सव समिति निलजी के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

असामाजिक तत्वों का अड्डा बना सीएम राइज स्कूल का खेल मैदान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा सीएम राइज स्कूल का खेल मैदान नगर मुख्यालय का इकलौता खेल मैदान है जहां खिलाड़ी क्रिकेट व अन्य खेल खेलते है एवं सुबह के समय लोग व्यायाम करने व पुलिस, आर्मी भर्ती की तैयारी करवाने वाले युवा दौड़ सहित अन्य खेल का प्रैक्टिस करने रोजाना आते है परन्तु इस खेल मैदान में रात्रि के समय असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब पीने के बाद बॉटल को फोड़ दिया जा रहा है। साथ की गंदगी की जा रही है जिसके कारण खिलाड़ियों एवं सुबह सैर करने आने वाले लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं शराब के बॉटल के कांच के टुकड़े पैर में गड़ने से खिलाड़ी एवं अन्य लोग चोटिल भी हो रहे है और लंबे समय से खिलाड़ियों के द्वारा पुलिस प्रशासन से खेल मैदान में रात्रि गस्त कर असामाजिक तत्वों पर सख्त से सख्त कार्यवही करने की मांग की जा रही है परन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे पुलिस प्रशासन के प्रति खिलाड़ी एवं अन्य लोगों में आक्रोश व्याप्त है। खिलाड़ी एवं नगर के जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से सीएम राइज स्कूल खेल मैदान की रात्रि गस्त कर असामाजिक तत्वों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

इकलौता खेल मैदान की ओर ध्यान दे प्रशासन...

आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय में इकलौता सीएम राइज स्कूल मैदान है जहां नगर मुख्यालय के खेल प्रेमी क्रिकेट, व्हालीवाल व अन्य खेल खेलते है। साथ ही लोग दौड़ने के लिए भी आते है परन्तु रात्रि के समय असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब का सेवन किया जाता है एवं बीयर व अन्य शराबों की बॉटल को उसी स्थान पर छोड़कर फोड़ दिया जाता है जिससे खिलाड़ियों को खेलने में परेशानी हो रही है। साथ ही शराब के बॉटल के कांच के टुकड़े लगने से वे चोटिल भी रहे है। जिससे सभी को

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खिलाड़ियों ने बताया कि लालबर्रा मुख्यालय में एक ही खेल का मैदान है जो सीएम राइज स्कूल मैदान है जहां नगर मुख्यालय के खेल प्रेमी क्रिकेट सहित अन्य खेल खेलने आते है। साथ ही नगर के प्रबुध्दजन सुबह के समय सैर करने भी आते है और पुलिस, आर्मी सहित अन्य भर्ती की तैयारी करने वाले युवा व खिलाड़ी भी अपने खेल का प्रैक्टिस करने रोजाना आते है परन्तु रात्रि के समय असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब पीकर गंदगी की जा रही है। जिससे हम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है और इसके अलावा दुसरा कोई खेल मैदान भी नगर मुख्यालय में नही है इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि खेल मैदान में रात्रि गस्त का असामाजिक तत्वों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करें और प्रशासन नगर मुख्यालय के इकलौता खेल मैदान को सुविधाजनक बनाये ताकि क्षेत्रीय खिलाड़ी उसका लाभ ले सके।

खेल मैदान को सामाजिक तत्वों ने बनाया है शराब का अड्डा - अंकित

खिलाड़ी अंकित कुथे ने बताया कि लालबर्रा मुख्यालय स्थित स्कूल के खेल मैदान में हम लोग सुबह क्रिकेट सहित अन्य खेल खेलने आते है परन्तु रात्रि के समय असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब पीकर गंदगी की जा रही है। जिसके कारण परेशानियों का सामना करना

पड़ रहा है और यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, पुलिस प्रशासन को शिकायत करने के बाद कुछ दिनों तक वे गस्त करते है उसके बाद बंद कर देते है। जिसके बाद पुन: असामाजिक तत्व रात्रि में आकर शराब पीना प्रारंभ कर देते है, इस तरह से सीएम राइज स्कूल के खेल मैदान को असामाजिक तत्वों ने शराब पीने का अड्डा बना लिया है। श्री कुथे ने बताया कि शराब पीने वाले शराब की बॉटल को फोड़ देते है जिसके टुकड़े खेलते समय लगने से चोटिल हो जाते है इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि रात्रि गस्त कर असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करें।

असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - अमित

खिलाड़ी अमित अग्रवाल ने बताया कि नगर मुख्यालय का एक मात्र सीएम राइज स्कूल का खेल मैदान है जिसका रख-रखाव खिलाड़ी करते है और खेलने के लिए सीमेंट की पिच भी बनी हुई है। लेकिन आये दिन खेल मैदान में असामाजिक तत्व रात्रि के समय बैठकर शराब पीकर बॉटल को फोड देते है जिससे सुबह खेलने आने वाले खिलाड़ियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री अग्रवाल ने बताया कि असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्यवाही करने पुलिस प्रशासन को पूर्व में कई बार ज्ञापन भी सौंपा गया है और पुलिस प्रशासन कार्यवाही करती है परन्तु कठोर कार्यवाही नही कर पाती है। जबकि असामाजिक तत्वों को पकड़कर इनका जुलूस निकालना चाहिए तभी इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लग पायेगा और पुलिस प्रशासन से मांग है कि रात्रि गस्त कर असामाजिक तत्वों को पकड़कर कठोर से कठोर कार्यवाही करें।

इनका कहना है

पुलिस के द्वारा रात्रि गस्त की जाती है और खेल मैदान में असामाजिक तत्वों के द्वारा रात्रि में शराब पीकर गंदगी की जा रही है तो खिलाड़ी लिखित शिकायत करें, कार्यवाही की जायेगी।

हेमंत नायक
थाना प्रभारी
लालबर्रा

लालबर्रा यूनिट सेवा सहकारी समिति शाखा के अध्यक्ष बने बीएल ठाकरे

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के सभाकक्ष में २१ नवंबर को जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक शाखा लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ९ सेवा सहकारी समिति के कर्मचारियों की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक म.प्र. सहकारी समिति कर्मचारी शाखा लालबर्रा के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में शाखा यूनिट लालबर्रा का गठन कर पदाधिकारियों की नियुक्ति किये जाने पर चर्चा की गई और यूनिट शाखा का गठन कर सर्वसम्मति से बीएल ठाकरे को लालबर्रा यूनिट सेवा सहकारी समिति शाखा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह नंदकिशोर दशरिये, एमआर गोंदुड़े को उपाध्यक्ष, गोपाल लानगे को सचिव, भागचंद कटरे को सहसचिव, सुभाष बोपचे को कोषाध्यक्ष, नुपेन्द्र रहांगडाले को मीडिया प्रभारी, एसके गौतम को प्रवक्ता एवं आरसी तुलसीकर, मुकेश कटरे, पवनकुमार बोपचे, जितेन्द्र देशमुख, संतोष साहू, रोहिणी लिल्हारे, श्रीमती वेदी बिसेन को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। जिसके बाद उपस्थितजनों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठित होकर सेवा सहकारी समिति के कर्मचारियों के हित में काम करने की बात कही गई। वहीं नवनियुक्त अध्यक्ष बीएल ठाकरे ने कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर संगठन एवं कर्मचारियों के हित में काम किया जायेगा। म.प्र. सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ बालाघाट जिला सचिव एमपी ठाकरे ने बताया कि म.प्र. सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ भोपाल के निर्देशानुसार लालबर्रा में सहकारी कर्मचारी संगठन शाखा यूनिट लालबर्रा का गठन कर पदाधिकारी नियुक्त किये गये है।

जिसमें सर्वसम्मति से बीएल ठाकरे को अध्यक्ष मनोनित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि महासंघ भोपाल स्तर पर काम करता है जिसमें छोटी कड़ी हमारी शाखा यूनिट होती है जिनके द्वारा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं का समाधान, उनके हक की लड़ाई लड़ी जाती है और संगठन हमारे कर्मचारियों के बीच में एकता का परिचय देता है। इस अवसर पर सेवा सहकारी समिति के कर्मचारी-अधिकारी उपस्थित रहे।

शोक सभा का हुआ आयोजन

नगर मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दूर ग्राम पंचायत साल्हे ला. स्थित सेवा सहकारी समिति में पदस्थ लिपिक नंदकिशोर राऊत का बुधवार को उपचार के दौरान निधन हो गया था जिससे सेवा सहकारी समिति के अधिकारी-कर्मचारियों में शोक व्याप्त है। गुरूवार को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ९ समितियों के कर्मचारियों के द्वारा वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के सभाकक्ष में बैठक एवं चुनाव की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद शोकसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर स्व. नंदकिशोर राऊत को श्रध्दांजली अर्पित की और उनके परिजनों को इस दु:खद कड़ी में दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। शोक व्यक्त करने वालों में पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे, एमपी ठाकरे, आरएल एड़े, सुभाष बोपचे, गोपाल लानगे, बीएल ठाकरे, बीसी कटरे, एमआर गोंदुड़े, बीएल नगपुरे, नंदकिशोर दशरिये, नारायण दमाहे, शेषकुमार बिसेन, दामोदर बिसेन, गणेशप्रसाद चौहान, नुपेन्द्र रहांगडाले, भवनलाल नगपुरे, राजेश लिल्हारे, रोहिणी लिल्हारे, नरेन्द्र बोपचे, धनेन्द्र मातरे, वेदी बिसेन, पवन बोपचे, धनीराम पंचेश्वर, अनिल सिंगनधुपे, अतुल ठाकरे, टेकचंद, मुकेश कटरे, शैलेन्द्र टेंभरे, येशनलाल पंचेश्वर, आरसी तुलसीकर, आनंद डेहरे, नरेश सिंगेश्वर, शिवकुमार गौतम, राकेश भूषण सोलंकी, हंसलाल कटरे, महेश पंचेश्वर, केसी एड़े, जियालाल उइके, गणेश स्वरूप शरणागत, संतोष साहू, सुकाजी बड्डे, महेन्द्र चौहान, राजेश फुलबांधे, जयेश शरणागत, साधुराम पंचेश्वर सहित अन्य कर्मचारी शामिल है।

अपर कलेक्टर खेतों में पहुँच कर तरमीम उठाने के लिए नक्शा देखकर बताएं

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मप्र शासन के निर्देशानुसार 15 नवम्बर से राजस्व महाभियान-3.0 प्रारम्भ हो चुका है। बुधवार को अभियान की वस्तुस्थिति का आंकलन करने के लिए अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे ने फील्ड की ओर रुख किया। इस दौरान उन्होंने पटवारियों से तरमीम करने के तरीके और अन्य तरह की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने पटवारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। जब नक्शे की बात आई तो फील्ड का नक्शा निकालकर कब्जाधारी किसान है उसके नक्शे में देख कर तरमीम उठाने के बारे में बताया गया। इस दौरान उन्होंने खसरा नम्बर 306,190, 33, 12/1/1, 12/1/2 और 12/8/1 के बटांकन की स्थिति देखी। उन्होंने खातेदारों में शाहनवाज खान, नियाज, जाकिर खान शमीम, शिवलाल, बसन्ती, हिरवन्ति, श्यामलाल, संपत और लता के कब्जे वाली स्थिति देखी। इस दौरान भू-अभिलेख अधीक्षक श्रीमती स्मिता देशमुख उपस्थित रहीं।

कंजई में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

खापा से झालीवाड़ा कोसाबाड़ी डामर मार्ग की हालत जर्जर

आक्रोशित ग्रामीणजन मार्ग निर्माण की कर रहे मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा बोदलकसा मार्ग से झालीवाला बासी मार्ग को जोड़ने वाला खापा केप बायपास मार्ग भारी वाहनों के आवागमन से बुरी तरह जर्जर स्थिति में हो गया है। जहां पर लोगों का मोटर साइकिल ,साइकिल और पैदल चलना भी दुर्भर समझ आ रहा है। लोग उक्त मार्ग में समस्या देखते हुए करीब १० किलोमीटर का फेरा काटकर आवागमन कर रहे हैं। जहां लोगों को समस्या तो हो रही है परंतु प्रशासन के द्वारा मार्ग के निर्माण नहीं किए जाने पर लोगों में आक्रोश भी भरा हुआ है। ऐसे में ग्रामीण जन उक्त डामर मार्ग के खस्ता हाल होने के बाद पुनः मार्ग निर्माण करने के लिए शासन प्रशासन से मांग कर रहे हैं ताकि वह पूर्व की तरह सुविधा पूर्वक आना जाना कर सके। जिसमें ग्रामीणों के द्वारा मार्ग की इतनी बुरी हालत करने का जिम्मेदार एथेनॉल प्लांट को ठहराया जा रहा है। जिनके भारी ट्रक के कारण डामर मार्ग की खेत के गाड़दान जैसी स्थिति हो गई है।

भारी वाहनों से आवागमन हो रहा है प्रभावित

खापा केप से झालीवाड़ा बांसी मार्ग को जोड़ने के लिए यह बायपास मार्ग का निर्माण किया गया था। जिसके माध्यम से झालीवाड़ा बांसी मार्ग पर स्थित ग्राम बकेरा ,बघोली ,बांसी ,उमरवाड़ा ,अंसेरा ,खड़कपुर के लोगों को खापा, खंडवा ,बोदलकसा ,बुदबुदा ,कोचेवाही आने जाने के लिए एवं इन ग्रामों के लोगों को बकेरा ,बघोली ,बांसी ,अंसेरा ,खड़कपुर और रामपायली जाने के लिए सुविधा होती थी। परंतु वर्तमान में सभी को वारासिवनी या झालीवाड़ा होते हुए करीब ८ किलोमीटर का फेरा काटकर आवागमन करना पड़ रहा है। जिसमें उनकी यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है तो वहीं कई लोग उक्त मार्ग से आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में उनके साथ दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है जिसको लेकर हर कोई परेशान है।

डामर रोड़ खेत की गाड़दान में हुई तब्दील

यह मार्ग लोगों की सुविधा और ग्रामीणों को कम दूरी में मुख्यालय व विभिन्न ग्राम पंचायत की ओर आवागमन करने के लिए डामरीकरण मार्ग का निर्माण किया गया था। जिसके माध्यम से लोग अपनी मंजिलों के लिए रास्ता तय करते थे परंतु बीते दो वर्ष से अधिक समय में यह डामर रोड़ खेत की गाड़दान में तब्दील हो गई है। क्योंकि खापा से बोदलकसा मार्ग निर्माण के दौरान आवागमन बंद कर दिया गया था । उस दौरान खापा एथेनॉल प्लांट के सभी ट्रक एवं डंपर के द्वारा इस मार्ग का उपयोग आवागमन के लिए किया गया। जहां पर बनी डामर रोड़ उखाड़कर गढ़ों में बदल गई है। जहां पर ट्रक फंसने के कारण मार्ग पर बड़े बड़े गिट्टी के पत्थर और मुरूम यह सब डामर रोड़ उखड़ने पर उसके ऊपर डाल दिया गया। जहां वर्तमान में खेत में बैलगाड़ी जाने के जैसा रास्ता बना हुआ है इस दौरान मोटरसाइकिल ,साइकिल से आवागमन करने वाले लोगों के वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं जिसके कारण दुर्घटनाएं भी होती रहती है। इस परिस्थिति में अधिकांश लोगों ने इस मार्ग से आवागमन बंद कर दिया है क्योंकि यह मार्ग बहुत ज्यादा खराब हो चुका है।

भारी वाहनो की आवाजाही से मार्ग की हालत खस्ताहाल हो गई है- सरवर देशमुख

ग्रामीण सरवर देशमुख ने बताया कि हम झालीवाड़ा के बस्ती मार्ग पर खड़े हैं यहां मेहंदीवाड़ा ,खापा से बांसी रोड़ तक एक बाईपास सड़क का निर्माण जोड़ने के लिए किया गया था। उसी से यह मार्ग जुड़ता है जो कोसाबाड़ी तक जाता है यहां समस्या है कि बाईपास से सीधा लोग बासी कटंगी मार्ग पर और वहां के लोग खापा बोदलकसा मार्ग पर पहुंच जाते है। यह डामर रोड़ था परंतु एथेनॉल प्लांट के ट्रैकों के कारण मार्ग की हालत जर्जर हो गई है अभी साइकिल नहीं चल सकती है जिसके कारण ग्रामीणों को परेशाी हो रही है। इस मार्ग से अंसेरा, पौनेरा के लोग सीधे वारासिवनी जाते थे या बुदबुदा पहुंचे थे पर अब रोड़ इतना खराब है कि चलना बंद कर दिया है। ट्रक भी यहां फसाने लगे थे उस समय तो गिट्टी और मुरूम डाल दी गई है जो चलने लायक रोड नहीं बचा है जिस कारण हम घूम कर जाते हैं हम सभी चाहते हैं यह रोड बनना चाहिए।

एथेनॉल के भारी वाहनों ने रोड़ को पूरा बर्बाद कर दिया है- सालिकराम तिड़गाम

ग्रामीण सालिकराम तिड़गाम ने बताया कि वर्तमान में आना जाना करने की बहुत ज्यादा समस्या है रोड़ पूरी तरह खराब हो गई है एथेनॉल ने रोड़ को पूरा बर्बाद कर दिया है। कुछ स्थानों पर थोड़ी बहुत डामर रोड़ देखने मिलती है बाकी पूरी रोड़ उखड़ गई है। गिट्टी के बड़े बड़े पत्थर बाहर निकल गए हैं यहां पर एथेनॉल वालों ने मुरूम और गिट्टी डाली है जहां चलने में बहुत समस्या है। दुर्घटनाओं के कारण हमने तो आना जाना भी बंद कर दिया है जबकि यहां से हम सीधे खापा चले जाते थे २ वर्ष में यहां रोड पूरा खराब हो गया है। अब हम इधर से घूम कर जाते हैं प्रशासन को यह रोड़ बनना चाहिए।

मार्ग पर बड़े बड़े गड्ढे हो गये है चलना मुश्किल है- मितेश देशमुख

ग्रामीण मितेश देशमुख ने बताया कि यह रोड़ रेशम उद्योग से खापा ,खंडवा तक बना हुआ है जो पूरा डामर का बना हुआ था आसानी से लोग कम दूरी में आवागमन कर लेते थे। परंतु यह सड़क अब पूरा जर्जर हो चुका है। बैलगाड़ी भी नहीं जा पाती इतने बड़े बड़े गिट्टी के पत्थर रखे हुए हैं। मोटर साइकिल नहीं निकाल पाती है काफी समस्या होती है ,इस मार्ग से वरना हम जैसे लोगों को ही खापा, बोदलकसा, बुदबुदा ,कोचेवाही जाने के लिए सीधा रास्ता होता था। अब लोग झालीवाड़ा होते हुए फेरा काट कर जा रहे हैं करीब १० किलोमीटर उन्हें ज्यादा चलना पड़ रहा है इसका सुधार होना चाहिए।

आइडियल एकेड़मी में स्वच्छता अभियान का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । नगर के वार्ड नंबर २ में स्थित शैक्षणिक संस्था आइडियल एकेड़मी में २१ नवंबर को स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था के संचालक सुनील सिंह की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें स्कूल में अध्यनरत प्रतिभावान व पर्यावरण प्रेमी कक्षा ९वीं के छात्रों ने शाला परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। जहां पर उनके द्वारा झाड़ू लगाकर पॉलीथिन व अन्य कचरे को एकत्रित कर डस्टबिन में जमा किया गया। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों के द्वारा स्वच्छता को लेकर बताया कि किस प्रकार से स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के परस्पर तालमेल क्या है । यह मानव जीवन किस प्रकार से अपना प्रभाव डालती है। इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए सभी को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही शारीरिक प्रशिक्षक से भी अवगत कराया गया। वहीं संस्था के संचालक सुनील सिंह ने इस अवसर पर स्वच्छता व पर्यावरण से जुड़े रहने से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राऐं स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

वहीं आइडियल एकेड़मी के द्वारा संस्था के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। यह कार्यक्रम संस्था संचालक सुनील सिंह एवं स्कूल स्टाफसहित पालको की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें संस्था के प्रतिभावान छात्र कक्षा ५ वीं के मोनांक पटेल पिता बी आर पटेल एवं कक्षा ८ वीं की छात्रा प्रांजल तोमर पिता विश्वजीत तोमर को संस्था के द्वारा पालकों समेत प्रातः सभा में चमचमाती ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से प्रधानाध्यापिका के द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। यह सम्मानित दोनो छात्र संस्था के नवोदित सितारे है जिन्हे स्कूल टॉपर के रूप में सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्था के संचालक सुनील सिंह ने प्रातः सभा में दोनो विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुऐ उनके माता पिता को बधाई दी। वहीं समस्त छात्र.छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए आगे बढ़ते रहे। क्योंकि यदि कोई बिना लक्ष्य लेकर चल रहा है तो वह भटक सकता है परंतु जिसके मन में उसका लक्ष्य स्पष्ट है वह सफलता को प्राप्त निश्चित करता है ,इसलिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर लगातार आगे बढ़ते रहे।

राजस्व अधिकारी और वार्डवासियों के बीच गहमागहमी का बना रहा माहौल

तहसीलदार की समझाईस पर वार्डवासियों ने करने दिया जमीन का सीमांकन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । नगर के वार्ड नंबर ४ स्थित देवधर क्रिकेट क्लब मैदान से लगे बैगा मोहल्ला में सीमांकन कार्य करने के लिए राजस्व की टीम मौके पर पहुंची। जहां मुख्य रोड़ पर २१ नवंबर की दोपहर में वार्डवासी एवं राजस्व अधिकारियों के बीच गहमागहमी का माहौल बना रहा। जहां पर वारासिवनी तहसीलदार की समझाईस पर वार्डवासियों के द्वारा सीमांकन करने दिया गया। हालांकि इस दौरान वार्डवासी काफी आक्रोशित नजर आये जिनके द्वारा किये जा रहे सीमांकन का विरोध किया जाता रहा। मौके पर पुलिस प्रशासन भी उपस्थित रहा जिनके द्वारा सभी को शांत करने और व्यवस्था बनाए रखने का कार्य किया गया। यह समझाईस का दौर करीब २ घंटे तक चला अंत में राजस्व विभाग के द्वारा बाहर के बाहर सीमांकन की औपचारिकता पूरी कर वापस हो गये।

यह है पूरा मामला

वारासिवनी तहसीलदार के न्यायालय में सीमांकन के लिए आवेदन लगाया गया था। जिस पर तहसीलदार न्यायालय के द्वारा राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी का एक दल गठित किया गया। जिसमें राजस्व निरीक्षक दिलीप कुमार डोंगरे ,कुलदीप टेकाम को दल प्रभारी एवं पटवारी सुरेश ड़हरवाल ,शांतनु दुबे ,शिवप्रकाश पटले ,राकेश सोनी ,अरविंद वरकडे को सहायक बनाया गया। जिन्हें १४ नवंबर २०२४ को आदेश जारी कर निर्देशित किया गया कि वारासिवनी निवासी रविंद्र पिता बिहारी लाल रूसिया की जमीन के मामले में २१ नवंबर २०२४ को सीमांकन कार्यवाही कर पड़ोसी को सूचना देकर प्रतिवेदन पंचनामा तैयार कर फील्ड बुक अविलंब न्यायालय में प्रस्तुत की जायें। जिस पर गठित दल के द्वारा लेजर मशीन के माध्यम से सीमांकन करने के लिए मौके पर पहुंचे जहां पर बैगा मोहल्ला के वार्डवासी बड़ी संख्या में जमा हो गयें। जो कार्यवाही का विरोध करने लगे जहां पर राजस्व विभाग के अधिकारी एवं पुलिस अधिकारियों के द्वारा भी समझाने का प्रयास किया गया। परंतु उनके द्वारा कार्यवाही का विरोध किया गया इसके बाद तहसीलदार इमरान मंसूरी मौका स्थल पर पहुंचे जिन्होंने वार्डवासियों से चर्चा कर उन्हें समझाया। इसके बाद वार्ड वासियों के द्वारा सीमांकन कार्य करने के लिए कहा गया हालांकि महिलाओं के द्वारा विरोध किया जाता रहा। ऐसे में राजस्व विभाग ने बाहर के बाहर सीमांकन कर वापस हो गये। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजस्व पुलिस के अधिकारी एवं वार्डवासी मौजूद रहे।

जब तक हमारी मांगे पुरी नही होती सीमाकंन नही करने देंगे- रणवीर सिंह धुर्वे

वार्डवासी रणवीर सिंह धुर्वे ने बताया कि हम इस स्थान पर पिछले ७० वर्षों से निवास कर रहे हैं ऐसे में कुछ अधिकारी रविंद्र रूसिया के नाम का आवेदन लेकर आए हैं नोटिस बता रहे हैं। जबकि किसी ने वार्ड के लोगों को नोटिस नहीं दिया है यह नाप ले रहे हैं हमें पता है कि नोटिस के बाद कोई भी कार्यवाही होती है। हम कहते हैं कि जिसका यहां पर मालिकाना हक है वह आए तो वह उसे नहीं ला रहे है बिना पूछे आकर डर दिखा रहे हैं पुलिस से हटाएंगे कहते हैं। वह व्यक्ति आएगा तो हम नाप करने देंगे वरना नहीं देंगे क्यों हटा रहे हैं बताएं भी नहीं है। हम सभी बैगा जाति के लोग हैं ६५ वर्ष से यहां पर है कोई मजाक नहीं कर रहे हैं यह जो अधिकारी आए हैं वह भी उनका पक्ष ले रहे हैं। हमारे द्वारा सीमांकन रोका गया है जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होगी हम रोकेंगे।

तहसीलदार की न्यायालय के आदेश पर हो रहा सीमाकंन-दिलीप डोंगरे

राजस्व निरीक्षक दिलीप कुमार डोंगरे ने बताया कि मामला यह है कि आवेदक रविंद्र पिता बिहारी लाल रूसिया के द्वारा सीमांकन करने के लिए आवेदन तहसीलदार की न्यायालय में लगाया गया था। जहां से सीमांकन करने के लिए एक दल का गठन किया गया था और आदेश दिया गया था जिसके आधार पर यहां पर हम आदेश का पालन करने के लिए आए हैं। सीमांकन हो रहा है अभी वाद विवाद नहीं है समझाईस देने के लिए तहसीलदार आए थे फिर काम चालू हो गया है।

कायदी में मेला व छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन आज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। दीपावली पर्व के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार मेला मंडई का आयोजन किया जाता है। इसी तारतम्य में वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी २२ नवबंर को मेला का आयोजन किया गया है। यह मेला दिन व रात्रि के लिये आयोजित किया गया है जो सड़क मोहल्ला कायदी में आयोजित होगा। इस मेला के दौरान रात्रि में मनोरंजन हेतु छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम लामता समनापुर विरेन्द्र डहरवाल के स्वरो से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल,विशेष अतिथि समाज सेवी संजयसिंह कछवाहा होगें। इस अवसर पर समस्त ग्रामीणजनों से उपस्थिति की अपील मेला समिति ने की है।

खैरलांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भोरगढ़ में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कटंगी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

ज्वार का बदलता रूख

इस वित्तीय वर्ष की शुरुआत में काफी बेहतर प्रदर्शन के बाद, भारत के माल निर्यात में दूसरी तिमाही में तेजी से गिरावट आई। शुरुआती दो महीनों में औसतन 5.8 फीसदी की गिरावट आई और सितंबर में महज 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आधा साल बीत जाने के बाद भी, निर्यात में सिर्फ एक फीसदी की ही बढ़ोतरी हुई। इस पृष्ठभूमि में, अक्टूबर के दौरान विदेशी बाजारों को भेजे जाने वाले माल के लदान में 17.25 फीसदी की बढ़ोतरी एक सकारात्मक आश्चर्य है। लदान ने साल के दूसरे सबसे बड़े आंकड़े 39.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर को छू लिया है। व्यापार जगत के दिग्गजों ने इस तेजी के लिए विकसित देशों के बाजारों में क्रिसमस के मौसम की मजबूत मांग को जिम्मेदार ठहराया है। अगर यह त्योहारी मांग बनी रहती है, तो कम से कम अगले कुछ महीनों में निर्यात के अच्छे आंकड़े देखने को मिलेंगे। सितंबर तक सेवाओं के निर्यात में 14.6 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, 2024-25 के दौरान संचयी निर्यात के रिकॉर्ड 800 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार करने की आधिकारिक उम्मीदें अभी भी साकार हो सकती हैं। गैर-पेट्रोलियम निर्यात अक्टूबर में 25.6 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ आगे रहा और इस किस्म के खेप अब साल के पहले सात महीनों के दौरान 211.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

हालांकि, पेट्रोलियम की कहानी बिल्कुल अलग और थोड़ी हैरान करने वाली है। अक्टूबर में भारत का तेल आयात 13.2 फीसदी बढ़कर 18.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर (सितंबर के मुकाबले लगभग 46.4 फीसदी ज्यादा) का हो गया, जबकि निर्यात लगातार पांचवें महीने 22 फीसदी से ज्यादा लुढ़कर 4.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रह गया, जोकि लगभग तीन सालों में सबसे कम है। तेल व्यापार घाटा रिकॉर्ड 13.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। जहां निर्यात में गिरावट की वजह पिछले साल के मुकाबले वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में भारी कमी को माना जा सकता है, वहीं यही बात कम से कम आंशिक रूप से आयात खर्च के संदर्भ भी सच होनी चाहिए, भले ही इसमें उच्च घरेलू मांग भी शामिल हो। तेल की आवक में बढ़ोतरी ने कुल आयात खर्च को भी 66.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है, जो सोने के आयात के चलते बढ़े इस अगस्त के 64.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। पिछले तीन महीनों में, व्यापार घाटा अपने दूसरे और तीसरे उच्चतम स्तर तक बढ़ गया है।

यों तो शादी का मौसम खत्म होने तक सोने का आयात ऊंचा रहने की संभावना है, लेकिन तेल के रुझान और बढ़ते आयात खर्च के कारण कड़ी निगरानी की जरूरत है, भले ही विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति चाहे जितनी भी आरामदायक और लगभग एक साल के आयात का भार उठाने के लिए पर्याप्त हो। विश्व व्यापार संगठन ने 2025 में वैश्विक व्यापार में तीन फीसदी की बढ़ोतरी होने का आकलन किया है, जोकि इस साल के 2.7 फीसदी के अनुमान के बरक्स है। चीन में मंदी और दुनिया भर में बढ़ते संघर्षों के अलावा, ऐसी सभी उम्मीदों की राह में सबसे बड़ा रोड़ा संयुक्त राज्य अमेरिका का आगामी प्रशासन होने की आशंका है, जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा आयात शुल्क और घरेलू उत्पादन के लिए रियायतों में इजाफे को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। भारत को अद्यतन लैपटॉप आयात प्रबंधन प्रणाली जैसे किसी भी नीतिगत कदमों से बचना चाहिए ङ्क इस पर संभावित प्रतिबंधों के साथ काम चल रहा है - जो अमेरिकी सरकार के ध्यान को ट्रम्प के प्राथमिक व्यापार लक्ष्य - चीन से भटका दे।

भारत में रोजगार के संदर्भ में बदलना होगा अपना नजरिया

भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के सम्बंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथ साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं तथा कई राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है।

आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। सबसे अधिक विकास आज अविकसित क्षेत्रों में हो रहा है। आज गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आदि के साथ साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, एवं नोर्थ ईस्ट के इलाके भी तेजी से विकास कर रहे हैं। विकास के कई नए क्षेत्रों का निर्माण हुआ है। पिछड़े हुए इन राज्यों में गति पकड़ रहा विकास, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और भी अधिक वृद्धि दर्ज करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का अतुलनीय विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रदेशों में कुछ कम्पनियों ने इस सम्बंध में अच्छी पहल की है। प्राचीन भारत में ग्रामीण क्षेत्र ही आर्थिक विकास के मजबूत केंद्र रहे हैं। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर भी इनके आसपास के इलाकों में मिल जाते हैं और इन्हें शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने की आवश्यकता ही नहीं होती है।

दूसरे, सामान्यत: देश के विभिन्न राज्यों की वित्तीय स्थिति में भी मजबूती आई है। कुछ राज्यों के बजटीय घाटे में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। परंतु, साथ ही कुछ राज्यों जैसे, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, आदि प्रदेशों में आज बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय हो रही है जिसे शीघ्र ही सम्हालने की आवश्यकता है क्योंकि एक तो इन राज्यों में विकास दर कम होती जा रही है दूसरे इन राज्यों द्वारा मुफ्त योजनाओं को धड़ल्ले से चलाया जा रहा है, बगैर यह ध्यान दिए कि इन बढ़े हुए खर्चों के लिए क्या उनके बजट में कुछ गुंजाइश भी है। इस प्रकार के बढ़े हुए खर्चे इन राज्यों के बजट पर अंतत: दबाव बढ़ाते हैं।

आज देश में कुछ राज्यों में ब्याज के भुगतान, प्रशासन सम्बंधी खर्चों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान करने में ही पूरे बजट की राशि समाप्त हो जाती है। प्रदेश में विकास कार्य करने के लिए कुछ भी राशि बचती ही नहीं है बल्कि कुछ राज्यों को तो इन मदों पर भुगतान करने हेतु भी ऋण लेना होता है जो बजट पर और अधिक दबाव को बढ़ाता है। पूंजीगत खर्चे इन राज्यों में कम ही हो पा रहे हैं जिससे इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय भी कम है और ये राज्य विकास की दर को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली में पिछले 10 वर्ष पूर्व तक पूंजीगत मदों पर बजट का एक बहुत बड़ा भाग खर्च होता था परंतु पिछले 10 वर्षों में पूंजीगत व्यय में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। पंजाब की स्थिति भी बहुत खराब हो गई है केवल 20 वर्ष पूर्व तक पंजाब देश में सबसे अमीर राज्यों की श्रेणी में शामिल था परंतु आज इसके आसपास के राज्य, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, भी पंजाब से आगे निकल गए हैं। इन राज्यों में उद्योगों को स्थापित करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। पंजाब से उद्योग निकलकर हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में चला गया है। मध्यप्रदेश एवं बिहार कृषि के क्षेत्र में बहुत भारी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं परंतु उद्योग के कम मात्रा में होने के चलते इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से कम है।

किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी दो अलग अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18 वर्ष से 59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है। अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72 से 73 प्रतिशत की बीच रही है। बंगलादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है। परंतु भारत में श्रम की भागीदारी 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है।

दूसरे, बेरोजगारी से आश्य ऐसे नागरिकों से है जो रोजगार तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें रोजगार मिल नहीं रहा है। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत ही है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा बहुत परिवर्तन होता रहता है। परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर यह 0.9 से 1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है। आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए आज देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकती है। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना ही होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं।

आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अत: देश के युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। देश के युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से भारत में युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 30 वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते हैं, क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 30 वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर उन्हें जो भी रोजगार का अवसर प्राप्त होता है उसे वे स्वीकार कर लेते हैं। इसलिए 30 वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है। यह स्थिति हाल ही के समय में विश्व के अन्य देशों में भी देखी जा रही है। युवाओं की अपनी नजर में सही रोजगार के अवसर के लिए वे इंतजार करते रहते हैं, अथवा वे अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। आज विशेष रूप से भारत में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। युवाओं में कौशल एवं मानसिकता का अभाव एवं केवल सरकारी नौकरी को ही रोजगार के अवसर के लिए चुनना ही भारत में श्रम की भागीदारी में कमी के लिए जिम्मेदार तत्व हैं। अधिक डिग्रीयां प्राप्त करने वाले युवा रोजगार के अच्छे अवसर तलाश करने में ही लम्बा समय व्यतीत कर देते हैं। कम डिग्री प्राप्त एवं कम पढ़े लिखे नागरिक छोटी उम्र से ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं। यह भी कटु सत्य है कि डिग्री प्राप्त करने एवं वास्तविक धरातल पर कौशल विकसित करने में बहुत अंतर है। आज भी भारत में कई कम्पनियों की शिकायत है कि देश में इंजीनीयर्स तो बहुत मिलते हैं परंतु उच्च कौशल प्राप्त इंजीनीयर्स की भारी कमी हैं।

तमिलनाडु में किए गए एक अध्ययन में यह तथ्य उभर का सामने आया है कि किसी भी देश के नागरिक जब अधिक उम्र में रोजगार प्राप्त करते हैं तो उनकी कुल उम्र भर की कुल वास्तविक औसत आय बहुत कम हो जाती है। इसके विपरीत जो नागरिक अपनी उम्र के शुरूआती पड़ाव में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं उनकी कुल उम्र भर की वास्तविक औसत आय तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। भारत में स्टार्ट अपस को बढ़ावा दिया जाना चाहिए एवं युवाओं को सरकारी नौकरी की चाहत को छोड़कर निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। साथ ही आज युवाओं को अपने स्वयं के व्यवसाय प्रारम्भ करने के प्रयास भी करने चाहिए।

- प्रहलाद सबनानी

पवार परिवार के पावर की चुनावी अग्निपरीक्षा

महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव अब अपने मुकाम पर पहुंच गया है। मतदान की घडियां नजदीक आ गई है। महाराष्ट्र के इस बार के चुनाव में सबसे रोचक मुकाबला पवार परिवार के बीच ही हो रहा है। इस मुकाबले पर सबकी नजरें भी लगी हैं। इस बार पवार परिवार के राजनीतिक पावर का भी फैसला होने जा रहा है। महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास में शरद पवार हर चुनाव में केंद्रीय और निर्णायक भूमिका में रहते हैं और उनका उनकी चुनावी रणनीति भी बेजोड़ मानी जाती है। लेकिन जिस तरह देश के एक और बड़े राजनीतिक परिवार जिसे गांधी परिवार के नाम से जाना जाता है इस परिवार में उस समय विभाजन हो गया जब प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की बहू मेनका गांधी ने अपनी सास के विरुद्ध बगावत कर दी। बाद में मेनका गांधी भाजपा में शामिल भी हो गईं। गांधी परिवार के वारिसों के बीच टकराव बना ही रहा है। देश का एक और चर्चित राजनीतिक परिवार है जो वरिष्ठ नेता शरद पवार का परिवार है। शरद पवार के खिलाफ उन्हीं के भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और वे अपने चाचा के विरोध में सीधे सामने खड़े हो गए। लोक लोकसभा चुनाव के ठीक पहले शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस के दो धड़े हो गए। जिसमें एक धड़े का नेतृत्व शरद पवार और दूसरे धड़े का नेतृत्व उनके भतीजे अजित पवार कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय पवार परिवार का टकराव खुलकर सामने आ गया जब शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के विरुद्ध अजीत पवार ने अपनी पत्नी को चुनाव मैदान में उतार दिया। शरद पवार ने अपने भतीजे को धूल चटा दी और उनकी बेटी लोकसभा का चुनाव जीत गई। एक बार फिर विधानसभा के चुनाव में पवार परिवार के बीच सीधे-सीधे टकराव हो रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के में बारामती सीट इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में है। इस सीट पर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच सीधा चुनावी मुकाबला हो रहा है। पवार परिवार के बीच राजनीतिक विवादित इस सीमा तक बढ़ गया है कि अब शरद पवार ने पहली बार अपनी पत्नी प्रतिभा पवार को भी अपने पोते युगेंद्र पवार के लिए चुनावी मैदान में उतार दिया है, जो इस परिवार के लिए एक ऐतिहासिक पल है। क्योंकि यह पहली बार है जब शरद पवार की पत्नी किसी चुनावी अभियान का हिस्सा बनी हैं। बारामती में शरद पवार और अजीत पवार के बीच सत्ता की जंग काफी गहरी हो गई है। अजीत पवार और युगेंद्र पवार, जो उनके सगे भतीजे हैं, एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं। यह मुकाबला पवार परिवार के पावर और प्रतिष्ठा के लिए अहम है। शरद पवार खुद चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं और उनकी पत्नी प्रतिभा पवार ने भी युगेंद्र पवार के लिए घर-घर जाकर प्रचार करना शुरू कर दिया है। इस चुनावी माहौल में शरद पवार ने अजीत पवार को खुली चुनौती दी है। जब अजीत पवार ने नामांकन पत्र दाखिल किया तब शरद पवार गुट के उम्मीदवार युगेंद्र पवार ने भी अपनी उम्मीदवारी दाखिल की। इस बार शरद पवार खुद युगेंद्र पवार के साथ नामांकन पत्र भरवाने मौजूद रहे। चुनाव प्रचार के इस दौर में शरद पवार की पत्नी प्रतिभा पवार ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है।

-सच्चिदानंद शेकटकर

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक - लुई नील

लुई नील का जन्म 22 नवंबर 1904 को ल्योन में हुआ था। 1931 में उन्होंने हेलेन हॉवर्थिक से शादी की; उनके तीन बच्चे थे, मैरी फ्रांकोइस, कॉन्सिल डीएटैट में अटैची डीएडमिनिस्ट्रेशन, मार्गुएराइट, गुइली, प्रोफेसर एग्लीज़ डीहिस्टोइरे और पियरे, जिनकी शादी एक टेलीविजन निर्माता से हुई थी। लुई नील ने 1924-1928 तक पेरिस में इकोले नॉर्मले सुप्रीयर में अध्ययन किया, जहां उन्हें 1928 में व्याख्याता नियुक्त किया गया। 1932 में उन्होंने स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की, जहां उन्हें विज्ञान संकाय में प्रोफेसर नियुक्त किया गया, इस पद पर वे 1937-1945 तक रहे। वह 1945 से ग्रेनोबल में प्रोफेसर थे। 1946 में वे इलेक्ट्रोस्टैटिक्स और धातु भौतिकी प्रयोगशाला (सेंटर नेशनल डे ला रिसर्च साइंटिफ़िक) के निदेशक बने। 1954 से 1970 तक वह इंस्टीट्यूट पॉलिटेक्निक डी ग्रेनोबल और इकोले फ्रांसेइस डी पैपेटेरी के निदेशक थे; 1970 में उन्हें ग्रेनोबल में इंस्टीट्यूट नेशनल पॉलिटेक्निक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। लुई नील ने चुंबकत्व पर अपना पहला शोध कार्य 1928 और 1939 के बीच स्ट्रासबर्ग में प्रोफेसर वीस की प्रयोगशाला में शुरू किया। 1939 में युद्ध सेवा के लिए बुलाए जाने पर, उन्होंने फ्रांसीसी बेड़े में जहाजों को जर्मन चुंबकीय खदानों से बचाने के लिए काम किया और सुरक्षा की एक प्रभावी नई विधि, न्यूट्रलाइजेशन का आविष्कार किया। यह द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत में जर्मनों द्वारा तटीय जल में गिराया गया पहला मॉडल था। यह वही वास्तविक उपकरण था जो नवंबर 1939 में टेम्स के मुहाने पर कीचड़ के मैदान पर उतरा था और जिसने नील को 1928 में अपना काम शुरू करने के लिए आवश्यक सुराग प्रदान किया था, हाइजेनबर्ग ने चुंबकों के बीच संबंध दिखाया था। ये क्षण इलेक्ट्रॉनों के बीच आदान-प्रदान का परिणाम थे। चुंबकत्व के अध्ययन से आकर्षित होकर, 1928 में उन्होंने स्ट्रासबर्ग में पियरे वीस के साथ काम किया। सहायक पद का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। नील की डॉक्टरेट थीसिस में पहले से ही कुछ धातुओं के निरंतर अनुचुंबकत्व को समझाने के लिए उनके गुरु के लौहचुंबकत्व के आणविक क्षेत्र सिद्धांत का विस्तार करने का विचार शामिल था, जिनके चुंबकीय गुण तापमान से लगभग स्वतंत्र थे। दो असमान और विपरीत रूप से संरेखित चुंबकीय उप-जालों की नीली संरचनाओं वाले फेरिमैग्नेटिक ऑक्साइड का उपयोग अब अधिकांश स्थायी मैग्नेट, रिकॉर्डिंग मीडिया और उच्च-आवृत्ति चुंबकीय सामग्री में किया जाता है। इनमें पुरातात्विक चुम्बक, लॉडस्टोन शामिल हैं। नील की विशेषता घटनात्मक सिद्धांत थी - सरल और हल करने योग्य मॉडल के संदर्भ में जटिल चुंबकीय घटनाओं को समझना जो लिफाफे के पीछे गणना की अनुमति देता था। उनके काम में चुंबकत्व की उत्पत्ति के बारे में कोई गहरी जानकारी नहीं थी; मौलिक भौतिकी 1930 के सोल्वे सम्मेलन के बाद पहले से ही अस्तित्व में थी। नील ने गणितीय विवरणों के बजाय व्यापक भौतिक संदर्भों में घटनाओं को समझने की कोशिश की, विहारेज गार्डन की खेती के बजाय जंगलों का पता लगाना पसंद किया। 1940 के युद्धविराम के बाद, वह ग्रेनोबल चले गए और 1942 के अंत में लेबोरेटोएरे डी इलेक्ट्रोस्टैटिक एट डी फिजिक डू मेटल की स्थापना की, सोवियत सैनिकों को सेंटर नेशनल डे ला रेचेर्चे की बाहरी प्रयोगशालाओं के बीच 1946 में जर्मनी द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक संभावित एंटी-टैंक हथियार मिला। वैज्ञानिक बन जाता है इस प्रयोगशाला का तेजी से विस्तार हुआ और नई प्रयोगशालाएँ उत्पन्न हुईं; फिर भी, वर्तमान में इसमें 250 से अधिक कर्मचारी हैं। उन्होंने 1956 से 1970 तक सेंटर डीएट्यूड्स न्यूक्लियर डी ग्रेनोबल के निदेशक के रूप में कार्य किया। 1949 से 1969 तक वे सी.एन.आर.एस. इसके निदेशक मंडल का सदस्य था; 1952 से फ्रांसीसी नौसेना के वैज्ञानिक सलाहकार, वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन की वैज्ञानिक समिति में फ्रांसीसी प्रतिनिधि थे, वह एक शिल्पकार थे और फैशन के अनुयायी नहीं थे। एक बार अनातोले अब्राहम से पूछा गया कि उन्होंने लेव लैंडो की भविष्यवाणी के आलोक में एंटीफेरोमैग्नेटिज्म के अपने सिद्धांत पर जोर क्यों दिया कि प्रकृति में केवल फेरोमैग्नेटिज्म ही संभव है, नील ने भगवान को धन्यवाद दिया कि वह इतना चतुर नहीं था। उन्होंने व्यावहारिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करना पसंद किया- जहाजों को चुंबकीय खदानों से विनाश से बचाने के लिए डीगॉसिंग करना, और ऑक्साइड नैनोकणों के गुणों के संदर्भ में चट्टानों के प्राकृतिक चुंबकत्व की व्याख्या करना दूरगामी था। इनमें पैलियोमैग्नेटिक डेटा पर आधारित वैश्विक प्लेट टेक्टोनिक्स के सिद्धांत की स्थापना, स्टील्थ बॉम्बर्स का विकास और आधुनिक चुंबकीय-रिकॉर्डिंग उद्योग की नींव शामिल है। उनका नाम कैलिफ़ोर्निया से क्योटो तक चुंबकीय इंजीनियरों के टूलकिट में पाए गए एक दर्जन अवधारणाओं से जुड़ा हुआ है - नीले बिंदु, नीली संरचनाएं, नीली दीवारें, सुपरमैग्नेटिज्म का नीला सिद्धांत, प्रेरित अनिसोट्रॉपी, विनिमय पूर्वाग्रह, नारंगी-शैल युग्मन इत्यादि। अनुसंधान 1956 में लुई नील ने फ्रांसीसी परमाणु ऊर्जा आयोग के हिस्से के रूप में सेंटर डीएट्यूड्स न्यूक्लियर डी ग्रेनोबल बनाया और बाद में विकसित किया। उन्होंने ग्रेनोबल (1967) में फ्रेंको-जर्मन हाई-फ्लक्स रिएक्टर स्थापित करने के निर्णय में योगदान दिया कि परमाणुओं के बीच की दूरी बढ़ने पर युग्मन तेजी से कम हो जाएगा। इस प्रकार नील ने वीस के एकसमान आणविक क्षेत्र को स्थानीयकृत आणविक क्षेत्र से बदलने का निर्णय लिया

, जिसे परमाणु पैमाने पर परिभाषित किया गया था और जो समय और स्थान के साथ बदलता रहता है (नीले, 1957)। क्वांटम यांत्रिक दृष्टिकोण अपनाने के बजाय, उन्होंने शास्त्रीय आणविक क्षेत्र सिद्धांत की सरल मान्यताओं को संरक्षित किया। 1932 में प्रकाशित उनके लेख, जो उसी वर्ष की उनकी थीसिस से लिए गए थे, ने इस पद्धति की समृद्ध संभावनाओं को प्रदर्शित किया (नीले, 1932)। इसमें, उन्होंने दिखाया कि थर्मल गड़बड़ी स्थानीय आणविक क्षेत्र में क्षणिक उतार-चढ़ाव पैदा करती है और ये उतार-चढ़ाव दो क्यूरी बिंदुओं की व्याख्या के भीतर हैं। दूसरी ओर, आणविक क्षेत्र में स्थानिक परिवर्तनों के कारण मैग्नेटाइट जैसे फेराइट ठोस समाधानों में क्यूरी बिंदु के ऊपर उत्क्रमण संवेदनशीलता में अतिशयोक्तिपूर्ण परिवर्तन हुआ। फिर भी उसी लेख में, उन्होंने नकारात्मक अंत:क्रियाओं के मामले का अध्ययन किया, जिसमें दिखाया गया कि थर्मल उतार-चढ़ाव कम तापमान पर तापमान-स्वतंत्र पैरामैग्नेटिज्म को जन्म देता है। कुछ साल बाद, उन्होंने अंतरपरमाणु दूरी (नीले, 1936ए) के साथ विनिमय अंत:क्रियाओं की भिन्नता का व्यापक अध्ययन किया और पदार्थ के अधिक कठोर सैद्धांतिक उपचार पर लौट आए। लुईस, इकोले नॉर्मले सुप्रीयर में चार साल के अलावा, जहां उन्होंने 1928 में भौतिकी की कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एक सरकारी अधिकारी के बेटे, नील ने अपने पिता की फ्रांसीसी प्रांतों और उत्तरी अफ्रीका में पोस्टिंग के बाद इकोले नॉर्मले में प्रवेश की तैयारी के लिए अपने मूल ल्योन वापस भेजे जाने से पहले एक भ्रमणशील बचपन बिताया। 1970 के दशक के मध्य में जब वे ग्रेनोबल में सेवानिवृत्त हुए, तब तक उन्होंने ग्रेनोबल को एक नीरस प्रांतीय बैकवाटर से वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक यूरोपीय केंद्र में बदल दिया था। ग्रेनोबल अब एक बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र, एक प्रथम श्रेणी तकनीकी विश्वविद्यालय, सेंटर नेशनल डे ला रिसर्च साइंटिफ़िक के लिए विशेष प्रयोगशालाओं का एक समूह, एक उच्च-प्रवाह न्यूट्रॉन रिएक्टर और एक यूरोपीय सिंक्रोट्रॉन विकिरण स्रोत का दावा करता है। इनकी और कई अन्य की स्थापना, प्रबंधन या प्रचार नील द्वारा किया गया था। अपने कद के एक फ्रांसीसी व्यक्ति के लिए असामान्य रूप से, उन्होंने अपना पूरा करियर पेरिस के बाहर बनाया। एक सहकर्मी के रूप में नोबेल पुरस्कार विजेता जे. एच। वैन वेलेक ने द सेलेक्टेड वर्क्स ऑफ लुईस नील (गॉर्डन एंड ब्रीच, न्यूयॉर्क, 1988) के अंग्रेजी संस्करण की प्रस्तावना में टिप्पणी की- प्लेस डी एलएटोले का नाम बदला जा सकता है, लेकिन क्यूरी प्वाइंट और नील प्वाइंट हमेशा वही रहेंगे। भौतिकी की शब्दावली में शामिल किया जाएगा।हालाँकि उन्होंने निकेल की विशिष्ट ऊष्मा पर कभी-कभी आलोचनात्मक और कठिन शोध जारी रखा, लुई नील ने मुख्य रूप से सैद्धांतिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया, जो 150 से अधिक प्रकाशनों का विषय बन गया। एंटीफेरोमैग्नेटिज्म और फेरिमैग्नेटिज्म की अवधारणाओं और उनके परिणामों की खोज के अलावा, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, लुई नील ने कई अन्य समस्याओं का समाधान किया और चुंबकत्व के कई पहलुओं के बारे में हमारा ज्ञान बढ़ाया। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण थे- रेले के नियम का सिद्धांत; सूक्ष्म कणों के चुंबकीय गुण; चुंबकीय चिपचिपाहट; आंतरिक प्रसार क्षेत्र; सुपरएंटीफेरोमैग्नेटिज्म; और हिस्टैरिसीस.

आणविक क्षेत्र सिद्धांत के अनुसार, उनके क्यूरी तापमान के नीचे, लौहचुंबकीय सामग्रियों को पैरामैग्नेट के रूप में माना जा सकता है जिनके चुंबकीय क्षण सामग्री के सहज चुंबकीयकरण के आनुपातिक एक काल्पनिक चुंबकीय क्षेत्र द्वारा मजबूती से जुड़े होते हैं। क्यूरी बिंदु के ऊपर, सामग्री अनुचुंबकीय हो जाती है, संवेदनशीलता के विपरीत, इस प्रकार रैखिक क्यूरी-वीस नियम का पालन करती है। आणविक क्षेत्र काफी बड़ा है, कई सौ टेस्ला के क्रम पर। तो फिर, काफी छोटे चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करके चुंबकत्व को बदलना या साधारण लोहे के टुकड़े को विचुंबकित करना आसान क्यों है? इस आश्चर्यजनक अवलोकन को समझाने के लिए, वीज़ ने परिकल्पना की कि चुंबकीय पदार्थ प्राथमिक डोमेन में विभाजित है। डोमेन और उनके बीच की सीमाओं के बीच चुंबकत्व की दिशा को कमजोर या मध्यम क्षेत्रों द्वारा बदला जा सकता है। लेकिन कई सवाल अनुत्तरित रह गए. बड़ी संख्या में धातुओं में सकारात्मक संवेदनशीलता होती है जो तापमान से स्वतंत्र होती है - पैरामैग्नेटिक स्थिरांक। फेराइट्स में, जिसका मैग्नेटाइट एक उदाहरण है, विपरीत संवेदनशीलता अतिशयोक्तिपूर्ण तरीके से तापमान के साथ बदलती रहती है। आखिरकार, लोहे और निकल जैसे आदर्श लौहचुंबकों के लिए भी, तापमान के साथ उत्क्रमणीयता का परिवर्तन क्यूरी बिंदु के लगभग सौ डिग्री से ऊपर ही रैखिक हो जाता है। इस रैखिक खंड को विस्तारित करने पर एक दूसरा क्यूरी बिंदु प्राप्त होता है, जिसे पैरामैग्नेटिक क्यूरी बिंदु कहा जाता है, जो पहले की तुलना में दस या अधिक डिग्री अधिक है। स्ट्रासबर्ग के एक छात्र के रूप में, नील ने स्वयं इनमें से कुछ प्रयोगात्मक विसंगतियों को मापा और इंगित किया, जिन्हें पिछले शोधकर्ताओं ने वीस के सिद्धांत को सत्यापित करने की अपनी इच्छा में नजरअंदाज कर दिया था। इस प्रकार नील के मन की स्वतंत्रता और चरित्र की ताकत उनके करियर की शुरुआत से ही स्पष्ट थी। अपने शोध कार्य में नील ने सबसे पहले अपना ध्यान दो क्यूरी बिंदुओं की पहेली पर केंद्रित किया। वीज़ ने माना कि आणविक क्षेत्र एक समान है। नील, जिनकी 14 नवंबर 2000 को 95 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद फ्रांसीसी भौतिकी में एक प्रमुख उपस्थिति थे। नील ने कुछ चट्टानों के कमजोर चुंबकत्व की भी व्याख्या की, जिससे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के इतिहास का अध्ययन करना संभव हो गया। जिसे उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में जाना जाता है, वह खनन के लिए वरदान साबित हुई।

- संजय गोस्वामी

इन्दौर बाजार भाव -

इन्दौर। माँग की मजबूती से गुरूवार को अनाज मंडी में चना सुधार पर रहा। मूंग व मसूर में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में बाजार ठंडा-ठंडज्ञ ही रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। किराना जिंसों में व्यापार बहुत ही सामान्य रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली के चलते भावों में सुधार देखा गया। चना बढ़िया मालों में 6800 रू. प्रति क्विंटल पर पर आ गया। मूंग व मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। उधर, किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही देखा गया। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 3890-3940, खोपरा गोला 160-210, खोपरा बूरा 3500-5600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 290-292, ऊंझा हल्का 292-305, मीडियम 308-316, बेस्ट 323-326, हल्दी निजामाबाद 200-220, सांगली 270-280, साबूदाना हल्का 5800-6000, मीडियम 5900-6050, बेस्ट 6100-6300, वरलक्ष्मी 6400, ग्लास 7000-7300, सौंफ मोटी 101-105, मीडियम 120-125, बेस्ट 175-225, सौंफ बारिक 280-325, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 675-880, गरबल 655-658, मटरदाना 715-730, खसखस अनक्लीन 725-800, क्लीन 1050-1225, दालचीनी 245-262, जायफल 700-725, बेस्ट 735, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 350-380, बेस्ट 475-480, जावत्री 1675-1900, नाग केसर 925-950, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 760-775, बेस्ट 800-815, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2350-2400, मीडियम 2775-2950, बोल्ड 3050-3175, एक्ट्रा बोल्ड 3225-3250, पानबार 2250, बड़ी इलायची 1425-1675, बेस्ट 1650-1725, तरबूज मगज 440-450, बेस्ट 575-625, काजू (240) 1050, काजू (320) 925-950, काजू एस. डब्ल्यू 900, जे.एच. 890-900, टुकड़ी 840-850, बादाम मगज 750-800, सिंगापुरी 650-790, टांच 500-575, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना1025-1500, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1850-1900, मैदा कट्टा 1920-1930, रवा कट्टा 1980-2000, बेसन 3700 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2260-2300, (160) 2600-2650, (200) 3000-3050, (250) 3500-3550

तेल - सींगदाना 1530-1550, मुम्बई 1520, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1265-1270, सोया रिफाइंड 1315-1320, कपास्या 1290-1295, धूलिया 1295, कड़ी 1300,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1530, मुम्बई पाम 1310, मुम्बई सोया 1320,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1900, देवास-उज्जैन 1900, खंडवा-बुरहानपुर 1875, अकोला 2775 (प्रति क्विंटल)

तिलहन - सरसो 5700-5900, एवरेज 5500-5600, रायडा 5400-5500, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4350, करंज 4250-4300, अलसी 7500-7600,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 6775-6800, एवरेज 6550-6600, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5900-5950, मूंग देशी 8000-8100, पाला 8100-8200, चमकी 8200-8300, नायलोन 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 9600-9700, एवरेज 9400-9500, हल्की 9000-9200, तुअर महाराष्ट्र 10100-10300, उड़द बेस्ट 8700-8800, एवरेज 8500-8600, शंकर 8200-8300, हल्की 7800-8000,

दाल - चना दाल एवरेज 8800-8900, मीडियम 9000-9100, बोल्ड 9200-9400, तुअर दाल सवा नं. 13200-13300, तुअर दाल फूल 14300-14400, तुअर दाल बोल्ड 15200-15300, मसूर दाल एवरेज 7000-7100, मीडियम 7150-7200, बेस्ट 7350-7450, मूंग दाल 9400-9600, बोल्ड 9700-9900, मूंग मोगर 10200-10300, बोल्ड 10400-10500, उड़द दाल 11000-11100, बोल्ड 11200-11300, मोगर 10800-10900, बोल्ड 11000-11200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2650-2700, लोकवन 2950-3000, एवरेज 2700-2800, (147) 2850-2900, एवरेज 2700-2800, मालवराज 2850-2875, पूर्णा 2850-2900, चन्द्रोसी 3400-4000, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2600-2625, गज्जर 2500-2550,

चावल - चावल हंसा सफेद 2800-3000, सेला 3400-3600, परमल 3200-3400, दुबराज 4500-5000, राजभोग 6500-7500, काली मुंछ 8000-8500, बासमती दुबार 8000-9000, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-7000, तिबार 9500-10500, बासमती (921) 11000-12000, बासमती सेला 7000-9500, पोहा 4700-5100,

मावा - इन्दौर 340, उज्जैन 260, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

घरेलू विमानन कंपनियों के पास विमानों की संख्या बढ़कर 1,400 हो जाएगी-विमानन सचिव

नई दिल्ली। नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने गुरुवार को बताया कि अगले पांच साल में घरेलू विमानन कंपनियों के पास मौजूद विमानों की संख्या बढ़कर 1,400 हो जाएगी। बेड़े में वर्तमान में करीब 800 विमान हैं। प्रमुख विमानन कंपनियों इंडिगो और एयर इंडिया ने विमानों के लिए बड़े ठेके दे रखे हैं। वुअलनाम ने हवाई अड्डों की संख्या के बढ़ने का भी उल्लेख किया और कहा कि इसके बढ़ने से यात्रियों की संख्या भी दोगुनी हो जाएगी। वुअलनाम ने साथ ही वीमेन इन एविएशन इंडिया के गिविंग विंग्स टू ड्रीम्स अवार्ड्स 2024 में महिलाओं के लिए ड्रोन सहित विमानन क्षेत्र में अवसरों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 120 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना सफल रही है और इससे लाभार्थी कंपनियों का कुल कारोबार 1,400 करोड़ रुपये हो गया है।

आज का राशिफल

मेष - आज कोई शुभ समाचार मिलेगा. राजनीतिक क्षेत्र में किसी उच्च पदस्थ व्यक्ति से भेंट होगी. व्यापार में नए सहयोगी लाभकारी सिद्ध होंगे. रोजी रोजगार की तलाश में घर से दूर जाना पड़ सकता है. सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे. परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बनेगी. खेलकूद प्रतियोगिता में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ - आज दिन की शुरुआत भाग दौड़ के साथ शुरू होगी. अकारण तनाव उत्पन्न हो सकता है. कार्य क्षेत्र में अधीनस्थ एवं उच्च अधिकारियों से तालमेल बनाकर रखें. अन्यथा विवाद बढ़ सकता है. राजनीति में अपेक्षित जन सरर्थन मिलने से मन कुछ-खिन्न रहेगा. नौकरी में अपने कार्य के साथ नई जिम्मेदारी मिल सकती है. जिससे आपका प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक समस्याओं का निदान होने से आज मन को शांति एवं सुकून प्राप्त होगा।

मिथुन - आज किसी अधूरे कार्य के पूरे होने से आपके उत्साह एवं मनोबल में वृद्धि होगी. कोर्ट कचहरी के मामले में निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत मिल रहे हैं. सामाजिक कार्यों में आपकी कार्य शैली की सराहना होगी. राजनीति में आपकी सूझबूझ और रणनीति विरोधियों पर भारी पड़ेगी. परिवार में वरिष्ठ परिजनों को लेकर व्यर्थ क्रोध करने से बचें. अपनी वाणी पर संयम रखें. अन्यथा परिवार का वातावरण कलह पूर्ण हो सकता है. गुप्त कार्य करने वाले लोगों को विशेष सावधान रहना होगा।

कर्क - नौकरी में उच्च अधिकारियों से व्यर्थ वाद विवाद से बचें. उनकी हां में हां करते रहें. भूमि संबंधी कार्य में माता की ओर से विशेष सहयोग मिलेगा. सुरक्षा में लगे लोगों को अपने साहस एवं मनोबल के बल पर महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी. जिसकी चारों ओर सराहना होगी. व्यापार में अनजान लोगों पर अत्यधिक भरोसा न करें. अपनी नीति एवं नियम बनाकर अपना कार्य करें. उद्योग धंधे में लगे लोगों को सरकार की किसी योजना का लाभ मिलेगा।

सिंह - कार्य क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी. अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा पूर्वक करें. व्यावसायिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों को कुछ धीमी गति से लाभ होने की संभावना रहेगी. धैर्यपूर्वक कार्य करें. पहले से सोचे समझे कार्य में सफलता प्राप्त होगी. सामाजिक कार्यों के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनेंगे. अधिक भावुकता से बचें।

कन्या - आज किसी परिजन से भेंट होगी. राजनीति में विरोधी पक्ष आपकी कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे. लंबी दूरी की यात्रा अथवा विदेश यात्रा पर जाने के योग हैं. कार्य क्षेत्र में अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. संयमपूर्वक कार्य करें. क्रोध से बचें. व्यवसाय के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को अचानक लाभ होने की संभावना रहेगी. खेलकूद प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

तुला - आज नौकरी करने वाले लोगों को अतिरिक्त परिश्रम करने से लाभ होगा. अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तालमेल बनाए रखें. व्यवसाय के क्षेत्र में संलग्न व्यक्तियों को अपनी व्यापार नीति में सकारात्मक परिवर्तन करने की आवश्यकता रहेगी. कार्य क्षेत्र में उतार-चढ़ाव युक्त समय रहेगा. बनते बनते कार्यों में रुकावटें आएंगी. सामाजिक मान प्रतिष्ठा के प्रति सावधानी बरतें।

वृश्चिक - आज बौद्धिक कार्यों में संलग्न लोगों को महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी. आपकी सूझबूझ की कार्य क्षेत्र में सराहना होगी. कोर्ट कचहरी के मामले में न्याय के क्षेत्र से जुड़े लोगों को उनकी न्यायिक बुद्धि के लिए सम्मान प्राप्त होगा. कोर्ट कचहरी के मामले में सफलता मिलने के योग हैं. कारागार में बंद लोग कारागार से मुक्त होंगे. नए व्यापार अथवा उद्योग शुरू करने की योजना सफल होगी. आपके कार्यों के लोग प्रशंसा करेंगे।

धनु - आज कार्यक्षेत्र में विरोधियों के द्वारा विघ्न बाधाएं उत्पन्न होंगी. आप धैपूर्वक अपने कार्य में संलग्न रहे. व्यवसाय के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को बीच-बीच में लाभ होने के योग बनेंगे. लोगों के साथ अपने व्यवहार को अच्छा रखें. राजनीति में आपके रणनीतिक कौशल की प्रशंसा होगी. आपको अपार जन समर्थन मिलने से विरोधी दातों तले उंगली दबा लेंगे. अपनी सकारात्मक सोच तथा परिश्रम के संयुक्त प्रयास से आप अपने महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने में कामयाब होंगे।

मकर - आज कार्य क्षेत्र में पहले से चली आ रही बाधाएं दूर होगी. पदोन्नति लाभ प्राप्त होने की संभावना रहेगी. व्यवसाय के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को अपने पुराने आय स्त्रोतों पर ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी. राजनीति में विश्वासपात्र व्यक्ति धोखा दे सकता है. कोर्ट कचहरी की मामले में भाग दौड़ बनी रहेगी. रोजी रोजगार की तलाश में घर से दूर जाना पड़ सकता है।

कुंभ - आज कार्य क्षेत्र में पहले से चली आ रही विभिन्न बाधाएं दूर होगी. राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता अधिक रहेगी. अपार जन समर्थन मिलने के योग हैं. व्यापारिक योजना सफल होगी. व्यापार में उन्नति होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य में आ रही बाधा किसी वरिष्ठ परिजन के सहयोग से दूर होगी. अपनी कार्यशाली को आकर्षक बनाने की कोशिश करें. अपने ऊपर भरोसा करें।

मीन - आज राजनीति में आपका वर्चस्व बढ़ेगा. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा. नौकरी में पदोन्नति के संकेत मिलेंगे. बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी तलाश रहे लोगों को नौकरी प्राप्त होगी. कार्य क्षेत्र में उतार चढ़ाव जैसी परिस्थितियां रहेगी. कोई भी निर्णय सोच समझकर करें. गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें. अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है. महत्वपूर्ण कार्यों में अनावश्यक ब्रह्म होने की संभावना रहेगी. जिससे आपका मन खिन्न हो सकता है।

शब्दजाल - 7727

शब्द जाल में स्मिता पाटिल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

हा	द	सा	ला	प	र	तू	ग	झ	क	नि
ग	ल	च	ह	रिं	मं	डी	दि	शा	को	शां
इ	पु	म	र	दा	ल	ग	र	ला	ल	त
कु	दा	रु	धा	ण	क	प	म	श	र	म
आ	श	न्न	ष	क	दा	री	ग	न	ता	द
रं	क्रो	प	व	गा	र्त	स	ती	प	ह	ती
गा	ल	श	अं	प	म	प	चो	ला	व	क
बा	अ	र्थ	ला	क	छ	श	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	च	ज	द	क्ति	जू	नी	द
र	ल	प	ति	रं	ऋ	ऐ	बें	न	रु	थे
ड	स	न	म	क	ह	रा	म	प	क	र

हादसा, मंडी, चक्र, आक्रोश, निशांत, गमन, नमक हराम, चरणदास चोर, शक्ति, अर्थ

शब्दजाल - 7726 का हल

शा	न	मे	रि	का	पा	तू	फा	रू	ही	क
न	ख	क	ह	इं	डो	ने	त	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	ल	ग	स	जु	ह	प	का
आ	ग	ल	पा	ब	औ	स	र्बा	ह	लि	ल
वा	ना	ह	न	य	ज	र	कि	या	प	का
रा	इ	इ	थ	व	प	वा	बं	ह	यु	बां
जिं	जी	ल	ह	क	प	रि	न	दू	प	ग
द	रि	भा	र	त	ड़ी	स	रा	ल	क	ला
गी	या	स	ज	मी	न	आ	स	मा	न	दे
प	बे	प	ना	ह	सिं	ब	स	अ	प	श
या	स	ए	क	ही	भू	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6671

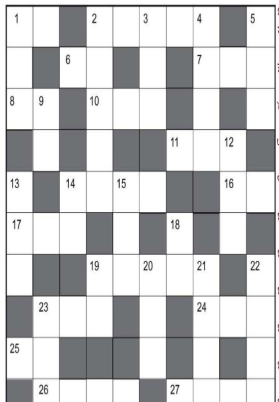

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6670

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		गिं		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ल्ला	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8195

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8194 का हल

फ	न	का	र		ग	ज	रा	
ला	त		वै		ज		ह	क
हा		या	या	व	र			ल
र	स	द		ध		प	ला	श
		गा	ल		जी	त		
क	हा	र		आ		झ	र	ना
हा			ग	ठ	जो	ड़		म
नी	र		म		क		ना	व
	ब	द	न		र	ह	ब	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 नवम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	08.11 बजे से
चंद्र	कर्क में	मकर	10.16 बजे से
मंगल	कर्क में	कुंभ	12.03 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	13.35 बजे से
गुरु	वृष में	मेष	15.06 बजे से
शुक्र	धनु में	वृष	16.46 बजे से
शनि	कुंभ में	मिथुन	18.44 बजे से
राहु	मीन में	कर्क	20.58 बजे से
केतु	कन्या में	सिंह	23.14 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कन्या	01.26 बजे से
		तुला	03.36 बजे से
		वृश्चिक	05.51 ब.से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 327 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 18.08 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 17.10 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 11.34 बजे को समाप्त। **करण** बव 18.08 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 20° 11' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872171 **जूलियन दिन** 2460636.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 19 **विशेष** कालभैरव जयंती, वीर दुर्गादास राठोड पुण्यतिथी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सर्वव्यापक ईश्वर

एक व्यक्ति अपनी बेकारी से परेशान था। वह लगातार प्रयास कर रहा था पर उसे कोई काम नहीं मिल पा रहा था। उसकी इस हालत में उसके दोस्तों-रिश्तेदारों ने भी उसका साथ छोड़ दिया था। हालांकि इसके बावजूद वह व्यक्ति निराश नहीं था। उसकी यह दशा देखकर एक चोर को दया आ गई। चोर ने उस व्यक्ति से कहा, 'तुम मेरे साथ चलो, चोरी में मेरी मदद करो, बहुत धन मिलेगा। तुम्हारी हालत सुधर जाएगी।' काफी सोच-विचार के बाद वह बेकार व्यक्ति इसके लिए तैयार हो गया। उसने चोर साथी से कहा, 'मुझे चोरी करने की कला तो आती नहीं है, करूंगा कैसे?' चोर ने कहा, 'इसकी चिंता न करो, मैं सब सिखा दूंगा।' दोनों गांव से दूर खेतों की ओर चल दिए। चोर ने वहीं एक खेत से पके हुए अनाज काटने का मन बनाया। वैसे तो रात में उधर कोई रखवाली नहीं थी, तो भी चोर ने अपने नए साथी को खेत की मेड़ पर खड़ा कर दिया ताकि वह निगरानी करता रहे कि कोई देख तो नहीं रहा है। चोर स्वयं खेत काटने लगा। नए चोर ने थोड़ी ही देर बाद आवाज लगा दी, 'भाई, जल्दी करो, यहां से भाग चलो, खेत का मालिक पास ही खड़ा देख रहा है, मैं तो भागता हूं।' चोर खेत छोड़कर उठ खड़ा हुआ और भागने लगा। कुछ दूर जाकर दोनों खड़े हुए तो चोर ने साथी से पूछा, 'मालिक कहां था, कैसे देख रहा था?' साथी ने कहा, 'ईश्वर हम सबका मालिक है। इस संसार में जो कुछ है, उसी का है। वह हर स्थान पर मौजूद है और सब कुछ देखता है। मेरी आत्मा ने कहा कि ईश्वर यहां भी मौजूद है और हमारी चोरी को देख रहा है। ऐसी दशा में हमारा भागना ही उचित था।' चोर पर इस बात का ऐसा गहरा प्रभाव पड़ा कि उसने सदा के लिए चोरी करना छोड़ दिया। जल्दी ही दोनों को मन लायक काम भी मिल गया।

सूडोकु नवताल- 6980

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6979 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , अडानी समूह के शेयर 23 फीसदी गिरे

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अदाणी समूह के शेयरों के टूटने से आई है। अमेरिका की एक अदालत में अडानी समूह पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगाये जाने के बाद समूह के शेयरों में भारी गिरावट आई जिससे भारतीय बाजार गिर गया। विदेशी निवेशकों की जारी बिकवाली और दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 422.59 अंक करीब 0.54 फीसदी नीचे आकर 77,155.79 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 168.60 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी टूटकर 23,349.90 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सबसे ज्यादा गिरावट अडानी समूह के शेयरों में आई। इस समूह पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली के ठेके हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। इसके बाद अदाणी पोर्ट्स में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गयी। अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी ग्रीन एनर्जी सहित अदाणी ग्रुप के अन्य सभी शेयरों में लगभग 23 फीसदी तक की भारी गिरावट रही।

इससे सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर गिरावट पर बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एसबीआई, आईटीसी और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, रिलायंस, टाटा मोटर्स, टाइटन, एचयूएल, मारुति, एमएंडएम, जेएसडब्लू स्टील, नेस्ले इंडिया, सन फार्मा, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरावट पर रहे।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 10 शेयर नीचे आये हैं। पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, टीसीएस, इंफोसिस, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक और टेक महिन्द्रा के शेयर भी लाभ में रहे। आज रियल्टी और आईटी ने अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि ऊर्जा, धातु और एफएमसीजी लाल निशान में गिरावट रही। वहीं अदाणी ग्रुप ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि वह इसके लिए कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेगी।

इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर गुरुवार को भारी गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 468.17 अंक टूटकर 77,110.21 पर आ गया, निफ्टी 179.75 अंक गिरकर 23,338.75 पर कारोबार करते देखा गया।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 84.50 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपय 84.42 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कमजोर अमेरिकी मुद्रा से स्थानीय मुद्रा को समर्थन दिया गया, लेकिन विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से इस पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.41 प्रति डॉलर पर खुला, जिसके बाद शुरुआती सौदों में 84.42 प्रति डॉलर पर पहुंचा। रुपया मंगलवार को भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.42 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा बाजार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बुधवार को बंद रहे। छह प्रमुख मुद्राओं के खिलाफ अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.49 पर रहा।

समर्थन मूल्य पर ज्वार, बाजरा की खरीदी आज से

भोपाल/इन्दौर । खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ज्वार, बाजरा की खरीदी 22 नवंबर से शुरू की जा रही है। खरीदी 20 दिसम्बर तक की जायेगी। ज्वार मालदण्डी का समर्थन मूल्य 3421 रूपये, ज्वार हाईब्रिड का 3371 रूपये और बाजरा का समर्थन मूल्य 2625 रुपये है। किसानों से एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जायेगी।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि उपार्जन प्रत्येक सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक होगा। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय पर उपार्जन केन्द्रों पर पहुंचकर ज्वार और बाजरा की बिक्री करें। उल्लेखनीय है कि बाजरा के लिये 9 हजार 854 और ज्वार के लिये 5 हजार 933 किसानों ने पंजीयन कराया है।

भुगतान व्यवस्था

समर्थन मूल्य पर ज्वार एवं बाजरा की खरीदी के बाद भुगतान, कृषक पंजीयन के दौरान आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जायेगा। ज्वार एवं बाजरा उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से उपार्जन केन्द्र पर लायी जाने वाली उपज की अवैध बिक्री को रोकने के लिये समुचित कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं।

जिला स्तरीय समिति उपार्जन संबंधी सभी विवादों का अंतिम निराकरण तथा उपार्जित खाद्यान्न की गुणवत्ता की निगरानी करेगी। राज्य स्तर पर एक कंट्रोल-रूम भी स्थापित किया गया है। इसका टेलीफोन नम्बर 0755-2551471 है। उपार्जन अवधि में कंट्रोल रूम सुबह 9 से शाम 7 बजे तक संचालित रहेगा।

गिट्टी से भरा डंफर पुलिया निर्माण के लिये खोदे गये गड्ढें में गिरा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। वनांचल क्षेत्रों के ग्रामों में अनेको निर्माण कार्य चल रहे हैं जिनमें ठेकेदारों के द्वारा अपनी मनमानी ढंग से निर्माण कार्य किया जा रहा है, अनेकों प्रकार की इन निर्माण कार्यो में लापरवाही बरती जा रही है, जिसके चलते छोटे बड़े हादसे घटित होते रहते है। वनांचल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के चलते शायद अधिकारी भी बार बार इन निर्माण स्थलों पर नही पंहुच पाते जिसका भी फायदा ठेकेदारों के द्वारा उठाया जाता है। जबकि किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य हो वह नियमानुसार एवं सुरक्षात्मक रूप से किया जाना चाहिये यह शासन के साफ निर्देश है। लेकिन लांजी क्षेत्र के वनांचल ग्रामों में हो रहे निर्माण कार्यो में ठेकेदार लापरवाहीपूर्ण एवं गुणवत्ताहिन कार्य कर रहे है। ऐसे ही एक लापरवाही वनांचल ग्राम बोदादलखा मार्ग पर देखने को मिली जहां पुलिया निर्माण के लिये खोदे गये गड्ढें में एक गिट्टी से भरा डंपर गिर गया। सुलसुली बोदादलखा से धीरी मुरूम लगभग 21 किमी का मार्ग निर्माण करोड़ों रूपये की लागत से हो रहा है। इसी मार्ग पर दर्जनों छोटे बड़े पुल भी बनना है। इन्ही में से एक बोदादलखा मार्ग पर पुल के निर्माण कार्य प्रारंभ है जिसके लिये ठेकेदार के द्वारा बड़े बड़े गड्ढे खोदे गये है मार्ग के दोनो ओर जो कि साफ तौर पर

दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहे है। गड्ढो के आस पास किसी भी प्रकार से सुरक्षा की दृष्टि में कोई चिन्ह नही लगाये गये है। रात्रि के समय यह गड्ढे भी दिखाई नही देते जिससे कोई भी आवागमन करने वाला उक्त गड्ढो में जा गिरेगा। ठेकेदार के द्वारा बरती जा रही इस लापरवाही का दंश खुद ठेकेदार को भी भुगतना पड़ा जब 21 नवंबर को मार्ग निर्माण कार्य के लिये ठेकेदार के द्वारा गिट्टी से भरा डंपर बुलवाया गया था। जो कि डंपर क्रमांक सीजी 07 सीई 4560 वाहन चालक सेपालसिंह के द्वारा किरनापुर आकोला से गिट्टी भरा डंपर लेकर उक्त पुल निर्माण स्थल पर पंहुचा तथा गिट्टी खाली करने के लिये जब डंपर को रिवर्स ले रहा था तथा हेल्पर के द्वारा दिशा संदेश दिये जा रहे थे तभी गिट्टी से भरा डंपर अनियंत्रित होकर पुल के गड्ढे में जा गिरा, गनीमत रही कि उक्त दुर्घटना में वाहन चालक को किसी भी प्रकार की कोई चोट नही आई। लेकिन यह जो दुर्घटना घटित हुई है उससे ठेकेदार को सबक लेना चाहिये क्योंकि जहां दिन में यह दुर्घटना घटित हुई है तो रात्रि में कभी भी बड़ी अप्रिय घटना घटित हो सकती है। क्योंकि जहां पुलिया निर्माण के लिये गड्ढे खोदे गये है उसके आस पास किसी भी प्रकार का सुरक्षा की दृष्टि से कोई इंतजाम नही किये गये है। जबकि ठेकेदार को स्टापर, दिशा बोर्ड, कार्य प्रारंभ है, प्रगति पर है ऐसे अनेको सूचना बोर्ड यहां लगने चाहिये थे जो कि नही लगाये गये है जिसके चलते ऐसे दुर्घटनाऐं आगे भी होने की संभावनाऐं है।

ठंड के बढ़ते ही गर्म कपड़े बने सहारा

नगर में अलाव जलाए जाने की उठी मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। देर से ही सही पर अब समूचे क्षेत्र में कड़ाके की ठंड का असर दिखाई देने लगा है। शाम में 4 बजे से ठंड लगना प्रारंभ हो जाती है जो कि सुबह 10 बजे तक दिखाई पड़ता है। बाजार में गर्म कपड़ों की दुकानों में भीड़ नजर आ रही है तो वहीं लोगों ने घरों में रखें गर्म कपड़े निकाल लिए हैं। हालाकि इस वर्ष नवम्बर माह आधा बीतने के उपरान्त ठंड का असर देखने को मिला, जिसके अनुमान लगाया जा रहा है कि ठंड देर से प्रारंभ होकर लंबे समय तक चलेगी। बहरहाल ठंड के प्रारंभ होते ही आम आदमी की दिनचर्या में परिवर्तन आ गया है एवं प्रातः समय के निपटने वाले आवश्यक कार्यो में विलंब होते जा रहा है। वही शाम के समय भी बाजार में जल्दी ही भीड़ कम नजर आने लगती है। ग्रामीण अंचलों में लोग सुबह-शाम आग जलाकर अलाव तापते हुये नजर आ रहे है। अनुमान लगाया जा रहा है कि क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 9 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास चला गया है। ठंड के चलते लोग शाम 4 बजे से ही गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगते है जो कि सुबह 10 बजे तक गर्म कपड़े पहने हुये नजर आते है। वनांचल क्षेत्रों में तो लोग दिन में भी गर्म कपड़ों का सहारा लेकर खेती-किसानी का कार्य निपटा रहे है। सप्ताह भर पूर्व आसमान में बादलों के छाये रहने के चलते तापमान बढ़ गया था किन्तु मौसम के साफ होने के उपरान्त पारा तेजी से लुढ़का है व ठंड का असर देखा जा रहा है। अचानक ठंड के बढने

और मौसम में परिवर्तन के चलते लोगो में सर्दी-खांसी का असर दिखाई दे रहा है। इस मौसमी सितम से अस्पतालों में सर्दी-जुकाम, बुखार के मरीज के अलावा कुछ बच्चों में सर्दी-खांसी, बुखार, विन्टर डायरिया का असर देखने को मिल रहा है। इसके अलावा बुजुर्गो एवं बच्चों में सर्दी जुकाम का असर देखा जा रहा है।

अलाव जलाने की मांग

नगर में प्रतिवर्ष नगर परिषद द्वारा सुभाष चौक सभामंच के समीप एवं अन्य जगहों पर अलाव की व्यवस्था की जाती रही है। वर्तमान में ठंड बढ़ते ही नगर परिषद से अलाव जलाए जाने की मांग की जाने लगी है।

तिरोड़ी में हुई धात्विक खान सुरक्षा सप्ताह की ट्रेड टेस्ट प्रतियोगिता

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। खान सुरक्षा महानिदेशालय परासिया क्षेत्र के निर्देशन पर द्वितीय धात्विक खान सुरक्षा सप्ताह 2024-25 के अंतर्गत ट्रेड टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन मायॅल नगरी तिरोड़ी में तिरोड़ी खान के सभागार में हुआ. जिसमें परासिया क्षेत्र की विभिन्न खदानों से 22 ट्रेड के 87 प्रतियोगी शामिल हुए. गुरुवार की सुबह यह प्रतियोगिता शुरू हुई. प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में अल्ताफ हुसैन अंसारी डीएमएस परासिया क्षेत्र बतौर मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए. कामेरा तिरुपति डीडीएमएस, आर.यू.सिंह अभिकर्ता समूह एक और संयुक्त महाप्रबंधक मॉयल, एन.के.पाठक खान प्रबंधक पौनिया मैंगनीज माइन, रितेश गुप्ता अभिकर्ता शाखाम्बरी मायॅन, मनीष ढोके खान प्रबंधक तिरोड़ी मॉयल की विशेष उपस्थिती में हुआ. अतिथियों के स्वागत सत्कार के पश्चात् आर.यू. सिंह ने प्रस्तावित भाषण दिया और कामेरा तिरुपति के उद्बोधन के बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अल्ताफ हुसैन अंसारी ने आयोजन के औचित्य, महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शुभारंभ की घोषणा की. अंत में श्री मनीष ढोके ने प्रतियोगिता के विवरण और व्यवस्था की जानकारी देते हुए आभार प्रदर्शन का दायित्व निभाया। दिनेश कनोजे ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेड टेस्ट परीक्षा जिसमें प्रथम स्तर पर लिखित परीक्षा, द्वितीय स्तर पर मौखिक परीक्षा संपन्न की गई और सभी प्रतियोगियों के द्वारा निष्पक्षता के साथ प्रतिभागिता दर्ज कराई गई. कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा कर पुरस्कार वितरित किए गए. सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक चले इस आयोजन में मॉयल लिमिटेड तिरोड़ी खान से निषाद निकोसे सहायक महाप्रबंधक खान, शाहिद बेग सुरक्षा अधिकारी, सैयद शकील अहमद मुख्य प्रबंधक खान, अभिषेक मुकर मुख्य प्रबंधक खान, रितेश माने प्रबंधक कार्मिक अधिकारी, मंगेश ढोले जूनियर अधिकारी, विलास सोनटके व संजीब पांडा यांत्रिकी अधिकारियों और कर्मचारियों में विजय बाविसताले, राकेश बिसेन, प्रदीप उके, संभव कटरे और प्रशिक्षओ का विशेष योगदान रहा।

अतिनक्सल प्रभावित वनांचल क्षेत्रों में अब भी नहीं फोन कनेक्टिविटी

बीएसएनएल द्वारा बोदादलखा में लगाया जा रहा टावर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत खुर्शीटोला के वनांचल ग्राम बोदादलखा जो कि अतिनक्सल प्रभावित ग्रामों में से एक है। वर्तमान में जहां इस ग्राम से खुर्शीटोला सहित सुलसुली, नंदोरा पंहुच मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ है जिससे ग्रामीणो को लांजी सहित अनेको ग्रामों आवागमन में आसानी होगी वहीं अब इस ग्राम में जल्द ही मोबाईल सेवा भी प्रारंभ हो जायेगी। बतादे कि क्षेत्र के अनेको ऐसे ग्राम है जों कि आज भी मुख्यधारा से नही जुडे हुये है जिसमें प्रमुखता से आज के इस आधुनिक युग में यदि कोई ग्राम फोन कनेक्टिविटी से दुर है तो निश्चित रूप से वह पिछडा हुआ ग्राम माना जा सकता है। क्योंकि आज सब कुछ मोबाईल नंबर, ऑनलाईन कार्य से जुडा हुआ है शासन की योजनाऐ भी ऑनलाईन क्रियान्वित होती है या हितग्राही को लाभ मिल पाता है ऐसे मे यदि किसी वनांचल क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या या मोबाईल टॉवर ही नही है तो इस दंश ग्रामीणो को भुगतना पड़ता है अनेको लाभ क्षेत्र के आदिवासी ग्रामीण जन नही ले पाते लेकिन शासन की इन्ही योजनाओं मे से एक हर ग्राम तक मोबाईल नेटवर्क पंहुचना हर व्यक्ति को जोडना, शासन की योजना का लाभ प्रत्येक हितग्राही को मिल इस हेतु वनांचल क्षेत्रो बीएसएनएल के द्वारा मोबाईल टॉवर स्थापित किये जा रहे है। जिसके तहत बोदादलखा ग्राम में भी भारत दुरसंचार विभाग के द्वारा मोबाईल टॉवर खड़ा किया जा चुका है वर्तमान में नेटवर्क हेतु कार्य प्रारंभ है संभवतः 1 जनवरी 2025 से मोबाईल सेवाऐं प्रारंभ हो जायेगी। उपभोक्ताओं 4जी, 5जी सेवा का लाभ मिलेगा। इस विषय पर जब ग्रामीणो से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि वर्तमान मे मोबाईल नेटवर्क को लेकर बहुत समस्या है बात करने के लिये सुलसुली या मार्ग तक जाना पड़ता है कोई कॉल करे तो सिर्फ मैसेज आते है बात नही हो पाती है। यदि यह टांवर जल्द प्रारंभ हो जायेगा तो निश्चित रूप से ग्राम में मोबाईल नेटवर्क की समस्या से निजाद मिलेगा और हमारे कार्य सहज रूप

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पठार अंचल की तीन सड़कों के हाल बेहाल

ग्रामीण परेशान, विभागीय अधिकारी बोले एस्टीमेट तैयार नहीं मिली मंजूरी

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट जिले के कटंगी विकासखंड के पठार क्षेत्र की प्रमुख तीन सड़कों की हालत बेहद खराब है. ये सड़कें ग्राम बडपानी, गोरेघाट से कुड़वा गांव और कन्हड़गांव में स्थित है. यहां के स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़कों की हालत बेहद खराब होने से आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है और आए दिन छुट-मुट सड़क हादसे होते ही रहते है. पहली सड़क बड़पानी के उस पुल को जोड़ती है. जिससे पठार अंचल के दर्जनों गांवों के हजारों लोग पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गांवों से सीधे और आसानी से आवागमन करते है. दूसरी सड़क दो राज्यों की संयुक्त परियोजना राजीव सागर बांध और फिर आगे महाराष्ट्र सीमा को जोड़ती है. तीसरी सड़क कन्हड़गांव से पिपरवानी को जोड़ती है. यह तीनों ही सड़क करीब 01 दशक से अपनी दुर्दशा पर आंसु बहा रही है. लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से चर्चा करने पर वह बताते है कि सड़कों का एस्टीमेट तैयार कर भेजा जा चुका है. सरकार से स्वीकृति मिलना बाकी है.

अंतरराज्यीय पुल को जोड़ती बड़पानी की सड़क

ग्राम बड़पानी में मध्यप्रदेश को महाराष्ट्र से जोड़ने वाला पुल है. के.डी.देशमुख ने विधायक रहते इस पुल का निर्माण करवाया था ताकि पठार अंचल की जनता को कम समय, कम खर्च में महाराष्ट्र तक सफर करने में आसानी हो. पुल का निर्माण हुआ तो ग्रामीणों को यह उम्मीद जागी कि अब बदहाल हो चुकी सड़क का निर्माण भी होगा. लेकिन जगह-जगह में विशालकाय और जानलेवा गड्ढे वाली सड़क का अब तक नवनिर्माण नहीं हो पाया. स्थानीय ग्रामीण बताते है कि इन सड़कों पर आए दिन हादसे होते रहते हैं. ग्रामीणों ने इसकी शिकायत पंचायत में की लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया. पंचायत का कहना है कि यह सड़क लोक निर्माण विभाग के दायरे में आती है. ऐसे में इस सड़क के निर्माण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग यानी पीडब्ल्यूडी की है।

राजीव सागर बांध जाने वाली सड़क के उड़े धुर्रे

बालाघाट जिले की प्रमुख परियोजना राजीव सागर बांध है. यहां साल भर सैलानी घूमने आते हैं. लेकिन खराब सड़क के चलते यहां का पर्यटन प्रभावित हो रहा है. ग्राम कुड़वा (गोरेघाट) से लेकर बांध तक सड़क ही नहीं है. स्थानीय बताते है कि बीते 25 सालों से इस सड़क की हालत ऐसी है. यहां पर आए दिन हादसे होते रहते हैं. वहीं, इस सड़क के बन जाने से पर्यटन में तेजी आ सकती है, जिससे स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

देश के सबसे लम्बे हाईवे को जोड़ने वाली सड़क भी खराब

नेशनल हाईवे-44 देश का सबसे लम्बा हाईवे है, जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक जाता है. यह मध्य प्रदेश के सिवनी जिले से महाराष्ट्र के नागपुर जिले से गुजरता है. बालाघाट जिले के कई यात्री कन्हड़गांव से लेकर पिपरवानी से होते हुए इस हाईवे पर पहुंचते हैं. लेकिन इसकी हालत बेहद खराब है. बस संचालकों ने सड़क की हालत को देखते हुए बसों का परिवहन बंद कर दिया है. गर्मी और ठंड के मौसम में जरूर कुछ बस संचालक हिम्मत कर यात्री बसों का परिचालन करवाते है किंतु बरसात के मौसम में बसों का परिचालन पूरी तरह से बंद रहता है. ग्रामीण काफी लंबे अर्से से विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की तरफ सड़क की दुर्दशा का ध्यान आकर्षित करवा रहे है लेकिन ग्रामीणों को केवल आश्वासन ही मिलता है।

सहकारी कर्मचारी यूनियन तिरोड़ी का हुआ गठन

सर्वसम्मति से आर.सी.हनवत अध्यक्ष और तरुण बोपचे सचिव मनोनीत

कटंगी (पद्मेश न्यूज़)। मध्यप्रदेश राज्य सहकारिता कर्मचारी महासंघ भोपाल जिला इकाई बालाघाट के निर्देशानुसार वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति मर्यादित तिरोड़ी के सहकारी कर्मचारी यूनियन की नव कार्यकारिणी का गठन किया गया. जिसे लेकर गुरूवार को सुबह 11 बजे बम्हनी समिति में तिरोड़ी तहसील के समस्त सहकारी कर्मचारी एकत्रित हुए. जहां पर सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का ऐलान किया गया. आर.सी. हनवत को अध्यक्ष और तरुण बोपचे को सचिव मनोनीत किया गया. यूनियन अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि संघ में आर.के. नगपुरे को उपाध्यक्ष, एम.एल.पटले को कोषाध्यक्ष, मुन्नालाल बिसेन को सह-कोषाध्यक्ष, दुर्गेश लांजेवार को सह सचिव और रवि झोड़े को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है. अध्यक्ष ने कहा कि संघ अपनी ताकत का उपयोग सहकारी कर्मचारी साथियों की जायज मांगों उनकी समस्याओं से निपटने के लिए करेगा. कर्मचारियों के साथ हर जगह सम्मानपूर्वक व्यवहार हो यह सुनिश्चित करने का काम संघ बखूबी निभाएंगा।

भानेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बोलेगांव में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) एवं केबल टीवी
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

ठेका कर्मियों के भरोसे सरकारी सिस्टम

- 4.25 लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों

भोपाल। मप्र में साल-दर-साल सरकारी अधिकारी-कर्मचारी रिटायर हो रहे हैं और उनकी जगह नहीं भर्तियां करने की बजाय आउटसोर्स कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों को तैनात किया जा रहा है। इस तरह मंत्रालय से लेकर कलेक्टोरेट तक सरकारी सिस्टम ठेका कर्मियों के भरोसे हो गया है। जानकारों का कहना है कि सरकार में ठेका प्रणाली की यह घुसपैठ कभी भी प्रशासनिक ढांचा को बैठा सकता है।

प्रदेश के सरकारी विभागों, उपक्रमों, निगम, मंडल, बिजली कंपनियों, दुग्ध सहित अन्य विभागों में 4.25 लाख से अधिक ठेका श्रमिक और आउटसोर्स कर्मचारी काम कर रहे हैं। मंत्रालय में ही कर्मचारियों की संख्या जिस गति से हर महीने घट रही है, उस गति से बढ़ नहीं रही है। मंत्रालय में 2539 स्वीकृत पदों के विरुद्ध 1345 कर्मचारी ही रह गए हैं। जिनमें सबसे ज्यादा तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के हैं। यही स्थिति सरकार के अन्य लगभग सभी कार्यालयों की है। जहां नियमित कार्यरत कर्मचारियों की संख्या कुल स्वीकृत पदों से आधी से भी कम बची है। प्रदेश में पिछले एक-डेढ़ दशक में सरकारों ने रिक्त पदों को भरने की बजाय ठेका प्रणाली से प्रशासनिक तंत्र को चलाने की जुगाड़ बैठाई थी। अब ज्यादातर विभागों में सीधी भर्ती वाले कर्मचारी उतने भी नहीं बचे कि आगे प्रशासनिक तंत्र को खींचा जाए। यही स्थिति रही तो प्रशासनिक तंत्र

कभी भी बैठ सकता है।

जीएडी ने मांगी खाली पदों की जानकारी

सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी विभागों में खाली पदों की गणना शुरू कर दी है। जिसके आधार पर सरकार अगले 5 साल के भीतर भर्ती की प्रक्रिया को पूरा करेगी। कर्मचारी नेताओं के अनुसार मौजूदा स्थिति में राज्य में करीब 2.50 लाख नियमित कर्मचारी बचे हैं। 2026 तक यह संख्या घटकर 1.50 लाख तक रह जाएगी। इसके अनुपात में संविदा कर्मचारियों की संख्या 3 लाख से ज्यादा है। जबकि आउटसोर्स कर्मचारियों की संख्या का कोई प्रमाणित आंकड़ा किसी विभाग के पास नहीं है, फिर भी पंचायत, वार्ड कार्यालयों से लेकर मंत्रालय तक करीब 1.25 लाख कर्मचारी ठेकादारों के माध्यम से सरकार में काम कर रहे हैं।

मंत्रालय में बचे मात्र 1345 कर्मचारी

प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों की कमी का आकलन इसी से किया जा सकता है कि मंत्रालय में प्रथम श्रेणी से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक 2539 पद स्वीकृत हैं। जिनके विरुद्ध 1345 पद ही भरे हैं। खास बात यह है कि प्रथम श्रेणी के अतिरिक्त सचिव के 3 पद, उप सचिव के 14 पद पूरी तरह से खाली हैं। अवर सचिव के 57 पदों के विरुद्ध सिर्फ 18 अधिकारी बचे हैं, जबकि 39 पद खाली हैं। सरकार ने तंत्र को चलाने के लिए मंत्रालय सेवा के अधिकारियों की जगह मैदानी अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को पदस्थ कर रखा है। कर्मचारी नेता सुभाष वर्मा का कहना है कि अटैचमेंट और आउटसोर्स के जरिए ज्यादा वक्त तक प्रशासनिक तंत्र को नहीं चलाया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि पदोन्नति का रास्ता निकाले और नियमित भर्तियां शुरू करे। कार्यालयों में अनुभवी कर्मचारियों का टोटा है। बाहरी लोग कुछ भी कर रहे हैं। तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

मप्र में अधिकांश पद खाली

मप्र में अधिकारियों-कर्मचारियों की स्थिति यह है कि अधिकांश पद खाली पड़े हैं। 19 नवंबर की स्थिति में मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के 3 पद स्वीकृत हैं जो खाली पड़े हैं। वहीं उप सचिव के भी सभी 14 पद खाली हैं। अवर सचिव के 57 पदों में से 17 भरे हैं और 40 खाली हैं। स्टॉफ ऑफीसर के 18 पदों में 10 भरे हैं 8 खाली है। अनुभाग अधिकारी के 143 पदों में से 114 खाली, निज सचिव के 60 पदों में से 25 खाली, सहा. अनुभाग अधि. के 338 पदों में से 237 खाली, सहा. ग्रेड-2 के 335 पदों में से 118 खाली, सहा. ग्रेड-3 के 602 पदों में से 131 खाली, निज सहायक के 128 पदों में से 62 खाली, शीघ्र लेखक के 53 पदों में से 21 खाली, स्टेनो टायपिस्ट के 84 पदों में से 43 खाली, तकनीकी श्रेणी के 69 पदों में से 59 खाली और चतुर्थ श्रेणी के 635 पदों में से 319 खाली हैं।

5 साल में रिटायर होंगे एक लाख अधिकारी-कर्मचारी

मर्प्र के 73 फीसदी क्लास-वन अधिकारी और 53 फीसदी क्लास-टू अफसरों की उम्र 45 साल से ज्यादा है। इसके अनुपात में क्लास-वन युवा अफसरों की संख्या 27 प्रतिशत तो क्लास टू कैटेगरी के अधिकारी 47 प्रतिशत हैं। आने वाले 5 साल में सभी कैटेगरी के एक लाख से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी रिटायर होने वाले हैं। इस स्थिति ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। पिछली कैबिनेट मीटिंग में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी विभागों से खाली पदों का ब्योरा मांगा है। ब्योरा मिलने के बाद सीएम मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ इसी महीने बैठक करेंगे। जानकारों की मानें तो ऐसी स्थिति इसलिए बनी क्योंकि भर्ती प्रक्रिया के प्रति सरकार गंभीर नहीं है। इसका असर आने वाले समय में सरकार के कामकाज पर पडऩा तय है। जानकार ये भी मानते हैं कि युवाओं की भर्ती नहीं होने से आने वाले समय में नवाचार और नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल में कमी आएगी।

रिन्यूअल फॉर्म भरने 100 बेड के स्वयं के अस्पताल की नहीं जरूरत

पुराने नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता रिन्यूअल के लिए हाईकोर्ट से राहत

भोपाल। नर्सिंग कॉलेज को मान्यता नवीनीकरण मामले में हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि साल 2013 के पहले से चल रहे नर्सिंग कॉलेजों को स्वयं के 100 बेड के अस्पताल की अनिवार्यता नहीं है। दरअसल इस मामले में हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट कर दिया था कि, साल 2013 के पहले से संचालित निजी नर्सिंग कॉलेज को मान्यता रिन्यूअल के लिए स्वयं के 100 बेड के अस्पताल की अनिवार्यता नहीं है उसके बावजूद स्टेट नर्सिंग कॉलेज के पोर्टल पर 2013 के पहले के नर्सिंग कॉलेज की मान्यता रिन्यूअल फॉर्म संबंधित फार्म नहीं ले रहा है। भोपाल बीएम नर्सिंग कॉलेज की ओर से हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई थी जिसकी पैरवी करते हुए सीनियर अधिवक्ता पंकज दुबे ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में हाईकोर्ट के पूर्व आदेश के बावजूद स्टेट नर्सिंग काउंसिल 2013 के पहले के कॉलेज के मान्यता रिन्यूअल नहीं दे रहा है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि इस मामले में नेशनल नर्सिंग काउंसिल की गाइडलाइन भी स्पष्ट है जिसमें कहा गया है कि पुराने नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता रिन्यूअल करने के लिए स्वयं के 100 बेड के अस्पताल की अनिवार्यता नहीं, ऐसे कॉलेज किसी भी सरकारी अस्पताल से संबद्ध लेकर मान्यता रिन्यूअल फॉर्म भर सकते है।

हाईकोर्ट ने कड़ा एतराज जताया

उसके बावजूद स्टेट नर्सिंग काउंसिल अपने अडियल रवैया पर अड़ा हुआ है। जिस पर हाईकोर्ट ने कड़ा एतराज करते हुए स्टेट नर्सिंग काउंसिल को आदेश दिए है कि वह पुराने नर्सिंग कॉलेज को बिना 100 बेड अस्पतलों की शर्त के मान्यता रिन्यूअल संबंधित फार्म भरने की अनुमति दे, इसके साथ ही कोर्ट ने मान्यता रिन्यूअल फॉर्म भरने की तारीख को 19 से 21 नवंबर से बढ़ाकर अब 22 नवंबर तक कर दिया है। हाईकोर्ट ने इस याचिका का निराकरण भी कर दिया।

बजट के लिए मप्र सरकार ने जनता से मांगे सुझाव

बजट 2025 के लिए 15 जनवरी तक लोग दे सकते हैं अपने सुझाव

भोपाल। बजट 2025 की तैयारियों में जुटी मोहन यादव सरकार ने प्रदेश के लोगों से बजट को लेकर सुझाव मांगे हैं। सरकार ने प्रदेश के लोगों से पूछा है कि किस जिले में किस तहसील में किस तरह के उद्योग या लघु उद्योग लगाए जा सकते हैं जिससे रोजगार बढ़ सके। प्रदेश में पुराने शहरों की सडक़ों, गलियारों के चौड़ीकरण, कस्बों के अंतर्विकास और अतिक्रमण व झुग्गीमुक्त बनाने को लेकर भी सुझाव देने के लिए कहा है। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन व्यवस्था को लेकर किस तरह का बदलाव लोग चाहते हैं, इस बारे में भी सुझाव देने के लिए कहा गया है।

डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा विकसित मध्यप्रदेश 2047 का विजन तैयार किया जा रहा है। इसमें तय लक्ष्यों की पूर्ति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 का लोक कल्याणकारी बजट तैयार किया जाएगा। समाज के सभी वर्गों से मिलने वाले सुझावों, मार्गदर्शन, प्राथमिकताओं से प्रदेश का बजट बनेगा। प्रदेश की राजस्व आय में वृद्धि के सुझाव भी बजट को और अधिक लोक कल्याणकारी स्वरूप देने में सहयोगी होंगे।

ऐसे दे सकते हैं सुझाव

सरकार की ओर से एमपीमाईजीओवी पर सुझाव एवं मार्गदर्शन मांगे गए हैं। यह सुझाव 15 जनवरी 2025 तक लिए जाएंगे। सुझावों के साथ आम नागरिक अपना नाम, शहर, जिला, पिनकोड एवं मोबाइल नंर भी अंकित करना होगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट की तैयारियां शुरू हैं। बजट में आमजन के सुझाव लेने का कार्य पिछले कई सालों से बीजेपी की सरकार कर रही है। इसी तारतम्य में प्रदेश के आम नागरिक से राज्य के बजट को प्रभावी बनाने के लिए सुझाव देने को कहा है।

- रेस्क्यू किए गए हाथी को कॉलर लगाकर उसके मूवमेंट पर रखी गई नजर

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों की सुरक्षा के लिए सैटेलाइट कॉलरिंग सफल

भोपाल। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों के संरक्षण के लिए सैटेलाइट कॉलरिंग तकनीक का प्रयोग सफल रहा है। मार्च 2024 में शहडोल के जयसिंहनगर वन क्षेत्र से रेस्क्यू किए गए एक जंगली हाथी को सैटेलाइट कॉलर लगाकर ताला वन परिक्षेत्र की दमना बीट में छोड़ा गया। इसके माध्यम से हाथी के मूवमेंट पर नजर रखी गई, जो संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह तकनीक जंगली हाथियों के मूवमेंट और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने में मदद करती है। इससे न केवल हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी, बल्कि मानव-हाथी संघर्ष को कम करने में भी सहायता मिलेगी। अब सरकार इस तकनीक को प्रदेश के अन्य टाइगर रिजर्व और हाथी संरक्षण क्षेत्रों में भी लागू करने की योजना बना रही है। इस प्रक्रिया के दौरान क्षेत्र संचालक डॉ. नितिन गुप्ता, सहायक संचालक ताला, और वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने बताया कि यह तकनीक हाथियों के प्राकृतिक वास के अध्ययन और संरक्षण की दिशा में एक अहम पहल है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों की सैटेलाइट कॉलरिंग पहली बार की गई है, जो अन्य टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में इस तकनीक के उपयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इससे न केवल हाथियों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि उनके संरक्षण में नए आयाम जोड़े जाएंगे।

मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के पदाधिकारी उप मुख्यमंत्री से मिले

भोपाल। चिकित्सा महाविद्यालय, होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालय, विभिन्न अस्पताल और स्कूल शिक्षा विभाग के कर्मचारी व शिक्षकों को चुनाव कार्य से मुक्त करने की मांग को लेकर मप्र कर्मचारी कांग्रेस के पदाधिकारी उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मिले। संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र निगम ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि इन कार्यालयों के अलावा भी सैकड़ों कर्मचारी अब भी चुनाव ड्यूटी में लगे हैं। उन्हें बूथ लेबल अधिकारी (बीएलओ) बनाया गया था और पिछले 3 एवं 4 साल से ये कर्मचारी वहीं काम कर रहे हैं।

निगम ने बताया कि चुनाव कार्य में संलग्न होने के कारण इन कर्मचारियों के मूल विभाग का काम प्रभावित हो रहा है। इसमें बच्चों की पढ़ाई भी है। संगठन के संरक्षक वीरेन्द्र खोंगल ने बताया कि प्रदेश के चिकित्सालय,होम्योपैथिक चिकित्सालय एवं स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक मुख्य कार्य करने के बजाय निर्वाचन संबंधी कार्यों में ड्यूटी कर रहे हैं। यह कर्मचारी पिछले 3-4 सालों से मतदाता सूची का कार्य कर रहे हैं। इससे स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। नेताद्वय ने बताया कि चिकित्सालय में विभिन्न रोगों के हजारों मरीज प्रतिदिन उपचार कराने आते हैं, लेकिन चिकित्सालय में मशीनों का संचालन करने वाले विशेषज्ञ ना होने के कारण मरीजों को दूसरी जगह जांच कराना पड़ रही है। इससे मरीज परेशान हो रहे हैं और आर्थिक हानि भी हो रही है। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने कलेक्टर को पत्र लिखकर अत्यावश्यक कार्य करने वाले कर्मचारियों को मतदाता सूची कार्य से मुक्त करने के लिए अनेक बार आग्रह भी किया, पर इन कर्मचारियों को चुनाव कार्य से मुक्त नहीं किया जा रहा है।

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से, 4 अप्रैल तक चलेंगी

भोपाल। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की तारीखों का ऐलान कर दिया। परीक्षाएं 15 फरवरी से होंगी। 10वीं की परीक्षा 18 मार्च तक और 12वीं की परीक्षा 4 अप्रैल तक चलेंगी। पिछले परिणाम छह महीने पहले ही आए थे। इसमें मध्यप्रदेश देश में 30वें नंबर पर था। दोनों ही कक्षाओं में प्रदेश में लड़कियों ने बाजी मारी थी। सीबीएसई बोर्ड के जिम्मेदारों के मुताबिक, पहली बार परीक्षा से 86 दिन पहले डेट शीट जारी की गई है। इसकी वजह है कि इस बार स्कूलों ने समय से लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स भरी है। डेट शीट के मुताबिक, दो विषयों के बीच पर्याप्त अंतराल दिया गया है। कक्षा 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं की तिथि को ध्यान में रखा गया है। प्रवेश परीक्षाओं से काफी पहले परीक्षाएं पूरी करने का प्रयास किया गया है। इससे विद्यार्थियों को बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं के लिए बेहतर समय प्रबंधन में मदद मिलेगी। 10वीं क्लास के लिए पहला एग्जॉम अंग्रेजी का होगा। साइंस का एग्जाम 20 फरवरी को होगा। इसमें सिर्फ एक दिन की छुट्टी दी गई है। वहीं, सोशल साइंस का एग्जाम 25 फरवरी को होगा। 10वीं के स्टूडेंट्स के लिए आखिरी एग्जाम 18 मार्च को कम्प्यूटर एप्लिकेशन्स, आईटी या एआई का होगा।

बुधनी विधानसभा का पहले आएगा रिजल्ट

विजयपुर में 16, बुधनी में 13 राउंड में पूरी होगी ईवीएम की काउंटिंग

भोपाल। श्योपुर जिले की विजयपुर एवं सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा में हुई वोटिंग के बाद मतगणना की तैयारियां जिला निर्वाचन अधिकारियों ने पूरी करा ली हैं। राउंडवार गणना के आधार पर पहले बुधनी और फिर विजयपुर विधानसभा उपचुनाव का परिणाम घोषित होगा। 23 नवंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना आरंभ होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी को मतगणना के लिए सभी सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

विजयपुर विधानसभा में मतगणना शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज श्योपुर में होगी। इस विधानसभा क्षेत्र के 327 मतदान केंद्रों में मतों की गणना के लिए 16 टेबल लगाई जाएंगी। मतगणना 21 राउंड में कराई जाएगी। बुधनी विधानसभा में मतगणना शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में होगी। 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। 363 मतदान केंद्रों में मतों की गणना के लिए 2 कक्षों में 14-14 टेबल लगाई जाएंगी। मतगणना 13 राउंड में कराई जाएगी।

मतगणना स्थल पर थ्री लेयर सिक्योरिटी

मतगणना स्थल पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। केवल अधिकृत व्यक्ति ही यहां प्रवेश कर सकेंगे। कोई भी अनधिकृत व्यक्ति मतगणना सेंटर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। मतगणना कर्मियों का तीन लेवल पर रेंडमाईजेशन होगा। हर मतगणना टेबल पर एक काउंटिंग सुपरवाईजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट, एक काउंटिंग स्टॉफ तथा एक माइक्रो ऑब्र्जवर रहेगा। मतगणना हॉल के भीतर पासधारी उम्मीदवार, निर्वाचन अभिकर्ता, मतगणना एजेंट को कोरा कागज, मतपत्र लेखा प्रारूप 17 सी भाग-1 की प्रति, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रदाय किए गए ईवीएम और वीवीपैट की सूची जो विभिन्न मतदान केंद्रों में प्रयोग में लाई गई है तथा प्लास्टिक पेन या पेंसिल ले जाने की अनुमति रहेगी।

मतगणना कक्ष में ये सामग्री नहीं ले जा पाएंगे

मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, आईपैड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बीड़ी, सिगरेट और गुटखा प्रतिबंधित रहेगा। किसी को भी मतगणना हॉल में मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी द्व केवल आरओ, एआरओ, काउंटिंग सुपरवाइजर जो ईटीपीबीएमएस या इनकोर से जुडे हैं, वे केवल ईटीपीबीएमएस, इनकोर ओपन करने के लिए ओटीपी के लिए मोबाइल ले जा सकेंगे।

श्रीमती नूरी खान ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पदभार ग्रहण किया

भोपाल। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती अलका लांबा द्वारा मध्यप्रदेश के उज्जैन की युवा, संघर्षशील और ऊजार्वान श्रीमती नूरी खान को मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। वहीं नूरी खान को मध्यप्रदेश में महिला कांग्रेस की सदस्यता के लिए भी प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है।

नवनियुक्त महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती नूरी खान ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया और पदभार ग्रहण किया। श्रीमती नूरी खान के महिला कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर कांग्रेस नेता मप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एन.पी. प्रजापति और पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, मप्र कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजीव सिंह, विधायक आरिफ मसूद और विधायक महेश परमार सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुये महिला कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत कर महिला सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं में उर्जा, चेतना, जागृति और कांग्रेस के प्रति जोड़ने के लिए सशक्त भूमिका का निर्वहन करने की अपेक्षा व्यक्त की।

भोपाल समेत 28 शहरों में सामान्य से नीचे टेम्प्रेचर

भोपाल। उत्तरी हवाओं के असर से मप्र में सर्दी बढ़ गई है। कई शहरों में रात का टेम्प्रेचर 15 डिग्री के नीचे आ गया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर-उज्जैन समेत 28 शहरों में पारा सामान्य से नीचे है। ऐसा ही मौसम अगले कुछ दिन और बना रहेगा। गुरुवार सुबह ग्वालियर, चंबल और रीवा संभाग के कई जिलों में कोहरा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार सुबह ग्वालियर, दतिया, भिंड, श्योपुर, मुरैना, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरा छाया रहा। भोपाल में भी सुबह के समय कोहरा है। यहां 1 से 2 किलोमीटर तक विजिबिलिटी यानी, दृश्यता है। राजधानी में पिछले 5 दिन से ऐसा ही मौसम है। प्रदेश के 5 बड़े शहर- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में रात का टेम्प्रेचर सामान्य यानी, 15 डिग्री के नीचे है। भोपाल में पिछले साल के मुकाबले इस बार अभी से ज्यादा सर्दी पड़ रही है। यहां पिछले साल जहां नवंबर में रात का टेम्प्रेचर 12.8 डिग्री तक ही पहुंचा था।

मप्र के अफसर सीखेंगे हाथियों को नियंत्रित करना

भोपाल। बांधवगढ़ में 10 हाथियों की मौत के बाद मप्र सरकार और वन विभाग सतर्क हो गया है। उधर, हाई कोर्ट के पूर्व निर्देश के पालन में मप्र शासन ने अपना जवाब पेश किया। इसमें अवगत कराया कि प्रदेश में आने वाले जंगली हाथियों को नियंत्रित करने के लिए कोई विशेषज्ञ नहीं है। दूसरे प्रदेश के विशेषज्ञ की मदद ली जाएगी। इस जवाब को रिकार्ड पर लेकर मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने पूछा कि किस प्रदेश के विशेषज्ञ की मदद ली जाएगी। इस संबंध में जानकारी प्रस्तुत करें। युगलपीठ ने याचिकाकर्ता को सुझाव पेश करने के आदेश जारी करते हुए प्रकरण की अगली सुनवाई 25 नवंबर को निर्धारित की है। उधर, मप्र के वन अधिकारी अब हाथियों के साथ रहवास, प्रबंधन के तौर-तरीके सीखने के लिए तमिलनाडु और कर्नाटक का अध्ययन दौरा करेंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-जीव) एवं मुख्य वन्य-जीव अभिरक्षक व्ही.एन. अम्बाडे ने इसके लिये निर्देश जारी कर दिये हैं। अम्बाडे ने बताया कि यह अध्ययन दल 30 नवम्बर तक अध्ययन करेगा।

बता दें, रायपुर निवासी नितिन सिंघवी द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि केंद्रीय पर्यावरण विभाग की गाइडलाइन के अनुसार जंगली हाथियों को पकडऩे का कदम अंतिम उपाय के रूप में होना चाहिए, लेकिन मध्य प्रदेश में इसे पहले विकल्प के रूप में अपनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ से जंगली हाथियों के जंगलों में प्रवेश झुंड मध्य प्रदेश के करते हैं। इससे किसानों फसलें बर्बाद होती हैं और घरों में तोडफ़ोड़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। कुछ मामलों में जंगली हाथियों द्वारा किए गए हमलों में लोगों की मृत्यु भी हो चुकी है। जंगली हाथियों को प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर फारेस्ट (पीसीसीएफ) वाइल्डलाइफ के आदेश पर ही पकड़ा जा सकता है। जंगली हाथी संरक्षित वन्य प्राणियों की प्रथम सूची में आते हैं और पकड़े जाने के बाद उन्हें टाइगर रिजर्व में भेजकर प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दौरान हाथियों को यातनाओं का सामना करना पड़ता है। याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने सरकार को निर्देशित किया था कि पिछले 30 वर्षों में पकड़े गए हाथियों का पूरा विवरण पेश किया जाए। सरकार की ओर से पेश रिपोर्ट मैं बताया गया कि वर्ष 2017 से अब तक 10 जंगली हाथियों को पकड़ा गया है, जिसमें से दो हाथियों को छोड़ा जाना है। एक हाथी को छोडऩे के लिए विदेश से कालर आइडी मंगाई गई है।

23 को जाएगा पहला दल

तमिलनाडु और कर्नाटक के अध्ययन दौरे के दौरान वन अधिकारियों का अध्ययन दल मानव-हाथी संघर्ष प्रबंधन रणनीतियाँ, प्रभावी अवरोध, बंदी प्रबंधन, सामुदायिक सहभागिता और एआई के उपयोग विषय पर अध्ययन करेगा। इस संबंध में क्षेत्र संचालक, संजय टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, कान्हा टाइगर रिजर्व और वन मण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल, उमरिया, पश्चिम मण्डला, पूर्व मण्डला, सीधी, दक्षिण शहडोल, कटनी और अनूपपुर वन मण्डल को आदेश जारी कर दिए हैं। अम्बाडे ने बताया कि राज्य वन अधिकारियों के 2 बैच कर्नाटक और तमिलनाडु के अध्ययन दौरे पर जाएंगे। दोनों बैचों के लिये एपीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ एल. कृष्णमूर्ति समन्वयक होंगे। प्रथम अध्ययन दल 23 नवम्बर तक अध्ययन करेगा, जिसमें टीम प्रभारी आईएफएस अमित कुमार दुबे एवं फील्ड डायरेक्टर संजय टाइगर रिजर्व के नेतृत्व में उप संचालक बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व, डीएफओ शहडोल उत्तर, उमरिया, मण्डला पश्चिम और सीधी वन संभाग के साथ एक-एक रेंज अधिकारी कान्हा, बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व, शहडोल उत्तर, उमरिया, मण्डला पश्चिम और सीधी वन संभाग, पशु चिकित्सक संजय टाइगर रिजर्व के अधिकारी प्रथम बैच में शामिल रहेंगे।

25 को जाएगा दूसरा दल

दूसरा अध्ययन दल 25 से 30 नवम्बर तक अध्ययन करेगा। इसमें टीम प्रभारी डॉ. अनुपम सहाय आईएफएस एवं फील्ड डायरेक्टर बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व टीम में डिप्टी डायरेक्टर संजय टाइगर रिजर्व, कान्हा टाइगर रिजर्व बफर, डीएफओ शहडोल दक्षिण, मण्डला पूर्व, कटनी, अनूपपुर वन संभाग, एडीजी संजय टाइगर रिजर्व, एसडीओ शहडोल दक्षिण, मण्डला पूर्व, कटनी, अनूपपुर वन संभाग, एक-एक रेंज अधिकारी संजय टाइगर रिजर्व, शहडोल दक्षिण, मण्डला पूर्व, कटनी, अनूपपुर वन संभाग और पशु चिकित्सक बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व शामिल रहेंगे।

डिंडौरी में ग्रामीण रतजगा करने को मजबूर

जिले के पश्चिम करंजिया वन परिक्षेत्र के गांवों में जंगली हाथियों का डेरा लोगों के लिए दहशत का कारण बना हुआ है। हाथियों के दल ने रविवार देर रात इमली टोला में बने वनरक्षक के आवास पर हमला बोलकर घर की दीवार तोड़ डाली। संयोग से घटना के समय घर में कोई नहीं था। सबसे ज्यादा उत्पात एक हथिनी मचा रही है, जिसके बच्चे की कुछ समय पहले ही मौत हुई थी। आसपास के ग्रामीण अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। वन विभाग भी हालात पर सतत नजर बनाए हुए हैं। वन परिक्षेत्र अधिकारी प्राची मिश्रा ने बताया कि चार हाथियों का यह दल पश्चिम करंजिया वन परिक्षेत्र क्षेत्र में सक्रिय है। यह दल मूल रूप से छत्तीसगढ़ का है। इनमें एक हथिनी है, जो अत्यधिक उत्तेजित है। इसका कारण चार माह पहले उसके एक बच्चे की मौत को माना जा रहा है। इसके साथ दो वयस्क हाथी और एक बच्चा है। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि बहुत ज्यादा गुस्से में नजर आ रही हथिनी ने ही हाल की घटनाओं सभी आवासों को तोड़ा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

पर्थ। भारतीय टीम शुक्रवार को यहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तान कर रहे जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को मिली करार हार को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहेगा। पिछले कुछ समय में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है उससे भी टीम पर दबाव रहेगा। इस मैचम में नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी नहीं खेल रहे है। रोहित हाल ही में दूसरी बार पिता बने हैं, ऐसे में वह अपने परिवार के साथ है। इन हालातों में पारी की शुरुआत कर रहे यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को अच्छी शुरुआत करनी होगी।

इस सीरीज में विराट , आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन अहम रहेगा क्योंकि ये अपने कैरियर के अंतिम दौर पर हैं। ऐसे में पांच मैचों की सीरीजउनके भावी करियर की दशा और दिशा तय करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम का पदर्शन तय करेगा कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचती है कि नहीं। भारतीय टीम को इसके लिए ऑस्ट्रेलिया को हर हालत में 4-0 से हराना होगा। वहीं भारतीय टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि टीम की क्षमता पर जब भी सवाल उठे हैं, इसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाया है। बुमराह ने कहा, 'जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरूआत करते हैं लेकिन जब हारते हैं, तब भी तो ऐसा ही होता है। न्यूजीलैंड सीरीज से हमने सबक लिया है लेकिन यहां हालात अलग हैं और यहां हमारे परिणाम अलग रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया की टीम इस सीरीज में जीतकर पिछले एक दशक से इस सीरीज को नहीं जीत पाने के सूखे को समाप्त करना चाहेगी। पहले मैच में भारतीय टीम में नियमित कप्तान रोहित के अलावा , शुभमन गिल भी नहीं होंगे। इसका लाभ भी मेजबान टीम भी उठाना चाहेगी। यहां की पिच उछाल भरी होगी जिसपर मेजबान टीम के गेंदबाजा हावी होने का प्रयास करेंगे।

भारतीय टीम की ओर विराट कोहली, के अलावा ऋषभ पंत और केएल राहुल , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर अंकुश लगाना होगा। यह ऐसी सीरीज होगी जिसमें गेंदबाजों का पलड़ा भारी होगा और बुमराह भारत की कमान भी संभालेंगे। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप तेज गेंदबाजी में उनका साथ दे सकते हैं लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा भी चयन के दावेदार हैं। टीम संयोजन चाहे जो हो, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। टीम की बल्लेबाजी स्टीव स्मिथ , मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। इसके अलावा ट्रेविस हेड भी भारत की परेशानी बढ़ा सकते हैं उनका औसत करीब 28 रहा है। उस्मान ख्वाजा को छोडकर कोई आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। विकेटकीपर एलेक्स कारी और कप्तान पैट कमिंस ने कभी कभार ही अच्छी पारियां खेली है। पहले टेस्ट के लिए पिच में नमी और उछाल को देखते हुए भारतीय टीम ऑलरांडर रविंद्र जडेजा की जगह अनुभवी आर अश्विन को उतार सकती है। वहीं यूवा ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी और बल्लेबाज ध्रुव जुरेलको मौका मिल सकता है। ये दोनो ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह ॰

भारत = जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया = पैट कमिंस (कप्तान), नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी, मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड

यशस्वी के प्रदर्शन पर आधारित रहेगी भारतीय टीम की सफलता

पर्थ। कई दिग्गज क्रिकेटरों का मानना है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से शुरु हो रही पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं माना जा रहा है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगा पर पदार्पण के बाद से ही जिस प्रकार का प्रदर्शन यशस्वी ने किया है। उससे तय है कि इस सीरीज में वह अंतर पैदा करेंगे। भारतीय टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो यशस्वी को उसी प्रकार की भूमिका निभाने होगी जैसी वीरेंद्र सहवाग निभाया करते थे।

यशस्वी ने पिछले एक एक साल में ही विश्व क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनायी है। टेस्ट क्रिकेट में चाहे स्ट्राइक रेट की बात हो या औसत और या फिर तेजी से हजार रन पूरे करने की। हर सूची में यशस्वी 10 में नजर आते हैं। उन्होंने अभी तक खेले 14 ही टेस्ट मैच के छोटे से करियर में ही 56.28 की औसत से 1407 रन बनाये हैं और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 70.13 रहा है जबकि उनका शीर्ष स्कोर 214 है।

यशस्वी हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में केवल एक अर्धशतक लगा पाए थे और इसी सीरीज में भारतीय टीम सभी मैच हार गयी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पिछले एक साल में यशस्वी टीम के लिए कितने अहम बन गये हैं। इससे साफ है कि उनके असफल होने पर टीम भी हारी है जबकि जब वह अच्छा खेलते हैं तो टीम जीतती है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया सीरीज में भी यशस्वी की भूमिका निर्णायक रहेगी। ये माना जाता है कि वही ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण को दबाव में ला सकते हैं। यशस्वी आक्रामक बल्लेबाज हैं और पहले ही ओवर से तेजी से रन बनाने का प्रयास करते हैं। इससे शुरुआत में ही विरोधी टीम बैकफुट पर आ जाती है और भारतीय टीम को हावी होने का अवसर मिल जाता है।

दोनो ही टीमों की कप्तानी गेंदबाजों का करना एक अच्छा संकेत - कमिंस

पर्थ। भारत और मेंजबान ऑस्ट्रेलिया के बीच शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट में दोनो ही टीमों का नेतृत्व तेज गेंदबाज कर रहे हैं। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पीट कमिंस ने भी खुशी जतायी है। कमिंस ने कहा कि अधिक से अधिक मैचों में ऐसा होना चाहिये। कमिंस ने कहा कि आज सभी टीमों में बदलाव आ रहा है। ये एक अच्छा संकेत है। वहीं बुमराह ने तेज गेंदबाजों को ये अवसर देने की प्रशंसा करते हुए कहा कि कमिंस ने अपनी कप्तानी में बेहतर प्रदर्शन कर दिखाया है कि गेंदबाज भी कमान संभाल सकते हैं। इससे एक प्रकार से उन्होंने गेंदबाजों को साबित किया है।

कमिंस ने कहा, भारतीय टीम की कप्तानी बूमराह कर रहे हैं। ये देखकर बहुत अच्छा लगा। ऐसा और भी होना चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में टिम साउदी की कप्तानी में भी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया गया था। हां, मुझे नहीं लगता कि इसमें बहुत ज़्यादा बदलाव हुआ है। ऐसा कम ही होता है। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि वह वहां कैसे अपना काम करते हैं पर तेज़ गेंदबाज़ी के प्रशंसक के रूप में, यह देखना हमेशा अच्छा होता है।

वहीं बुमराह ने कमिंस की भावनाओं को दोहराया और ऑस्ट्रेलिया की शानदार कप्तानी के लिए उनकी प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि कपिल देव जैसे पूर्व दिग्गजों ने साबित किया था कि तेज गेंदबाज़ भी नेतृत्व क्षमता में पीछे नहीं हैं। बुमराह ने कहा, मैंने हमेशा तेज गेंदबाज़ों को कप्तान बनाने की बात की है। वे रणनीतिक रूप से बेहतर हैं। कमिंस ने शानदार काम किया है। पूर्व में भी कपिल देव सहित कई ने कप्तान के तौर पर अपने प्रदर्शन से उदाहरण पेश किये हैं।

कनाडा को हराकर जर्मनी डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंची

मैलागा। जर्मनी की डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। जर्मनी ने क्वार्टर फाइनल में कनाडा को हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ और डैनियल अल्टमायर ने अपने-अपने मैच जीतकर कनाडा को 2-0 से हराया। इसके साथ ही जर्मनी की टीम डेविस कप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी। जर्मनी के अल्टमायर ने इस मैच में गैब्रियल डायलो को सीधे सेटों में 7-6(5) 6-4 से हराया। वहीं इससे पहले एक अन्य मैच में स्ट्रफ ने डेनिस शापोवालोव पर 4-6 7-5 7-6(5) से जीत दर्ज की।

स्ट्रफ ने कहा, आज मुझे लगता है कि हम जीत के अधिकारी थे। मैं जीत से उत्साहित हूं हालांकि विरोधी खिलाड़ी डेनिस भी काफी अच्छे से खेल रहे थे, उन्होंने पूरे मैच में जबरदसत सर्विस की जिससे हमारे लिए वापसी करना मुश्किल हुआ। टाईब्रेक में भी, उन्होंने कुछ विनर्स लगाए। कुल मिलाकर यह बहुत करीबी मुकाबला रहा था। अब सेमीफाइनल में जर्मनी

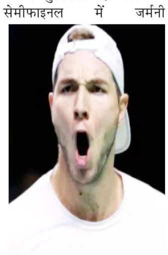

का मुकाबला नीदरलैंड से होगा। नीदरलैंड ने इससे पहले एक अन्य मैच में रफल नडाल पर जीत के साथ ही स्पेन को हराया था। स्ट्रफ ने कहा कि हमारे लिए क्वार्टर फाइनल से सेमीफाइनल में जाना एक बड़ा कदम है। हम जीतना चाहते हैं और अब फाइनल में जाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, नीदरलैंड ने भी अब तक शानदार मुकाबला खेला है। हमें सेमीफाइनल में हमें कड़े मुकाबले की उम्मीद है। हम जानते हैं कि जर्मन और डच के बीच थोड़ी प्रतिद्वंद्विता है और डच लोगों के पास काफी प्रशंसक हैं, इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

इससे पहले, शुरुआती मैच में, पहले सेट के दौरान दोनों खिलाड़ी आशंकित दिखे। अल्टमायर ने टाईब्रेक में 5-0 की बढ़त को जाने दिया और फिर 7-5 से जीत हासिल की। ??दूसरा सेट बेहतर रहा और यह तभी संभव हुआ जब जर्मन खिलाड़ी ने 15-40 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दसवें गेम में कनाडाई खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और मैच जीत लिया।

विराट को ऑस्ट्रेलियाई हालात पसंद , इसलिए कर सकते हैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन - मार्क वॉ

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने कहा कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को यहां के हालात पसंद है इसलिए उनपर खेलने का अधिक दबाव नहीं रहेगा। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है जिससे भी उन्हें मनोवैज्ञानिक लाभ होगा। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में अपने घरेल मैदानों पर विराट असफल रहे थे जिसके बाद से ही कहा जा रहा था कि उनपर ऑस्ट्रेलिया में दबाव रहेगा। कोहली खराब फॉर्म के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। उन्होंने पिछली दस पारियों में 20.62 की औसत से रन बनाए हैं। ये ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में उनके 54.08 के औसत और उनके कुल करियर औसत 47.83 से काफी कम है पर जिस प्रकार का प्रदर्शन उनका ऑस्ट्रेलिया में रहा है उसको देखते हुए ये तय है कि विराट सीरीज में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे।

वॉ ने कहा, 卐ऑस्ट्रेलिया में उनका रिकॉर्ड शानदार है, उन्हें हालात पसंद हैं। मुझे लगता है कि वह स्पिन की तुलना में तेज गेंदबाजी के बेहतर खिलाड़ी हैं। हालांकि उनका हाल का प्रदर्शन उनके स्तर के अनुरुप नहीं रहा है और

उनका औसत काफी गिर गया है। ऐसे में पर्थ उनके लिए एक अच्छी शुरुआत होगी, क्योंकि उन्होंने साल 2018 में एक बहुत ही कठिन पिच पर शानदार शतक बनाया था। जब आपके पास कुछ खास मैदानों पर अच्छी यादें होती हैं तो यह हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा, भारत की तुलना में ऑस्ट्रेलिया में होने पर उन पर कम दबाव होगा। भारत में अपनी घरेलू धरती पर खेलना बहुत ही रोमांचक होता है। यह सीरीज उनके लिए नई शुरुआत होगी।

वॉ ने आगे कहा, ऑस्ट्रेलियाई लोग अभी भी उन्हें एक बड़ा विकेट मानते हैं।वे जानते हैं कि वह क्या करने में सक्षम हैं और ऑस्ट्रेलिया में उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा है और उन्हें बड़े मंच से प्यार है। वॉ ने कहा, भारत ने हमें पिछली चार सीरीज में हराया है, इसलिए मुझे लगता है कि इससे कोहली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आएगा।

वहीं पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली को भी भरोसा है कि कोहली इस गर्मी में ऑस्ट्रेलिया में फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और मेजबान टीम के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। उनकी मानसिकता कभी न हार मानने वाली ऑस्ट्रेलियाई है इसके लिए वह कितने भी आक्रामक हो सकते हैं। हाल ही में उनके फॉर्म को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं पर मैं इससे चिंतित नहीं हूं। मैं जानता हूं कि कोहली के पास काफी अनुभव है।

एशेज की तरह है बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी - पोंटिंग

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारत के साथ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 की तुलना इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज से की है। उन्होंने कहा कि ये सीरीज विश्व क्रिकेट में सबसे अधिक प्रतीक्षित सीरीजों में से हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट शुक्रवार से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाएगा। पोंटिंग ने दोनों टीमों से पूरी सीरीज के दौरान प्रतिस्पर्धी लेकिन निष्पक्ष भावना बनाए रखने को कहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि मुझे लगता है कि हम सभी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जैसी सीरीजों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। साथ ही कहा कि एक पूर्व खिलाड़ी और एक कमेंटेटर के तौर पर में मैं इन दोनों टीमों को मैदान पर उतरते हुए कड़ी मेहनत और निष्पक्षता से खेलते हुए देखना चाहता हूं और फिर देखना चाहता हूं कि अगले पांच मैचों के अंत में कौन टिक पाता है। सीरीज के दौरान अपेक्षित तीव्रता के बारे में पोंटिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मैच रोमांचक होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि मसाला सही शब्द है या नहीं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि खेल लगभग चरम पर खेला जाएगा, अगर आप चाहें, तो दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें एक-दूसरे को एक इंच भी जगह नहीं देना चाहती हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा, हम विरोधी टीम को एक इंच भी जगह नहीं देना चाहते, उन पूरे पांच टेस्ट मैचों के दौरान एक भी मुकाबला नहीं हारना चाहते। पोंटिंग ने प्रतिद्वंद्विता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, यही विश्व खेल में इन महान प्रतिद्वंद्विता की खूबसूरती है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच टेस्ट मैच अब क्रिकेट ही नहीं बल्कि विश्व खेलों में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है।

कप्तानी को लेकर उत्साहित हूं - बुमराह

पर्थ । आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम की कप्तानी को लेकर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह उत्साहित हैं। बुमराह ने कहा कि कप्तानी एक पद नहीं जिम्मेदारी होने के साथ ही सम्मान की बात है। मुझे हमेशा से जिम्मेदारी लेना और चुनौतियों का सामना करना अच्छा लगता रहा है। इसलिए मैं इस नई भूमिका को लेकर खुश हूं। बुमराह दूसरी बार किसी टेस्ट मैच में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के एडबस्टन टेस्ट में भी उन्होंने कप्तानी की थी।

उन्होंने कहा, 'मैं कप्तानी को एक पद के तौर पर नहीं देखता। मुझे हमेशा से ही जिम्मेदारियां उठाना पसंद रहा है। मुझे पता है कि यह जिम्मेदारी एक टेस्ट के लिए ही है पर मैं भविष्य में और भी मैचों में कप्तानी करना चाहूंगा। बुमराह ने कहा,

'स्वाभाविक है कि रोहित को मैं नहीं कहूंगा कि मैं कप्तानी कर लेता हूं। वह हमारा कप्तान है और बेहतरीन काम कर रहा है। अभी यह एक मैच के लिये है पर भविष्य में मिलने वाले अवसरों के बारे में कोई नहीं जानता है।

उन्होंने कहा, 'अगले मैच में हालात बदल सकते हैं और क्रिकेट में ऐसा ही होता है। मैं अभी वर्तमान में रहता हूं। मुझे एक जिम्मेदारी मिली है जिसे मुझे बेहतर तरीके से पूरा करना है। पहले भी मैंने कप्तानी की है। इसलिए मैं यही सोच रहा हूं कि अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ योगदान कैसे दे सकता हूं। भविष्य पर मेरा वश नहीं है। साथ ही कहा कि किसी और की कप्तानी शैली की नकल करने से काम नहीं चलता। उन्होंने कहा, 'आपको किसी की नकल करने की बजाय अपनी शैली ही तलाशनी होगी। विराट और रोहित काफी सफल रहे हैं और परिणाम भी दिए हैं। मेरा तरीका भी यही है ।

बुमराह ने कहा, 'मेरी गेंदबाजी में भी आपको दिखेगा कि मेरी अपनी शैली है। मैने हमेशा ऐसे ही क्रिकेट खेली है। उनका मानना है कि तेज गेंदबाज रणनीति के माहिर होते हैं और अच्छे कप्तान बनते हैं। उन्होंने इसके लिए ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का उदाहरण दिया।

सिंधु चायना ओपन से बाहर हुई

शेन्ज़ेन । भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु चाइना मास्टर्स से बाहर हो गयीं है। सिंधु को दूसरे दौर के मैच में सिंगापुर की यो जिया मिन ने 16-21, 21-17, 21-23 से हराया। सिंधु का मुकाबला लंबे समय तक चला। सिंधु का लगातार सातवां टूर्नामेंट था, जिसमें वह इस साल क्वार्टर फाइनल से ऊपर नहीं बढ़ पायीं। सिंधु एक बार स्कोर 14-14 से बराबर करने के बावजूद पहला गेम हार गयीं, वह लय बरकरार नहीं रख पाईं।

सिंधु ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 11-8 से पिछड़ने के बाद 21-17 से गेम जीतकर मैच को तीसरे गेम तक पहुंचा दिया। 29 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने अंतिम गेम की शुरुआत 6-3 की बढ़त के साथ की और फिर इसे 13-9 तक मजबूत किया। यो जिन ने इसके बाद स्कोर 15-15 कर दिया। वह लगातार तीन अंक हासिल करते हुए भारतीय खिलाड़ी से आगे निकल गयीं। सिंधु ने इसके बाद वापसी के प्रयास किये पर वह सफल नहीं हुईं और अंत में 21-23 से हार गईं।

वहीं एक अन्य मैच में भरत की ही अनुपमा उपाध्याय को भी अपने-अपने दूसरे दौर में हार झेलनी पड़ी। अनुपमा को जापान की नात्सुकी निदाइरा के हाथों सीधे गेम में 21-7, 21-14 से हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ ही वह भी बाहर हो गयीं। अनुपमा को विश्व की 26वें नंबर की खिलाड़ी नात्सुकी ने आधे घंटे के अंदर ही हरा दिया। इसके अलावा भारत के ही बी. सुमीत रेड्डी और एन. सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी के मैच से बाहर होने से चीनी प्रतिद्वंद्वी को वॉकओवर मिल गया।

पाकिस्तान के नये कोच अकीब ने बाबर को निशाना बनाने से इंकार किया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नये अंतरिम कोच आकिब जावेद ने कहा है कि बाबर आजम को निशाना बनाने के जो आरोप उनपर लगते रहे हैं। वह सही नहीं हैं। अकीब टीम के मुख्य चयनकर्ता भी है उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य पाकिस्तान क्रिकेट की भलाई रहता है। साथ ही कहा कि बाबर ने ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से बल्लेबाजी की वह सभी ने देखा। हम किसी को निशाना नहीं बना रहे हैं। हम जानते हैं कि बाबर, मोहम्मद रिजवान, फखर जमां काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं और इन सभी ने अतीत में अच्छा प्रदर्शन किया है। अभी हम चैंपियंस ट्रॉफी और एकदिवसीय टीम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं क्योंकि हमें जल्द ही अपनी एकदिवसीय टीम तय करनी है। उन्होंने यह भी कहा कि चयनकर्ता अब कई युवा और नए खिलाड़ियों को अवसर दे रहे हैं क्योंकि खिलाड़ियों के बड़े पूल से अधिक विकल्प मिलते हैं। गौरतब है कि बाबर का पिछले कुछ समय से क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसी कारण ऑस्ट्रेलिया में हाल में खेली गई 3 मैचों की टी20 सीरीज में वह असफल रहे जिससे पाकिस्तान सभी मैच हार गयी। वह तीन मैचों में केवल 47 रन ही बना पाये। इसी के बाद से ही पाक के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा था कि बाबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 के बाद इस प्रारुप में शायद ही आगे अवसर मिले। वहीं अंतरिम मुख्य कोच बनने के बाद आकिब ने भी बाबर के प्रदर्शन की आलोचना की थी। बासित ने यहां तक कहा था कि आकिब के मुख्य कोच रहते यह बाबर आजम के लिए शायद अंतिम टी20 मैच है। आकिब का मानना है कि टीम की सफलता में कोच की भूमिका को अहम बताया जाता है पर ऐसा नहीं है। कोच सलाह दे सकता है पर मैदान में उसपर अमल कर परिणम देने का काम खिलाड़ियों का ही है।

पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम के शीर्ष छह खिलाड़ियों के नाम तय

पर्थ । यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में भारतीय टीम तैयार है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के इस पहले मैच के लिए भारतीय टीम ने बल्लेबाजों का क्रम तय कर लिया है पर गेंदबाजों को लेकर फैसला टॉस से पहले होगा। सलामी बल्लेबाज से लेकर छठे नंबर तक उतरने वाले खिलाड़ी तकरीबन पक्के हो गये हैं पर अंतिम तीन स्थानों के लिए फैसला अभी नहीं हुआ है। ये भी तय लग रहा है कि उछाल भरी पिच को देखते हुए दो तेज गेंदबाज रहेंगे पर अन्य के नामों को अभी तक अंतिम रुप नहीं दिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार नेट सत्र में उतरे यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के पारी शुरु करने की पूरी संभावना है।

वहीं नेट्स में अनुभवी विराट कोहली के साथ युवा देवदत्त पडिक्कल भी उतरे थे। इस दौरान पडिक्कल ने अच्छी बल्लेबाजी का प्रदर्शन भी किया। ऐसे में उन्हें भी तीसरे नंबर पर मौका मिलना तय है। विराट अपने तय स्थान नंबर चार पर उतरेंगे। ऋषभ पंत और युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल नेट्स में उतरे थे। पांच पर ऋषभ और 6 पर जुरेल खेलते नजर आएंगे। इसके बाद जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का है।

वहीं अंतिम तीन खिलाड़ियों में अगर एक स्पिनर को अवसर मिलता है तो किसे जगह मिलेगी। ये सवाल उठता है। इसके लिए आर अश्विन, रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के नाम हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को मौका दिया जा सकता है, जबकि एक अन्य तेज गेंदबाज हर्षित राणा, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा और यश दयाल में से कोई एक हो सकता है।

भारत की संभावित अंतिम ग्यारह

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, आर अश्विन/जडेजा/सुंदर, नितीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह (कप्तान), मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, बालाघाट (म.प्र.)
जिला जेल के सामने सिविल लाईन रोड बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष :- 07632-358737 ई-मेल :-dpepiubalaghat@gmail.com

एन.आई.टी. नं. -20/2024/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/मु.अ.(भ)/जबलपुर दिनांक14.11.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की राशि (कार्य की लागत) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदार/फर्म की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2024_PWPIU_382607_1	नवीन अनुविभगीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन वारासिवनी, जिला बालाघाट में फर्नीचर का स्थापना कार्य (प्रथम आमंत्रण)	बालाघाट	12.00	24000.00	2000.00	म.प्र. लोक निर्माण विभाग से पंजीयकृत	1

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http:// mptender.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर केडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 20.11.2024 समय शाम 05:00 बजे से दिनांक 04.12.2024 समय 6:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी- 19276/24

"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग,बालाघाट

प्रदूषण का कहर

यूपी, हरियाणा, राजस्थान में सैकड़ों स्कूलों में छुट्टी

नई दिल्ली। प्राकृतिक आपदाओं के अलावा अब मानव निर्मित आपदा(प्रदूषण) ने कहर बरपाना शुरु कर दिया है। यूपी, हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में सांस लेना मुश्किल हो गया है। दिल्ली के स्कूल और यूनिवर्सिटी बंद कर दिए गए। यहां पर 23 नवंबर तक ऑनलाइन क्लासेज चलेंगी। इसी तरह यूपी के 6 जिलों में भी वायु प्रदूषण के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ आदि जिलों के 12वीं तक के स्कूल पहले ही बंद करने के आदेश दिए गए थे। अब वायु प्रदूषण के कारण उत्तर प्रदेश के हापुड़, बुलंदशहर, बागपत आदि जिलों के भी स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। यहां भी प्रशासन ने एहतियातन इंटरमीडिएट तक के स्कूल और कॉलेज आगामी आदेश तक बंद रखने को कहा है।

उत्तर प्रदेश के इन जिलों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) काफी बढ़ गया है। गाजियाबाद में एक्यूआई 367, मेरठ का 248, बुलंदशहर का 322, और बागपत का 187 है, जबकि सबसे अधिक एक्यूआई हापुड़ का है। यहां यह इंडेक्स 519 तक पहुंच गया है, जिसके कारण यहां के स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद आदि जिलों के स्कूल तो पहले ही बंद रखने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके अलावा भी कई जिलों में स्कूलों को बंद रखने के आदेश हैं। हरियाणा के रेवाड़ी के जिलाधिकारी अभिषेक मीणा ने प्रदूषण के कारण 12वीं तक की कक्षाएं न लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल 23 नवंबर तक बंद रहेंगे। भिवानी जिले के डीसी महाबीर कौशिक ने 12वीं तक के सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। यहां पर आगामी आदेशों तक स्कूल बंद रहेंगे और ऑनलाइन क्लासेज चलाई जाएंगी। चरखी दादरी जिले के स्कूलों को भी बढ़ते प्रदूषण के कारण 23 नवंबर तक बंद रखने के निर्देश हैं। जिलाधीश मुनीष शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

राजस्थान में पहली बार प्रदूषण के कारण स्कूल बंद रखा गया है। यहां के खैरथल जिले के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। यहां के कलेक्टर किशोर कुमार ने सभी निजी व सरकारी स्कूलों के अवकाश की घोषणा की है। यह आदेश पांचवीं तक के स्कूलों के लिए जारी किया गया है, जो आगामी आदेश तक लागू रहेगा। राजस्थान के भी कई जिलों का एयर क्वालिटी इंडेक्स काफी बढ़ा हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि राजस्थान के लगभग 25 जिलों का एक्यूआई लेवल मंगलवार को औसतन 200 है।

एग्जिट पोल : 8 संस्थाओं ने महायुति तो 3 संस्थाओं ने महाविकास अघाड़ी के सत्ता में आने की भविष्यवाणी की

मुंबई,। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए बुधवार को हुए मतदान के बाद विभिन्न सर्वेक्षण संस्थाओं ने अपने चुनाव बाद रुझान परीक्षण (एग्जिट पोल) के नतीजों की घोषणा कर दी है। भास्कर, इलेक्टोरल एज और लोकपोल नाम के तीन संस्थाओं ने भविष्यवाणी की है कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सत्ता में आएगी। बाकी सभी संस्थाओं ने भाजपा महायुति के सत्ता में आने की भविष्यवाणी की है। दरअसल मध्य प्रदेश में लाडली बहना योजना सरकार विरोधी नाराजगी (सत्ता विरोधी लहर) को दूर करने में सफल रही। इसी तर्ज पर महाराष्ट्र में भी लाडली बहिन योजना तीन माह पूर्व लागू की गयी, क्योंकि सत्तापक्ष को विश्वास था कि इस योजना के चलते जैसे मध्यप्रदेश में पुन: सत्ता मिली उसी प्रकार महाराष्ट्र में भी सत्ता मिलेगी। एग्जिट पोल के मुताबिक यह विश्वास दिख रहा है कि इससे महायुति सत्ता में आ जाएगी। चुनाव के बाद, 11 प्रमुख संस्थाओं ने अपने निष्कर्षों की घोषणा की है। इनमें से तीन संस्थाओं को छोड़कर 8 संस्थाओं ने भविष्यवाणी की है कि

राज्य में महायुति बहुमत के साथ सत्ता में वापस आएगा। इन एग्जिट पोल्स को देखते हुए अब राज्य में महाविकास अघाड़ी सरकार के सत्ता में आने के दावों पर सवाल उठने लगे हैं। दैनिक भास्कर द्वारा कराए गए सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया है कि महाविकास आघाडी और महायुति दोनों स्पष्ट बहुमत के करीब पहुंच रहे हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान सभी प्रमुख संस्थाओं ने भविष्यवाणी की थी कि कांग्रेस सत्ता में आएगी। लेकिन इस भविष्यवाणी को पूरी तरह झूठा साबित करके बीजेपी वहां सत्ता में आई थी। लोकसभा चुनाव के दौरान भी देखा गया कि ज्यादातर संस्थाओं ने जो एग्जिट पोल का अनुमान लगाया था वह गलत निकला। अधिकांश सर्वेक्षण संस्थाओं ने निर्दलीय, छोटे दलों के विधायकों को महाविकास आघाडी और महायुति को छोड़कर अन्य श्रेणियों में रखा है। कुछ संस्थाओं ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ग में 10 से 25 विधायक चुने जायेंगे। इसलिए महाराष्ट्र में सत्ता स्थापना के समय इन विधायकों की भूमिका निर्णायक होगी।

चलते हुए ट्रक में घुसी बस, पांच लोगों की मौत, 15 घायल

अलीगढ़ । यूपी के अलीगढ़ जिले के थाना टप्पल क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेस वे पर बुधवार देर रात घने कोहरे में ओवरटेक कर रही तेज रफ्तार डबल डेकर बस आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। भीषण टक्कर से मां बेटे सहित पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 15 अन्य लोग घायल हो गए। प्राप्त विवरण के मुताबिक डबल डेकर बस दिल्ली से करीब नौ बजे आजमगढ़ के लिए रवाना हुई थी। बस के परिचालक आकाश यादव ने बताया कि बस की रफ्तार तेज थी और यमुना एक्सप्रेस वे पर कोहरा भी था। चालक ने ओवरटेक करते समय आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। जोरदार आवाज से बस में चीख पुकार मच गई। यमुना एक्सप्रेस वे पर जोरदार टक्कर होते ही पेट्रोलिंग कर रही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। हादसा इतना भीषण था कि बस के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़

सुप्रिया और नाना पटोले के ओडियों क्लीप एआई जनरेटेड...जांच में वॉयस नोट्स फर्जी

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर वोटिंग से ठीक पहले 19 नवंबर की रात 11 बजे के करीब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने आधिकारिक एक्स पर चार ऑडियो क्लिप पोस्ट किए। इन क्लिप की पड़ताल करने पर पता चला कि ये चार में से तीन ऑडियो क्लिप एआई जनरेटेड थे। इसके साथ बीजेपी ने दावा किया कि ये विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं, सुप्रिया सुले (एनसीपी शरद पवार), नाना पटोले (कांग्रेस), आईपीएस अधिकारी अमिताभ गुप्ता और एक ऑडिट फर्म के कर्मचारी गौरव मेहता के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग हैं।

बीजेपी ने आरोप लगाया कि ये ऑडियो रिकॉर्डिंग विपक्षी नेताओं सुप्रिया सुले और नाना पटोले ने 2018 के क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले से बिटकॉइन का दुरुपयोग कर राज्य में चुनावों के लिए फंड जुटाने के सबूत हैं। इसके अलावा, ऑडियो क्लिप में शामिल अन्य दो व्यक्ति की आवाजों को लेकर बीजेपी का दावा है कि ये अमिताभ गुप्ता, जो कि फिलहाल भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिरीक्षक हैं और गौरव मेहता की आवाजें हैं। गौरव एक ऑडिट फर्म, सारथी एसोसिएट्स के कर्मचारी हैं।

पुणे के पूर्व पुलिस अधिकारी रवींद्रनाथ पाटिल ने आरोप लगाया कि सुप्रिया, पटोले, आईपीएस गुप्ता (तत्कालीन पुणे पुलिस आयुक्त), ऑडिट फर्म के कर्मचारी मेहता और आईपीएस अधिकारी भाग्यश्री नवटके बिटकॉइन की हेराफेरी में शामिल थे। बताया जाता हैं कि पाटिल ने दावा किया कि उन्हें नामित लोगों के बीच बातचीत के वॉयस नोट भेजे गए थे। इसके बाद बीजेपी ने एक्स पर इन आरोपों से जोड़कर ये चार कथित वॉयस नोट पोस्ट किए।

इस फर्जी रिकॉर्डिंग में, सुप्रिया और नाना पटोले की आवाजें सुनी जा सकती हैं, जो चार क्रिप्टो वॉलेट्स में संग्रहीत बिटकॉइन के बदले में नकद मांग रहे हैं और मामले की कोई जांच नहीं करने का वादा भी कर रहे हैं। जांच पड़ताल के दौरान पाया कि बीजेपी की ओर से पोस्ट किए गए वॉयस नोट्स फर्जी हैं। इन्हें जनरेटिव एआई तकनीक की मदद से बनाया गया है। इस दौरान हमें चार में से तीन ऑडियो क्लिप के एआई जनरेटेड होने के पर्याप्त सबूत मिले। इन वॉयस नोट्स में से एक महज पांच सेकंड का था, जिसके चलते इसका रिजल्ट अनिर्णायक था, जो संभवत: इसकी छोटी आवधि के कारण था।

महाराष्ट्र चुनाव के बीच वायरल ऑडियो से गरमाई सियासत

महाराष्ट्र में बुधवार (20 नवंबर) को वोटिंग संपन्न हो गई। अब 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी, इसके साथ ही नतीजे सामने आएंगे। वर्तमान में, राज्य का नेतृत्व महायुती गठबंधन कर रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार गुट) शामिल है। विपक्ष में महाविकास अघाड़ी है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) के बीच गठबंधन है।

आलीशान बीकानेर हाउस की होगी कुर्की, 50 लाख रुपए के विवाद में कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली। राजस्थान के आलीशान बीकानेर हाउस की कुर्की होगी। दिल्ली की एक अदालत ने 50 लाख रुपए के एक विवाद में बीकानेर हाउस को कुर्क करने का आदेश दिया है। दिल्ली में मौजूद इस आलीशान भवन का मालिकाना हक नोखा म्यूनिसिपल काउंसिल के पास है। विवाद करीब चार साल पुराना है। एक कंपनी को 50.31 लाख रुपये की मध्यस्थता राशि का भुगतान नहीं करने पर कोर्ट ने सख्ती करते हुए कुर्की का आदेश दिया है। जिला जज विद्या प्रकाश ने यह आदेश जारी करते हुए कहा कि नगर पालिका ने पूर्व में जारी कोर्ट के आदेश के मुताबिक, इनवायरो इन्फ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड को 50,31,512 लाख रुपए का भुगतान नहीं किया। जिला न्यायाधीश ने आदेश पारित करते हुए कहा कि नगर पालिका द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में दायर की गई अपील खारिज होने के बाद एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में 2020 का मध्यस्थता आदेश अंतिम हो गया है। जज ने 18 सितंबर को पारित आदेश में कहा कि अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। इस बात पर गौर करते हुए कि बार-बार मौका दिए जाने के बावजूद देनदार अपनी संपत्ति का हलफनामा पेश करने के निर्देश का पालन करने में विफल रहा है, अदालत ने डिक्री धारक की ओर से पेश किए गए तर्कों से सहमति जताते हुए पाया कि देनदार की अचल संपत्ति अर्थात बीकानेर हाउस के खिलाफ कुर्की वारंट जारी करने का यह उपयुक्त मामला है। कोर्ट ने नगरपालिका नोखा को इस संपत्ति की बिक्री, उपहार या अन्य किसी रूप में किसी और को ट्रांसफर करने से रोक दिया है। अदालत ने नोखा नगर पालिका के प्रतिनिधि को अगली सुनवाई पर पेश होने को कहा है। फिलहाल बीकानेर हाउस पर आदेश को चस्पा कर दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है जब दिल्ली में हिमाचल भवन को भी दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मामले में कुर्क करने का आदेश दिया है।

आतंकी घुसपैठ का मामला : जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में एनआईए ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह जम्मू के कई इलाकों में बड़ी छापेमारी की। यह छापे एक नए दर्ज मामले से संबंधित हैं, जिसमें पाकिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ का आरोप लगाया गया है। पिछले दिनों घाटी में कई आतंकी घटनाएं हुई हैं। जिसके बाद आतंकियों के खिलाफ सुरक्षबालों का एक्शन भी तेज हो चुका है। एनआईए की इस कार्रवाई को आतंकियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के रुप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार एनआईए की इस छापेमारी का मकसद पाकिस्तानी आतंकियों के भारत में घुसने के प्रयासों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाना है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की मदद से एनआईए के अधिकारी कई स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं।

सत्र में अडानी के मुददे को उठाएगा विपक्ष..बीजेपी ने भी इंडिया गठबंधन को घेरने की कर ली तैयारी

नई दिल्ली । संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चल सकता है शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले ही कांग्रेस को सवाल उठाने के लिए एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। संसद के शीतकालीन सत्र में गौतम अडानी से जुड़े नए मुद्दे को लेकर बहस छिड़ने के पूरे आसार हैं। कांग्रेस और विपक्षी दल कारोबारी से जुड़े आरोपों और हाल ही में अमेरिकी अदालत में अभियोग के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, सत्ताधारी मोदी सरकार विपक्ष से मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार कर रही है।

राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला न कर पीएम मोदी और गौतम अडानी के बीच घनिष्ठ संबंध का आरोप लगाया है और उनके रिश्ते को मोदानी करार दिया है। विपक्ष ने अमेरिकी अदालत की रिपोर्ट का सहारा लिया है, जिसमें अडानी पर सौलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए राज्य बिजली वितरण कंपनियों (एसडीसी) को रिश्वत देने का आरोप लगा है।

जवाब में भाजपा ने आरोपों की विश्वसनीयता को चुनौती दी है। बीजेपी ने विपक्ष की जवाबदेही पर सवाल उठाकर पलटवार किया है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश-जुलाई 2021 और फरवरी 2022 के बीच कथित रिश्वतखोरी की अवधि के दौरान विपक्षी दलों (बीजेडी, डीएमके, कांग्रेस और वाईएसआरसीपी) के शासन में थे।

वहीं भाजपा ने विपक्ष पर निशाना साधकर पूछा है कि उनकी सरकारों ने राज्य एजेंसियों को कथित रिश्वत देने की अनुमति क्यों दी। भाजपा नेता इस दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगियों से उनकी भूमिका पर जवाब मांग रहे हैं। बीजेपी ने इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिकी अभियोग में केवल आरोप हैं, सिद्ध आरोप नहीं है। बीजेपी नेताओं ने भारतीय कंपनी पर हमला करने के लिए विदेशी रिपोर्ट पर विपक्ष के भरोसा करने पर चिंता जाहिर की है। बीजेपी का तर्क है कि अगर ये आरोप सच हैं, तब उन्हें भारतीय कानूनी ढांचे के अंदर संबोधित किया जाना चाहिए। उन्होंने समानताएं बताकर कहा कि भारतीय अदालतें इसी तरह भारत में भ्रष्ट आचरण के लिए अमेरिकी कंपनियों पर अभियोग लगा सकती हैं, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या विदेशी सरकारें अपनी घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप बर्दाश्त करेंगी।

इतना ही नहीं भाजपा ने रिपोर्ट के समय पर सवाल उठाया है। यह सुझाव देकर कि शीतकालीन सत्र से पहले सरकार को अस्थिर करने की राजनीतिक रूप से प्रेरित रणनीति का हिस्सा है।

दुश्मन के ठिकानों को तबाह करेंगे रोबोटिक डॉग

पहाड़ से लेकर पानी तक में रहेंगे एक्टिव, -40 से +55 डिग्री तापमान में भी करेंगे मुकाबला

जैसलमेर। दुश्मनों से लोहा लेने में भारतीय सेना का साथ अब रोबोटिक डॉग भी देगा। आदेश मिलते ही दुश्मनों पर टूट पड़ेगा। फायरिंग से लेकर दुश्मनों की हरकतों पर नजर रखने में यह हमारे सैनिकों के कंधा से कंधा मिलाकर युद्ध क्षेत्र में सक्रिय रहेगा। मात्र एक घंटे के चार्ज में लगातार 10 घंटे तक काम करने की इसमें क्षमता है। पहाड़, पानी, जंगल... हर इलाके में इसकी मारक क्षमता जोरदार होगी। जैसलमेर के पोकरण फायरिंग रेंज में रोबोटिक डॉग ने भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन के साथ अभ्यास किया है। 14 से 21 नवंबर तक चले इस अभ्यास के दौरान सेना के जवान भी इसकी खासियत से रूबरू हुए। भारतीय सेना में हाल ही में रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट यानि रोबोटिक डॉग शामिल किए गए हैं। माना जा रहा है कि आधुनिक तकनीक से बने इस रिमोट वाले डॉग के साथ ट्रेनिंग से सेना की ताकत में और इजाफा होगा।

भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन की इकाइयों ने इस आधुनिक डॉग के साथ दुश्मन को खोजने और उसे खत्म करने के अभ्यास को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसके अलावा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सहायता और परिवहन में सुधार के लिए लॉजिस्टिक्स ड्रोन का परीक्षण किया जा रहा है। हाल ही में भारतीय सेना ने बॉर्डर से लगे इलाकों में (विशेषकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में) उपयोग के लिए 100 रोबोटिक डॉग को शामिल किया है।

थर्मल कैमरों और रडार से लैस

रोबोटिक डॉग्स थर्मल कैमरों और रडार से लैस हैं। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी डिजाइन है। यह बर्फ, रेगिस्तान, ऊबड़-खाबड़ जमीन, ऊंची सीढियों यहां तक कि पहाड़ी इलाकों में हर बाधा को पार करने में सक्षम बनाता है। रोबोटिक डॉग जवानों को किसी भी नुकसान से बचाते हुए दुश्मन के ठिकानों पर गोलीबारी करने में भी सक्षम है।

10 किमी दूर से कर सकेंगे ऑपरेट

म्यूल डॉग 1 मीटर से 10 किमी की रेंज तक ऑपरेट किया जा सकता है। वाई-फाई या लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन यानी एलटीई पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। छोटी दूरी के लिए, वाई-फाई का उपयोग किया जा सकता है, जबकि 4जी/एलटीई का उपयोग 10 किमी तक की दूरी के लिए किया जा सकता है। इसमें कैमरा लगा होता है जो 360 डिग्री तक घूम सकेगा।

भारतीय सेना की ताकत में इजाफा

रोबोटिक डॉग्स सेंसर्स के माध्यम से काम करते हैं। इनमें एक रिमोट कंट्रोल यूनिट होती है, जिससे इनको मॉनिटर किया जाता है। ये रोबोटिक डॉग्स जरूरी सामान की सेना तक आपूर्ति करेंगे। इन रोबोटिक डॉग्स में हाई रिजॉल्यूशन वाले कैमरे और सेंसर लगे होते हैं, जो छुपे हुए दुश्मन को भी खोज निकालेंगे। रियल टाइम डाटा देंगे। इनके जरिए सेना दुश्मन की हरकतों पर नजर रखेगी। चीन ने पहले ही अपने सैन्य अभियानों में रोबोट डॉग्स को शामिल कर लिया है। अब भारतीय सेना ने भी अपनी ताकत बढ़ाने के लिए ऐसे रोबोटिक डॉग्स को साथ लिया है। जाहिर है इससे भारतीय सेना की ताकत में इजाफा होगा।

खिड़की काट बैंक में घुसे चोर, तिजोरी से निकले 13 करोड़ से ज्यादा के जेवर

नई दिल्ली। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से 13.6 करोड़ रुपए कीमत के 19 किलोग्राम से ज्यादा सोने के ज्वेलरी चोरी हो गई। पुलिस ने बताया कि चोर गैस कटर से खिड़की काटकर बैंक में घुसे और तिजोरी से करीब 19.5 किलोग्राम वजन के सोने के आभूषण चुराकर चंपत हो गए। बैंक कर्मचारियों इसकी सूचना मंगलवार को लगी तब उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला सामने आया। इस घटना से क्षेत्र के लोगों में दहशत है और चोरी के डर से उनकी नींद हराम हो गई है।

छत्तीसगढ़ में जल्द होगा मंत्रिमंडल का विस्तार, बीएल संतोष से मिले सीएम साय

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार होने जा रहा है। इसके संकेत उस वक्त् मिले जब राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वरिष्ठ नेताओं से रायशुमारी शुरु कर दी है। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बन जाने से खाली हुई कैबिनेट में जगह में किनको एडजस्ट किया जाए, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सामने यक्ष प्रश्न है। साय सरकार में दो मंत्री बनाये या सकते हैं। दोनों पद भरकर भाजपा नेतृत्व मंत्रिमंडल का आकार 13 मंत्रियों का करेगा या एक पद खाली रखा जायेगा इसका जवाब किसी के पास नहीं। कई वरिष्ठ नेता मंत्री की कतार में हैं उनमें अमर अग्रवाल, राजेश मूणत, अजय चंद्राकर, रेणुका सिंह, पुरंदर मिश्रा, भावना बोहरा, लता उसेंडी, नीलकंठ टेकाम, संपत अग्रवाल, रामकुमार टोप्पो का नाम प्रमुख है।

बृजमोहन अग्रवाल की जगह अमर अग्रवाल या संपत अग्रवाल को मौका दिया जा सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह आदिवासी समुदाय से हैं। उनकी न केवल मोदी मंत्रिमंडल से समय से पहले विदाई कर दी गई थी, बल्कि लोकसभा का टिकट भी नहीं दिया गया। कुछ मंत्रियों को साय मंत्रिमंडल से हटाने की भी चर्चा है। किनको हटाया जायेगा, किनको लाया जायेगा, इस विषय पर माना जा रहा है बीएल संतोष के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री ने रायशुमारी की है। माना जा रहा है जल्द साय मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

महाराष्ट्र में बढ़ा मतदान, किसकी होगी मौज...किसे करेगा परेशान

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुका है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक इस बार महाराष्ट्र में पिछले चुनावों के मुकाबले ज्यादा वोटिंग हुई है। मतदान में 4 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि ने एकतरफ जहां महायुति के नेताओं को जीत के प्रति आश्वस्त कर दिया है। वहीं महाविकास अघाड़ी को बढ़ा हुआ मतदान सत्ता विरोधी लहर दिख रही है। एमवीए के नेताओं का मानना है कि राज्य की जनता ने महायुति के खिलाफ अपने घरों से बाहर निकलकर मतदान किया है। दूसरी ओर महायुति के नेताओं का मानना है कि उनके मुख्य मतदाताओं ने मतदान के लिए बड़ी संख्या में अपने घरों से निकलकर बीजेपी के पक्ष में मतदान किया है।

आंकड़ों के मुताबिक विधानसभा के लिए हुई वोटिंग में महाराष्ट्र का वोटिंग प्रतिशत करीब 65.11 प्रतिशत रहा है। वोटिंग का यह प्रतिशत पिछले चुनावों के मुकाबले करीब चार प्रतिशत ज्यादा है। बीते चुनाव में मतदान प्रतिशत 61.1 रहा था, जबकि आम चुनाव 2024 में भी मतदान प्रतिशत 61.29 ही रहा था। मुंबई की कोलाबा विधानसभा को छोड़कर करीब सभी विधानसभा क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत 50 से अधिक रहा।

महाराष्ट्र में अधिक मतदान पर शिवसेना यूबीटी के अनंत दुबे ने कहा कि अधिकांश ग्रामीण इलाकों में लोग अपने घरों से बाहर निकले और अपने मतदान का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि इसतरह के मामलों में जहां अधिक मतदान होता है, वहां लोग बदलाव चाहते हैं। यहां, लोग पिछली सरकार से बदलाव चाहते थे।

अधिक मतदान को लेकर आरएसएस ने कहा कि महाराष्ट्र में ज्यादा मतदान हो इसके लिए हमारे स्वयं सेवकों ने जमीनी स्तर पर मेहनत की थी। इसका नतीजा है कि राज्य में पिछले चुनावों के मुकाबले अधिक मतदान हुआ। लोगों ने महायुति सरकार को एक और मौका देने के लिए जोर शोर से अपने मतदान का प्रयोग किया है। उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बढ़े हुए मतदान को लेकर कहा कि महायुति सरकार ने अपने कार्यकाल में बेहतर प्रदर्शन किया है। जनता का बड़ी संख्या में वोट करने के लिए आना, राज्य में चल रही सत्ता समर्थक लहर का परिणाम है।

पीएमएलए मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जगन्नाथ मंदिर के पुजारी को दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए मामले में जगन्नाथ मंदिर के एक पुजारी को अग्रिम जमानत दी है। पुजारी को 3 हफ्ते के भीतर आरबीआई में 20 लाख रुपए ब्याज सहित जमा करने की शर्त पर अग्रिम जमानत मिली है। याचिकाकर्ता राजकुमार दैतापति श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी, उड़ीसा के पीढ़ी दर पीढ़ी के पुजारी बताए गए हैं। ?उनके खिलाफ कुछ विदेशी नागरिकों ने एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके संबंध में पीएमएलए की कार्रवाई शुरू की गई है। 232,568 अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी के अपराधों के लिए ये एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी को विदेशी नागरिकों (शिकायतकर्ताओं) ने मामले की देखरेख करने और विदेशियों की ओर से समझौता करने और धन प्राप्त करने के लिए मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी दी थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा, पक्षों के बीच हुए समझौते के अनुसार, अपीलकर्ता को विदेशी नागरिकों की ओर से 92 लाख रुपए मिलने थे, ?लेकिन अब तक उसने आरबीआई के पास केवल 80 लाख रुपए जमा किए हैं। ?बेंच ने इस शर्त पर अग्रिम जमानत देने पर सहमति जताई कि याचिकाकर्ता 20 लाख रुपये ब्याज समेत और आरबीआई में जमा कराएगा।

मलयालम अभिनेता मेघनाथन का निधन

कोझिकोड। प्रसिद्ध मलयालम फिल्म अभिनेता एवं टेलीविजन धारावाहिक कलाकार मेघनाथन का 60 साल की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया। उनके परिवार में उनकी पत्नी सुस्मिता और एक बेटी पार्वती हैं। फेफड़ों से संबंधित बीमारी के उपचार के लिए वह कोझिकोड में एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। पार्थिव शरीर को शोरनूर के निकट वडानमकुरुस्सी स्थित उनके घर पर दोपहर तक रखा जायेगा, ताकि उनके मित्रों, रिश्तेदारों तथा समाज के सभी वर्गों के लोगों को अंतिम दर्शन मिल सकें और शाम को उनके घर पर ही अंतिम संस्कार किया जायेगा।

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता बालन के नायर और शारदा नायर के तीसरे बेटे मेघनाथन की पहली फिल्म 1983 में पी एन मेनन द्वारा निर्देशित आश्रम थी। उन्होंने 49 वर्षों के अंतराल में 50 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें तमिल सिनेमा भी शामिल है। उन्हें पंचाग्नि, चेनकोल, चमयम, ई पुझायम कदन्नु, उदयनपालकन फिल्मों में उनके खलनायक और चरित्र भूमिकाओं के लिए सराहा गया था। उनकी आखिरी फिल्म 2022 में आसफ अली अभिनीत और जीतू जोसेफ निर्देशित कूमन थी।

बी.डी.कतरोलिया होंगे नगर पालिका बालाघाट के दसवें मुख्य नगर पालिका अधिकारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट नगर पालिका के नए मुख्य नगर पालिका अधिकारी होंगे बी.डी. कतरोलिया बता दे की अभी हाल ही में निशांत कुमार श्रीवास्तव को कमिश्नर अभय वर्मा द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने को लेकर निलंबित किया गया था एवं उसके बाद उन्हें बहाल भी कर दिया गया था किंतु उन्होंने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान यह संकेत दे दिए थे कि वह यहां नहीं रहेंगे और वह यहां से स्थानांतरित होकर चले जाएंगे, इसके बाद अब नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपसचिव प्रमोद कुमार शुक्ला के आदेश अनुसार मुख्य नगर पालिका अधिकारी विदिशा को बालाघाट नगर पालिका का मुख्य नगर पालिका अधिकारी बना दिया गया है जो जल्द ही मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालाघाट का प्रभार ग्रहण करेंगे, जो इस परिषद के दसवें मुख्य नगर पालिका अधिकारी होंगे।

आपको बता दे की इस बार बैठी परिषद के कार्यकाल को अभी महज 3 वर्ष भी पूरे नहीं हुए हैं, किंतु इन तीन वर्षों में नगर पालिका के लगभग एक दर्जन मुख्य नगर पालिका अधिकारी आकर चले गए हैं बहुत से मुख्य नगर पालिका अधिकारी तो यहां तू चल मैं आता हूं की कहावत को चरितार्थ करते नजर आए और यहां से या तो स्थानांतरित होकर या फिर कोई विभागीय प्रकिया के चलते यहां से चलते बने एवं कुछ समय तो यहां लंबे समय तक प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा ही बिताया गया है, एवं उसके बाद कुछ फूल फेश मुख्य नगर पालिका अधिकारी आए भी तो वह भी महज कुछ ही महीने कार्य करने के बाद यहां से चले गए एवं अभी निशांत कुमार श्रीवास्तव को भी विभागिय कार्रवाई के दौरान निलंबित किया गया था, जिसके बाद वह बहाल तो हुए लेकिन वह भी यहां वापस नहीं आए और बहाल होने के दौरान दूरभाष पर पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में उन्होंने बातों ही बातों में या संकेत दे दिए थे कि वह अब यहां नहीं आएंगे और स्थानांतरित होकर चले जाएंगे इसके बाद 21 नवंबर को नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उप सचिव प्रमोद कुमार शुक्ला का एक आदेश जारी हुआ जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी विदिशा को बालाघाट का मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनाया गया हैं जिसमें बी.डी.कतरोलिया बालाघाट मुख्य नगर पालिका के दसवें मुख्य नगर पालिका अधिकारी बने हैं, अब देखना होगा कि विदिशा से आए मुख्य नगर पालिका अधिकारी किस प्रकार यहां कार्य करते हैं, क्योंकि जिस प्रकार से महज 3 साल में 10 मुख्य नगर पालिका अधिकारी यहां से आकर जा चुके हैं तो इस बीच श्री कतरोलिया अपने आप को कैसे इस नगर पालिका में ढालते हैं क्योंकि सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार श्री कतरोलिया का भी महज डेढ़ वर्ष का कार्यकाल अभी बचा है जिसके बाद वह भी सेवानिवृत हो जाएंगे।

यह रह चुके अभी तक

इस 27 महीने की इस परिषद में लगभग 10 प्रभारी और फूल फेश मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका बालाघाट में रह चुके हैं जिसमें सतीश मटसेनिया, रेखलाल रहांगडाले, नितिन चौधरी, देवेंद्र मर्सकोले, दिनेश वाघमारे, नवीन चौधरी, कमलेश बीजेवार, निशांत कुमार श्रीवास्तव, दिशा डेहरिया, ऐसे अभी तक यह प्रभारी और फुलफेश मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में बालाघाट नगर पालिका में रह चुके हैं एवं दसवें मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रूप में बी.डी.कतरोलिया बालाघाट नगर पालिका का प्रभार ले रहे हैं।

11 जिला अधिकारियों को जारी हुए नोटिस

अक्टूबर माह की रैंकिंग जारी होने के बाद कलेक्टर ने बड़ी संख्या में विभाग प्रमुखों को जारी किए कारण बताओ सूचना पत्र

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मध्यप्रदेश शासन सीएम हेल्पलाईन की अक्टूबर माह की रैंकिंग जारी की गई है। जारी रैंकिंग में जिले के 11 विभागों की रैंकिंग 30 से अधिक पायी गई है। जबकि कलेक्टर श्री मृणाल मीना द्वारा टीएल बैठक के अलावा अलग-अलग स्तर पर निगरानी करते हुए बार बार निर्देशित करने के बावजूद विभागों द्वारा शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद कराने में कामयाब नहीं हुए। लिहाजा कलेक्टर श्री मीना ने ऐसे विभाग प्रमुखों को एक साथ 11 जिला अधिकारियों को नोटिस जारी किए है। मप्र सिविल सेवा आचरण 1965 के नियम-3 (सामान्य) के विपरीत पाये जाने पर मप्र सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम-1966 के नियम-10 अन्तर्गत नोटिस जारी किए है। कलेक्टर श्री मीना ने संबधित विभागों को 7 दिनों में समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने का समय दिया है।

11 विभागों में हितग्राहीमूलक योजना व आधारभूत संरचनाओं व सुविधाएं देने वाले विभाग है शामिल

सीएम हेल्पलाईन पर जिन विभागों की रैंकिंग प्रभावित हुई है। उनमें हितग्राहीमूलक योजना संचालित करने वाले विभागों के अलावा आधारभूत व्यवस्थाएं व सुविधाएं सुनिश्चित करने वाले विभाग शामिल है। इसमें पशुपालन विभाग की सीएम हेल्पलाइन पर सितंबर माह में रैंक 12 थी जबकि अक्टूबर में 32 वे स्थान पर है। इसी तरह ऊर्जा विभाग की सितम्बर माह ने 37 व अक्टूबर में 30 वा स्थान, स्वास्थ्य विभाग सितंबर में 12 वे पर अक्टूबर में 35 वा स्थान, खाद्य विभाग सितंबर में 37 व अक्टूबर में 36 वा, सहकारिता की सितम्बर माह में 3 व अक्टूबर में 39 वाँ स्थान, कृषि विभाग सितम्बर माह में प्रदेश में सीएम हेल्पलाईन में 26 वी रैंकिंग पर व अक्टूबर में 40 वे स्थान पर है। इस तरह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सितंबर माह में 21 स्थान पर और अक्टूबर में 40 वे स्थान पर है। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग सितम्बर माह में 31वे और अक्टूबर माह में 41वे स्थान पर, श्रम विभाग सितम्बर माह में 37वे और अक्टूबर माह में 46वे स्थान पर, आबकारी विभाग सितम्बर माह में 9वे और अक्टूबर माह में 35वे स्थान पर तथा अनुसूचित जनजाति विभाग सितम्बर माह में 24वे और अक्टूबर माह में 30 वे स्थान पर होने से कार्रवाई की गई।

इन विभाग प्रमुखों को जारी हुए नोटिस

कलेक्टर श्री मीना द्वारा जारी किए गए नोटिस में पशुपालन विभाग के उपसंचालक एनडी पुरी, ऊर्जा विभाग के अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उइके, स्वास्थ विभाग के सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडेय, खाद्य आपूर्ति विभाग की अधिकारी श्रीमती ज्योति बघेल आर्य, सहकारिता विभाग उपायुक्त राजेश उइके, किसान कल्याण एवं कृषि उपसंचालक राजेश खोबरागड़े, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बीएल उइके, महिला एवं बाल विकास की जिला परियोजना अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी, श्रम पदाधिकारी सुश्री दामिनी सिंह, जिला आबकारी अधिकारी सुरेंद्र कुमार उरांव और अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त पीएन चतुर्वेदी शामिल है।

पिकअप की ठोकर से महिला की मौके पर मौत

ग्रामीण थाने के लामता रोड मगरदर्रा में हुई दुर्घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। ग्रामीण थाना अंतर्गत लामता रोड पर स्थित ग्राम मगरदर्रा में पिकअप की ठोकर से एक महिला की मोके पर ही दर्दनाक मौत हो गई

।मृतिका रश्मि पति ढालसिंह उइके 30 वर्ष ग्राम कोचेवाड़ा थाना लामता निवासी है। 21 नवंबर को 1.15 बजे करीब यह हृदय विदारक सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह महिला बस से उतरकर मगरदर्रा पंचायत तरफ जा रही थी। तभी वहा से गुजर रही तेज रफ्तार पिकअप ने इस महिला को चपेट में ले लिया। इसके बाद पिकअप चालक पिकअप को वहीं छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटना के डेढ़ घंटे बाद इस महिला का शव 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। ग्रामीण पुलिस ने पिकअप को अपने कब्जे में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रश्मि उइके के पति ढालसिह का दो वर्ष पहले ही निधन हो चुका है। इसके बाद रश्मि अपने सास ससुर और एक बेटे के साथ रहती थी और खेती किसानी के अलावा मजदूरी करती थी। बताया गया है कि रश्मि का मायका ग्राम कचुरना का है और मायके में उसकी मां दो भाई और एक बहन रहते हैं जो खेती किसानी करते हैं। 21 नवंबर को रश्मि किसान सम्मान निधि का फॉर्म भरने के लिए लामता से बस में मगरदर्रा आ रही थी। 1=15 बजे ग्राम मगरदर्रा में रश्मि बस से उतरी और वह पटवारी से मिलने के लिए मगर दर्रा ग्राम पंचायत तरफ जा रही थी तभी बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप रोड पार हो रही रश्मि को ठोस मार कर फरार हो गई। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक पिकअप को घटना स्थल से कुछ दूर छोड़कर फरार हो गया। पिकअप की जबरदस्त ठोकर से संभवत रश्मि की सिर में चोट लगने से मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण पुलिस मगरदर्रा पहुंची। बताया गया है कि घटना के डेढ़ घंटे बाद सड़क दुर्घटना में मृत रश्मि का शव 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट भिजवाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा चेक करने पर उसे मृत घोषित किया। जबकि रश्मि की मौत घटना स्थल पर ही हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किये और प्रारंभिक जांच करवाई कर रश्मि का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिये और मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना ग्रामीण भिजवा दी गई है। ग्रामीण पुलिस ने पिकअप को अपने में कब्जे में ले लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज संभागायुक्त, क्लेक्टर्स व एसपी से वीसी के माध्यम से करेंगे समीक्षा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 22 नवम्बर शाम 5 बजे संभागायुक्त, कलेक्टर्स एवं एसपी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। जिसमे वे विभिन्न कार्यो की प्रगति पर समीक्षा सुनिश्चित करेंगे।

भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है

प्रदेश कांग्रेस महासचिव साधना भारती ने भाजपा पर लगाये आरोप

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। प्रदेश कांग्रेस महासचिव साधना भारती ने भूपेंद्र सोहागपूरे के विषय को लेकर स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता का आयोजन किया जहां उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए जमकर खरी खोटी सुनाई और आरोप लगाए कि आज भाजपा की कथनी और करनी में काफी अंतर है, जो भाजपा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दे रही है उन्हीं के आज पदाधिकारी बेटियों के साथ बलात्कार जैसी घटनाएं कर रहे हैं, जो कि गलत है जिस पर पुलिस को कड़ी से कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए एवं भूपेंद्र के मामले में यदि पुलिस जल्द से जल्द भूपेंद्र की गिरफ्तारी नहीं करती तो वह कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर बालाघाट बंद करवाएंगे।

आपको बता दे कि महिला थाना में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सोहागपुरे पर महिला शिक्षिका को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और जातिगत रूप से अपमानित किए जाने के मामले में अपराध

दर्ज होने के बावजूद अब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं होने पर कांग्रेस, लगातार भाजपा को घेर रही है। इसी के चलते 21 नवंबर को दोपहर 03.30 बजे सर्किट हाउस में कांग्रेस प्रदेश महासचिव साधना भारती ने भाजपा की बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि भाजपा महिला और बेटी विरोधी है। भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों पर बेटी और महिलाओं से शारीरिक शोषण की गंभीर धाराओ में अपराध दर्ज हो रहे है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। भाजपा के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष, भूपेन्द्र सोहागपुरे पर अनुसूचित जाति की महिला शिक्षिका ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और जातिगत रूप से अपमानित करने का मामला दर्ज कराया है। जिसमें अब तक भाजयुमो अध्यक्ष की गिरफ्तारी नहीं होने, साफ बयां करता है कि उसे, भाजपा का संरक्षण है और इसी राजनीतिक संरक्षण के कारण पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है।

भाजपा की महिला, सांसद और भाजपा चुप क्यों है?

उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में शासकीय शिक्षिकाएं भी सुरक्षित नहीं है। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने हिन्दु बेटी का बलात्कार किया और उसे धोखा दिया लेकिन अफसोस कोई कार्यवाही नहीं हुई और ना ही अभी तक भाजपा ने एक्शन तक नहीं लिया। भाजपा की महिला सांसद और भाजपा की चुप क्यों है? भाजपा बलात्कारियो को संरक्षण देने का काम कर रही है। कांग्रेस ने हर मोर्चे पर इसका विरोध किया है और जरूरत पड़ेगी तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर भी आंदोलन करेगी। वह एक महिला होने के नाते इसकी निंदा करती हैं। भाजपा में शर्म, हया और गैरत बची है तो भाजयुमो जिलाध्यक्ष को तत्काल जेल की सलाखो के पीछे पहुंचाए, उसके कृत्य की निंदा करने का काम करें और उसे निष्कासित करने का काम करें। उन्होंने कहा कि जहां तक पुलिस शिकायत की बात कर रही है, यह कानूनी कार्यवाही हैं, पैसे मांग कर रहे है, तो कब मांगे, इसकी पूरी जांच होना चाहिए लेकिन महिला अपराध में आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी होना चाहिए।

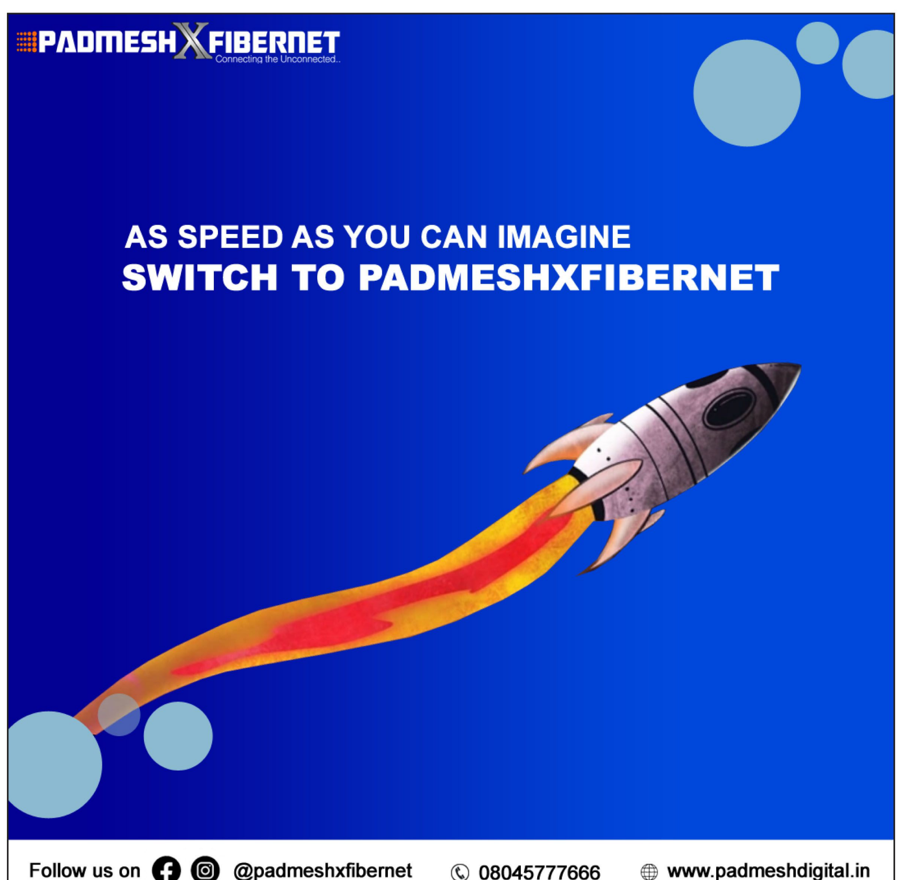

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट